

बीमा समिति

कुपण्डोल, ललितपुर



बार्षिक प्रतिबेदन

२०७९/२०८०

बीमा समिति

कुपण्डोल, ललितपुर



बार्षिक प्रतिबेदन

२०७९/२०८०

सञ्चालक समितिका सदस्यहरू (आ.व. २०७१-०७२)



प्रा. डा. फत्त बहादुर के.सी.

अध्यक्ष



श्री नरेन्द्रमान श्रेष्ठ

सदस्य

तत्कालिन सहसचिव
कानून, न्याय, संविधानसभा तथा संसदीय
मामिला मन्त्रालय (२०७१०८०९ सम्म)



श्री टेक प्रसाद दुङ्गाना

सदस्य

तत्कालिन सहसचिव
कानून, न्याय, संविधानसभा तथा संसदीय मामिला
मन्त्रालय (२०७१०९०७ देखि)



श्री दुण्डी राज पोख्रेल

सदस्य

तत्कालिन सहसचिव
अर्थ मन्त्रालय
(२०७१०५१२७ सम्म)



श्री डिल्ली प्रसाद सिवाकोटी

सदस्य

सहसचिव

अर्थ मन्त्रालय

(२०७२०९१२९ सम्म)



श्री चन्द्रकला पौडेल

सदस्य

अर्थ मन्त्रालय

(२०७२०९१८ देखि)



श्री मदन खरेल

सदस्य

नेपाल वायुसेवा निगम
(२०७२०९१२२ सम्म)



श्री सुगत रत्न कंसाकार

सदस्य

नेपाल वायुसेवा निगम
(२०७२०९१२५ देखि)



श्री सुरज विक्रम शाही

सदस्य

बीमा विज्ञ

वर्तमान सञ्चालक समितिका सदस्यहरू



प्रा. डा. पुर्ण बहादुर के.सी.

अध्यक्ष



श्री उदयराज साप्कोटा

सदस्य

सह-सचिव

कावृन, न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय



श्री मुकुन्द प्रसाद पौडेल

सदस्य

सह-सचिव

अर्थ मन्त्रालय



श्री सुगत रत्न कंसाकार

सदस्य

महाप्रबन्धक

नेपाल वायुसेवा निगम



श्री कपिल देव ओली

सदस्य

बीमा बिज

अध्यक्षको मन्त्रत्व

बीमा समितिबाट नेपालको बीमा ऐन, २०४९ को दफा ४२ उपदफा (१) मा भएको व्यवस्था बमोजिम आर्थिक वर्ष २०७१०७२ मा समितिबाट भए गरे गराएका मुख्य मुख्य कार्य सम्पादन र विवरण समावेश भएको बार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत गर्न पाउँदा सम्बन्धित सबै सरोकारवाला निकायमा हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्न चाहन्छ ।

बीमितहरूको हित संरक्षण गर्नुका साथै बीमा क्षेत्रको विकासका लागी बीमा समितिको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि हुन अपरिहार्य रहेको छ । यस क्षेत्रमा देखिएका चुनौतिहरूको सामना गर्दै अवसरहरूलाई सहि सदुपयोग गरि आफ्नो लक्ष्य प्राप्त गर्न तर्फ बीमा समिति सदैव प्रतिबद्ध रहेको छ । बीमालाई अभ बढी गुणस्तरीय पारदर्शी बनाई स्थिर ता तर्फ उन्मुख गराउन सम्बन्धित सबै पक्षहरूसंग आपसी सहयोग तथा समझदारी बढाउने दिशामा बीमा समिति सदा सक्रिय रहिरहेको छ ।

बीमा बजार विकासको लागि सहयोग पुऱ्याउनु हुने बीमा समितिका संचालक समिति, अर्थ मन्त्रालय, कानुन न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय, कृषि विकास मन्त्रालय, नेपाल राष्ट्र बैंक, नेपाल धितोपत्र बोर्ड, नेपाल बीमक संघ, नेपाल पेशागत बीमा अभिकर्ता संघ, नेपाल बीमा सर्भेयर एसोशिएसन, नेपाल इन्स्योरेन्स प्रोफेसनल सोसाइटी, लगानीकर्ताहरू, बीमित, सम्पुर्ण कर्मचारीहरु लगायत सबैलाई आभार व्यक्त गर्न चाहन्छ ।

प्रा.डा. फत्त बहादुर के.सी.

अध्यक्ष

बीमा समिति



Prof. Dr. Fatta Bahadur K.C.

प्रा.डा. फत्ता बहादुर के.सी.

Chairman

अध्यक्ष

दृष्टिकोण (Vision)

बीमा समितिलाई नेपालको उच्च प्रतिष्ठित र नेतृत्वदायी संस्थाको रूपमा रूपान्तरण गर्ने।

लक्ष्य (Mission)

निरन्तर अध्ययन, दक्षता र इमान्दारीता को माध्यमबाट पेशागत र सशक्त बीमा नियमनकारी निकायको रूपमा पहिचान गराउने।

मूल मान्यता (Core Values)

- इमान्दारीता (Integrity)
- पारदर्शिता (Transparency)
- उत्तरदायी (Accountability)
- समुह गतिशिलता (Team Spirit)
- सेवा (Service)
- निष्पक्षता (Fairness)
- नविन (Innovative)

रणनीतिक उद्देश्य (Strategic Objectives)

- बीमामा सबै वर्ग तथा क्षेत्रको पहुँच र समावेश कायम गर्ने (Insurance Access & Inclusion)।
- बीमा क्षेत्रको विकास गर्ने (Insurance Sector Development)।
- बीमा क्षेत्रमा स्थायित्व कायम गर्ने (Insurance Sector Stability)।
- बीमा क्षेत्रमा आवश्यक पूर्वाधारको विकास गर्ने (Insurance Infrastructure)।
- बीमा क्षेत्रमा सुशासन कायम गर्ने (Governance)।
- बीमा क्षेत्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने (Capacity Development)।

बिषय सूची

| क्र.सं. | विषय | पेज नं. |
|---------|--|---------|
| १ | बीमा समिति | २ |
| | १.१ परिचय | २ |
| | १.२ उद्देश्य | २ |
| | १.३ गठन | २ |
| २ | मानव संसाधन तथा भौतिक पूर्वाधार | ३ |
| | २.१ मानव संसाधन | ३ |
| | २.२ भौतिक पूर्वाधार | ३ |
| ३ | समिति तथा उप समिति | ३ |
| | ३.१ बीमादर सल्लाहकार समिति | ४ |
| | ३.२ पदपूर्ति समिति | ४ |
| | ३.३ खरिद एकाई कमिटी | ४ |
| | ३.४ खरिद मूल्याङ्कन समिति | ४ |
| | ३.५ बीमा दावी उजुरी छानविन उप समिति | ४ |
| | ३.६ बीमा समिति इजलास | ५ |
| ४ | बीमा समितिको काम कर्तव्य र अधिकार | ५ |
| ५ | बीमा समितिबाट सम्पादन गरिने मुख्य मुख्य कार्यहरु | ५ |
| | ५.१ बीमा व्यवसायलाई बिकसित गर्ने | ५ |
| | ५.२ बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित गर्ने | ५ |
| | ५.३ बीमा व्यवसायलाई नियमित गर्ने | ६ |
| | ५.४ बीमा व्यवसायलाई नियन्त्रित गर्ने | ६ |
| ६ | समितिको आयश्रोत तथा उपयोग | ६ |
| | ६.१ समितिको आयश्रोत | ६ |
| | ६.२ कोषको उपयोग | ६ |
| ७ | अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध | ६ |
| ८ | समितिको कार्यक्षेत्र | ७ |
| | ८.१ जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरु | ७ |
| | ८.२ निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरु | ७ |
| | ८.३ पुनर्बीमा व्यवसाय गर्ने बीमक | ८ |
| ९ | बीमा कम्पनीहरुको स्वामित्व संरचना | ८ |
| | ९.१ नेपाल पुनर्बीमा कम्पनी लिमिटेडको स्थापना तथा शेयर संरचना : | ८ |
| १० | बीमा व्यवसायसंग सम्बन्धित पेशागत संघ र संगठनहरु | ९ |
| ११ | समग्र आर्थिक स्थिति | ९ |
| | ११.१ विश्वको आर्थिक बृद्धिदर | १० |
| | ११.२ छिमेकी मुलुकहरुको आर्थिक बृद्धिदर र नेपालको राष्ट्रिय आर्थिक बृद्धिदर | १० |

| | | |
|----|---|----|
| १२ | नेपालको बीमा बजारको वस्तुस्थिति | ९९ |
| | १२.१ बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष | ९९ |
| | १२.१.१ जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष | ९९ |
| | १२.१.२ निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष | ९२ |
| | १२.२ कूल बीमाशुल्क आर्जन | ९३ |
| | १२.३ कूल गाहस्थ उत्पादनमा बीमाशुल्कको योगदान | ९४ |
| | १२.४ जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी | ९५ |
| | १२.५ निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी | ९६ |
| | १२.६ निर्जीवन बीमकको खुद नाफाको विवरण | ९७ |
| | १२.७ जीवन बीमकको खुद नाफाको विवरण | ९९ |
| | १२.८ बीमालेखको संख्या | ९९ |
| | १२.९ बीमा व्यवसायमा संलग्न बीमा अभिकर्ताको संख्या | २१ |
| | १२.१० बीमा व्यवसायसंग सलग्न बीमा सर्भेयरको संख्या | २१ |
| | १२.११ बीमकहरूमा कार्यरत कर्मचारीको संख्या | २२ |
| | १२.१२ बीमकहरूको कार्यालय संख्या | २३ |
| | १२.१३ बीमा व्यवसायबाट सरकारलाई प्राप्त कर | २३ |
| | १२.१४ दावी भुक्तानी (खुद) | २४ |
| १३ | समितिको वार्षिक कार्यक्रम तथा काम कारवाही | २५ |
| | १३.१ बीमक दर्ता, नवीकरण | २५ |
| | १३.२ सर्भेयर इजाजतपत्र दर्ता तथा नवीकरण | २५ |
| | १३.३ बीमा अभिकर्ता दर्ता तथा नवीकरण | २५ |
| | १३.४ कानूनी व्यवस्था | २५ |
| | १३.४.१ बीमा सेवा शुल्क सम्बन्धी व्यवस्था | २६ |
| | १३.४.२ बीमकको संस्थागत सुशासन सम्बन्धी निर्देशिका, २०६९ | २६ |
| | १३.४.३ लघु बीमा निर्देशिका, २०७१ | २६ |
| | १३.४.४ बाली तथा पशुपन्धी बीमा निर्देशन, २०६९ | २६ |
| | १३.४.४.१ बाली तथा पशुपन्धी बीमा कारोबारको विवरण | २६ |
| | १३.४.४.२ बाली तथा पशुपन्धी बीमा व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गर्नको लागि छनौट भएका जिल्लाहरु | २७ |
| | १३.४.५ सम्पत्ति शुद्धिकरण तथा आंतककारी कृयाकलापमा वित्तीय लगानी निवारण निर्देशिका, २०६९ | २८ |
| | १३.४.६ बीमा क्षेत्रको विकास रणनिति योजना | २८ |
| | १३.४.७ बीमा समिति बजेट निर्देशिका, २०६९ | २८ |
| | १३.४.८ समितिको लेखा दिग्दर्शन (स्थानुअल), २०७२ | २८ |
| | १३.४.९ बीमा समितिका कर्मचारीको आचार सहिता, २०६९ | २९ |
| | १३.४.१० बीमा समिति तालिम सम्बन्धी कार्यबिधि, २०७२ | २९ |
| | १३.४.११ समितिको लगानी नीति, २०७१ | २९ |
| | १३.४.१२ बीमक गाझ्ने वा गाभिने सम्बन्धी निर्देशिका, २०७० | २९ |
| | १३.४.१३ जीवन बीमा गर्ने बीमकको लागि सोल्पेन्सी मार्जिन निर्देशिका, २०७० | ३० |
| | १३.४.१४ निर्जीवन बीमा गर्ने बीमकको लागि सोल्पेन्सी मार्जिन निर्देशिका, २०७१ | ३० |
| | १३.४.१५ बीमकको लगानी निर्देशिका | ३० |
| | १३.४.१६ बीमकको आन्तरीक लेखापरीक्षण सम्बन्धी निर्देशिका, २०७२ | ३० |
| | १३.४.१७ पुनर्वैमा व्यवसाय सञ्चालन निर्देशिका, २०७१ | ३० |

| | | |
|------|--|-----------|
| १४ | बीमा कम्पनीको सुपरिवेक्षण | ३९ |
| १५ | बीमकहरुको वित्तीय विवरण स्वीकृती | ३९ |
| १५.१ | जीवन बीमकहरुको वित्तीय विवरण स्वीकृती | ३९ |
| १५.२ | निर्जीवन बीमकहरुको वित्तीय विवरण स्वीकृती | ३२ |
| १६ | निरीक्षण कार्यको कार्यान्वयन तथा कारवाही | ३३ |
| १७ | समितिले गरेका अन्य कार्यहरु | ३४ |
| १८ | महाभुकम्पबाट सृजीत बीमा दावी फछ्यौट | ३४ |
| १८.१ | भुकम्प बीमा सम्बन्धी अनिवार्य व्यवस्था | ३४ |
| १९ | बार्षिक प्रतिवेदन | ३८ |
| २० | वेभ साईट | ३८ |
| २१ | बीमकको नाम परिवर्तन | ३८ |
| २२ | पुनर्वीमा शुल्क | ३९ |
| २३ | बीमालेख स्वीकृति | ३९ |
| २४ | बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन प्रतिवेदन | ३९ |
| २५ | आ.व. २०७२/७३ को बजेटमा बीमा | ४२ |
| २६ | लक्ष्य तथा भावी योजनाहरु | ४२ |
| २७ | बीमा क्षेत्रमा विद्यमान समस्या, चुनौती र उपाय | ४२ |
| २७.१ | बिद्यमान समस्या | ४२ |
| २७.२ | चुनौती तथा उपायहरु | ४३ |
| | खण्ड ख | ४४ |
| | आ.व २०७२/७३ को समितिबाट स्वीकृत बार्षिक कार्यक्रम | ४५ |
| | आ.व २०७१/७२ को बार्षिक कार्यक्रमको प्रगति समीक्षा | ५७ |
| | आ.व २०७२/७३ को समितिबाट स्वीकृत आमदानी तथा खर्चको अनुमानित विवरण | ७७ |
| | आ.व २०७१/७२ जेष्ठ मसान्त सम्मको आय व्ययको समीक्षा | ७३ |
| | आ.व २०७२/७३ को अनुमानित आय व्यय विवरण | ७४ |
| | आ.व २०७१/७२ को आय व्यय हिसाव विवरण | ७५ |
| | खण्ड ग | ७७ |
| | बीमा समितिका बर्तमान संगठन सरचना (अनुसुची १) | ७८ |
| | बीमा समिति कर्मचारीहरुको नामावली (अनुसुची २) | ८० |
| | आ.व. २०७१०७२ मा भएको मुद्दाको विवरण (अनुसुची ३) | ८१ |



बीमा समिति
BEEMA SAMITI
Insurance Regulatory Authority of Nepal

बीमा समितिको आ.ब. २०७९/०७२ को

समाचिंगत आर्थिक रिथिति तथा विचारीय अवस्था

२०७२

कृष्णडोल, ललितपुर

खण्ड-क

१. बीमा समिति

१.१. परिचय

बीमा व्यवसायको वृद्धि, विकास, नियन्त्रण तथा अनुगमन गर्नको लागि तत्कालिन अवस्थामा नियमनकारी निकायको आवश्यकता महशुस गरी नेपाल सरकारबाट वि.स. २०२५ सालमा अर्थ मन्त्रालयको इकाईको रूपमा बीमा समितिको स्थापना भएको हो । समितिले मिति २०२६ साल जेष्ठ १ गतेको प्रथम बैठकबाट आफ्नो कार्य आरम्भ गरेको थियो । तत्पश्चात बीमा ऐन, २०४९ ले नेपालको बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित, नियमित, विकसित तथा नियन्त्रित गर्ने जिम्मेवारीका साथ बीमा समितिलाई अविहिन्न उत्तराधिकारवाला स्वायत्त संस्थाको रूपमा स्थापित गरेको छ ।

१.२. उद्देश्य

नेपालको बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित, नियमित, विकसित तथा नियन्त्रित गर्नु बीमा समितिको प्रमुख उद्देश्य रहेको छ ।

१.३. गठन

बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित, नियमित, विकसित र नियन्त्रित गर्नका लागि बीमा समितिको गठन भएको छ । बीमा समितिमा सरकारी, बीमित र बीमा विशेषज्ञहरु समेत गरी ५ जना सदस्य रहने व्यवस्था छ । समितिमा पूर्णकालीन कार्य गर्ने गरी नेपाल सरकारद्वारा नियुक्त अध्यक्षका साथै नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालयका सह-सचिव, नेपाल सरकार कानून न्याय संविधानसभा तथा संसदीय मामिला मन्त्रालयका सह-सचिव, बीमा व्यवसायमा विशेष ज्ञान भएका व्यक्तिहरु मध्येबाट नेपाल सरकारले मनोनित गरेको एक जना व्यक्ति र बीमित मध्येबाट नेपाल सरकारले मनोनीत गरेको एकजना प्रतिनिधि सदस्य रहने व्यवस्था छ । समितिले तोकेको बीमा समितिको कुनै कर्मचारीले समितिको सचिवको काम गर्ने व्यवस्था रहेको छ । आर्थिक वर्ष २०७१/०७२ मा समितिको बैठक ३७ पटक बसेको छ । यस आर्थिक वर्षमा बीमा समितिमा प्रतिनिधित्व गर्ने सदस्य सम्बन्धी विवरण तालिका-१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका-१

आ.व.०७१/०७२ मा बीमा समितिमा प्रतिनिधित्व गर्ने सदस्यहरू

| सि.नं. | निकाय | नाम | पद | समितिमा प्रतिनिधित्व गरेको अवधि |
|--------|---|---|---------|---|
| १. | बीमा समिति | प्रा.डा.फत्त बहादुर के.सी. | अध्यक्ष | २०६५।०९।०८ देखि हाल सम्म |
| २. | कानून, न्याय, संविधानसभा तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | श्री नरेन्द्रमान श्रेष्ठ श्री टेक प्रसाद दुङ्गाना | सदस्य | २०६९।१०।१८ देखि २०७१।०८।०९ सम्म ^१ २०७१।०९।०८ देखि २०७२।०६।१८ सम्म |
| ३. | अर्थ मन्त्रालय | श्री दुण्डी राज पोख्रेल श्री डिल्ली प्रसाद सिवाकोटी श्री चन्द्रकला पौडेल | सदस्य | २०७०।०१।०९ देखि २०७१।०५।२७ सम्म ^२ २०७१।०७।२४ देखि २०७२।०१।२९ सम्म ^३ २०७२।०२।१८ देखि २०७२।०१।२४ सम्म |
| ४. | नेपाल वायुसेवा निगम (बीमितको प्रतिनिधि) | श्री मदन खरेल श्री सुगत रत्न कंसाकार | सदस्य | २०६९।११।१३ देखि २०७२।०१।२२ सम्म ^४ २०७२।०२।२५ देखि हाल सम्म |
| ५. | बीमा विज्ञ | श्री सुरज विक्रम शाही | सदस्य | २०६९।०३।०४ देखि २०७२।१।२८ सम्म |
| ६. | बीमा समिति | श्री श्रीमान कार्की | सचिव | २०७०।०३।०३ देखि हाल सम्म |

२. मानव संसाधन तथा भौतिक पूर्वाधार

२.१. मानव संसाधन :

बीमा ऐन, २०४९ को कार्यान्वयन पश्चात दिन प्रतिदिन बढ्दै गइरहेको समितिको जिम्मेवारी तथा नेपाल सरकारले तोकिदिएको जिम्मेवारी पूरा गर्न आवश्यक संगठनात्मक संरचना सम्बन्धमा समितिबाट समय समयमा अध्ययन गरी संरचनाको ढाँचा लागू गरेको छ। जसमा ३ वटा महाशाखा ९ वटा शाखा १८ प्रशाखा रहने व्यवस्था गरेको छ। हालको संरचनामा अध्यक्षको निजी सचिवालय शाखा समेत रहेको छ। “बीमा समितिको बैठक तथा छाप सम्बन्धी कार्यविधि, २०६८” पारित गरी लागू गरी सकेको अवस्था छ। साथै “बीमा समिति कर्मचारी सेवा सर्त विनियमावली, २०६८” नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालयबाट स्वीकृत भई मिति २०६८।०९।०१ देखि लागू भएकोमा समय सापेक्ष आवश्यक संसोधनका लागि पटक-पटक नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिएको छ। बीमा समितिको संगठन संरचना अनुसुची-१ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

बीमा समितिमा पूर्णकालीन अध्यक्ष हुनुका साथै हालको अवस्थामा दुई (२) जना निर्देशक, सात (७) जना उप-निर्देशक, दश (९) जना सहायक निर्देशक, पाँच (५) जना सहायक प्रथम, दुई (२) जना चालक, दश (१०) जना कार्यालय सहयोगी तथा एक (१) जना स्वीपर कर्मचारीहरु स्थायी रूपमा कार्यरत छन्। त्यसैगरी तीन (३) जना चार्टर्ड एकाउण्टेण्ट, एक (१) जना कम्प्युटर इन्जिनियर, (१) जना कानुन अधिकृत, दुई (२) जना सहायक प्रथम, एक (१) जना लाइब्रेरियन र दुई (२) जना चालक कर्मचारी करारमा कार्यरत रहेका छन्। साथै एक (१) जना बीमा विज्ञ करारमा (सल्लाहकारको रूपमा) कार्यरत रहेको अवस्था छ।

बीमा ऐन २०४९ को कार्यान्वयन पश्चात बढ्दो बीमा बजारको आकार, सुपरिवेक्षण तथा कानून प्रवलीकरणको चुनौती कर्मचारीहरुको व्यवस्थापनका लागि नयाँ-नयाँ सूचना प्रविधिको उपयोग बढाउनु पर्ने, बीमा बजारको अध्ययन अनुसन्धान गर्ने, लगानीकर्ताको लगानी सुरक्षणका साथै नियमन, सुपरिवेक्षण तथा विकास व्यवस्थामा सुधार ल्याउन हालको मौजुदा जनशक्ति अपर्याप्त छ। विशेष गरी मानवीय संसाधनको आवश्यकतालाई मध्यनजर गर्दै विभिन्न तहमा कर्मचारीहरुको खाँचो समेतलाई दृष्टिगत गर्दै थप दरबन्दी स्वीकृति भए अनुसारको पदपूर्ति कार्यान्वयन प्रकृयामा रहेको छ। हाल समितिमा कार्यरत कर्मचारीहरुको नामावली अनुसुची-२ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

बीमा क्षेत्रमा भएको वृद्धि अनुरूप समितिको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्न आवश्यक भएको महशुस गरी वार्षिक कार्यक्रममा नै संस्थागत सुधारको कार्यक्रम प्राथमिकताका साथ समावेश गरिएको छ। यसै सम्बन्धमा देश भित्र तथा बाहिरका अनुभवी विज्ञहरुको समेत सल्लाह लिने कार्य भएको छ। समितिले आफ्नो कार्य सम्पादनको क्रममा आवश्यकता अनुसार बीमाङ्गी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, कानून विद्, विकिल, बीमा सर्भेयर, बीमा अभिकर्ता तथा अन्य सम्बन्धित विज्ञहरुको समेत परामर्श लिने गरेको छ।

२.२ भौतिक पूर्वाधार :

बीमा समितिको चावहिल, काठमाण्डौ स्थित कार्यालय भवन दुई रोपनी जग्गामा दुई तल्ला भवन निर्माण गरिसकेको अवस्था छ। भविष्यमा यही भौतिक संरचनाले अपुग हुने देखि नेपाल बैकको स्वामित्वमा रहेको ललितपुर, कुपन्डोल स्थित ९ रोपनि १३ आना जग्गा र त्यसमा बनेको भवन समेत समितिले खरिद गरिसकेको अवस्था छ। हाल उक्त ललितपुर कुपन्डोल स्थित भवनलाई आवश्यकता अनुसार पुन संरचना गरी मिति २०७२ साल जेष्ठ १० गते देखि कार्यालयको सम्पूर्ण काम कारबाही सोही स्थानबाट भइरहेको छ। समितिको विकास तथा विस्तार संगासंगै भविष्यमा आवश्यक पर्ने भौतिक संरचनाको अभावलाई समेत परिपूर्ति गर्न समितिले सोही स्थानमा नयाँ भवन निर्माण कार्य सम्पन्न गर्न आवश्यक कार्य आरम्भ गरिसकेको छ।

३. समिति तथा उप समिति :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ९ को व्यवस्था अनुसार समितिले आफ्नो कार्य सुचारू रूपले संचालन गर्नका लागि आवश्यकता अनुसार उप समितिहरु गठन गर्न सक्नेछ। त्यस्तो उप समितिको काम, कर्तव्य, अधिकार, तथा बैठक सम्बन्धी कार्यविधि समितिले तोकिदिए बमोजिम हुनेछ।

३.१. बीमादर सल्लाहकार समिति :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ४१ बमोजिम नेपाल सरकारले बीमा व्यवसायको बीमा दर कायम गर्ने सम्बन्धमा समितिलाई आवश्यक सल्लाह तथा सुझाव प्रदान गर्नका लागि देहायका सदस्यहरु रहेको एक बीमा दर सल्लाहकार समिति गठन गरेको छः-

- | | |
|--|------------|
| (क) अध्यक्ष, बीमा समिति - | अध्यक्ष |
| (ख) बीमका प्रमुखहरु मध्येबाट नेपाल सरकारले मनोनीत गरेको तीनजना - | सदस्य |
| (ग) सचिव, बीमा समिति - | सदस्य-सचिव |

सल्लाहकार समितिको वैठक सम्बन्धी कार्यविधि, समिति आफैले निर्धारण गरे बमोजिम हुनेछ। उक्त समितिको काम कतर्व्य र अधिकार तोकिए बमोजिम हुनेछ।

३.२. पदपूर्ति समिति :

बीमा समिति कर्मचारी सेवा शर्त विनियमावली, २०६८ को विनियम १० मा पदपूर्ति समितिको गठनको व्यवस्था रहेको छ। सोही व्यवस्था बमोजिम सेवा पद खुल्ला प्रतियोगिता वा कार्य क्षमताको मूल्याङ्कन तथा आन्तरिक प्रतियोगितात्मक परीक्षाद्वारा पूर्ति गर्नका लागि समिति समक्ष सिफारिस गर्न देहाय बमोजिमको एक पदपूर्ति समिति गठन गरिने छः-

- | | |
|--|------------|
| (क) अध्यक्ष, बीमा समिति - | अध्यक्ष |
| (ख) प्रतिनिधि, अर्थ मन्त्रालय - | सदस्य |
| (ग) बीमा समितिले तोकेका सेवा विशेषज्ञ - | सदस्य |
| (घ) बीमा समितिको विभागीय प्रमुख कर्मचारी प्रशासन विभाग - | सदस्य-सचिव |

पदपूर्ति समितिले आफ्नो वैठक सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यविधि आफैले निर्धारण गर्न सक्नेछ। आवश्यकतानुसार पदसंग सम्बन्धित विशेषज्ञ आमन्त्रण गर्न सक्नेछ।

३.३. खरिद इकाई कमिटी :

कार्यालयमा आवश्यक पर्ने सामानहरु खरिद प्रयोजनका लागि प्रचलित बीमा समिति खरिद विनियमावली, २०६७ को विनियम ३ बमोजिम एक खरिद इकाई कमिटी गठन भएको छ।

३.४. खरिद मूल्याङ्कन समिति :

बीमा समिति प्रचलित आर्थिक प्रशासन विनियमावली, २०६७ ले गरेको व्यवस्था अनुसार खरिद इकाईले खरिदको लागि आवश्यक विवरण तयार पारी सिफारिसका लागि खरिद मूल्याङ्कन समितिमा पठाउनु पर्ने व्यवस्था छ। यसरी खरिदको लागि सिफारिस गरेको विवरणलाई कार्यान्वयनमा ल्याउनको लागि बीमा समिति खरिद विनियमावली, २०६७ को विनियम १३३ बमोजिम खरिद मूल्याङ्कन समिति समेत गठन भएको छ।

३.५. बीमा दावी उजुरी छानविन उप समिति :

बीमा दावी उजुरी छानविन सम्बन्धमा न्यायिक कार्यविधि अवलम्बन गरी सम्बन्धित पक्षहरुलाई समुचित अवसर प्रदान गर्न प्रभावकारी किसिमको शिघ्र निर्णयमा पुग्न सहयोग पुऱ्याउने व्यवस्था मिलाउनका लागि बीमा समितिका अध्यक्षको संयोजकत्वमा बीमा समितिको संचालक समितिका सदस्य संयोजक रहने गरी एक बीमा दावी उजुरी छानविन उप समिति गठन भएको छ। सोही समितिले बीमा समितिमा परेका उजुरी माथि छानविन गरी समितिको वैठकमा पेश गर्ने गरेको अवस्था छ। समितिबाट आ.व. २०७१।७२ मा बीमा दावी उजुरी छानविन गरी निर्णय भएको उजुरीहरुको विवरण अनुसूची-३ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

३.६. बीमा समिति इजलास :

बीमा ऐन, २०४९ बमोजिम बीमकहरुबाट जारी भएका बीमालेखहरु अन्तर्गत परेका बीमा दावी सम्बन्धी विवादमा बीमितको तर्फबाट दायर भएका बीमा दावी उजुरी उपर निर्णय गर्दा निवेदक तथा विपक्षी बीमक दुवैलाई समितिमा उपस्थित गराई दुवैको उपस्थितिमा खुला सुनुवाइ गर्ने कार्यको थालनी भई सकेको छ।

४. बीमा समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा (८) बमोजिम बीमा समितिको काम, कर्तव्य र अधिकार देहाय बमोजिम रहेको छ :-

- (क) बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित, नियमित, विकसित तथा नियन्त्रित गर्नको लागि नीति निर्धारण/निर्माण गर्न नेपाल सरकारलाई आवश्यक सुझाव दिने,
- (ख) बीमाबाट प्राप्त हुन आएको रकम लगानी गर्नको लागि नीति निर्धारण गरी प्राथमिकता क्षेत्र तोक्ने,
- (ग) बीमक, बीमा अभिकर्ता, सर्भेयर, दलालको इजाजतपत्र दर्ता र नवीकरण गर्ने तथा दर्ता खारेज गर्ने, गराउने,
- (घ) बीमक तथा बीमित बीचको वाद विवादमा मध्यस्थता गर्ने,
- (ङ) बीमा दायित्व निर्धारणका सम्बन्धमा बीमक विरुद्ध बीमितले दिएको उजूरी उपर निर्णय गर्ने,
- (च) बीमा व्यवसायका सम्बन्धमा बीमकलाई समय-समयमा आवश्यक निर्देशन दिने,
- (छ) बीमितको हित रक्षाको निमित आवश्यक आधार तर्जुमा गर्ने,
- (ज) बीमा व्यवसायसंग सम्बन्धित अन्य आवश्यक कार्य गर्ने, गराउने

५. बीमा समितिबाट सम्पादन गरिने मुख्य मुख्य कार्यहरु :

५.१. बीमा व्यवसायलाई विकसित गर्ने :

- (क) तालिम, सेमिनार, गोष्ठि, अन्तर्रकिया आदि जस्ता जनशक्ति विकाश कार्यक्रमहरु संचालन,
- (ख) चेतना मूलक, प्रचारात्मक तथा जानकारी मूलक कार्यक्रमहरु संचालन,
- (ग) अध्ययन तथा अनुसन्धान,
- (घ) स्थानीय, क्षेत्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रका बीमा नियमनकारी तथा अन्य निकायहरुसंग समन्वय तथा सम्बन्ध विस्तार।

५.२. बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित गर्ने :

- (क) बीमक, बीमा अभिकर्ता, बीमा सर्भेयर, तथा बीमा दलालको इजाजतपत्र दर्ता र नवीकरण, ऐन, नियम, नीति, निर्देशन तर्जुमा र कार्यान्वयन,
- (ख) बीमालेख शर्त सुविधा निर्धारण तथा स्वीकृति,
- (ग) बीमकको व्यवसाय विस्तार स्वीकृति (शाखा कार्यालय विस्तारको स्वीकृति),
- (घ) बीमकको वित्तीय विवरणको बीमाङ्गीय मूल्यांकन प्रतिवेदन बमोजिम व्यवस्था गर्न स्वीकृति,
- (ङ) बीमकको वित्तीय विवरण बिश्लेषण र स्वीकृति,
- (च) बीमकको लगानी सम्बन्धी नीति निर्धारण तथा स्वीकृति,
- (छ) बीमा दावी विवादमा मध्यस्थता,
- (ज) बीमा दावी उजुरी उपर अर्धन्यायिक निकायको रूपमा शुरु किनारा।

५.३. बीमा व्यवसायलाई नियमित गर्ने :

- (क) स्थलगत, गैर स्थलगत निरीक्षण तथा अनुगमन (विस्तृत तथा आक्रिमिक),
- (ख) उजुरी छानविन तथा निर्देशन,
- (ग) विदेशी मुद्रा सिफारिस,
- (घ) पुनर्बीमा सम्बन्धी नीति निर्देशन,
- (ङ) स्थिर सम्पत्ती खरिद/बिक्री स्वीकृति ।

५.४. बीमा व्यवसायलाई नियन्त्रित गर्ने :

- (क) आदेश तथा निर्देशन,
- (ख) सचेत,
- (ग) आर्थिक दण्ड तथा जरिवाना,
- (घ) कारोबार रोक्का (आंशिक वा पूर्ण),
- (ङ) इजाजत पत्र खारेज ।

६. समितिको आयश्रोत तथा उपयोग :

६.१. समितिको आयश्रोत :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ३४ मा रहेका व्यवस्था बमोजिम बीमा समितिले विभिन्न श्रोतहरूबाट रकम प्राप्त गर्न सक्ने भएता पनि हालसम्म सेवा शुल्क, बीमक, बीमा सर्भेयर, बीमा अभिकर्ता दर्ता तथा नविकरण शुल्क र जरिवाना बाहेक अन्य कुनै पनि श्रोतबाट समितिलाई कुनै प्रयोजनको लागि रकम प्राप्त भएको छैन । जस अनुसार समितिको एउटा छुटै कोष हुनेछ र सो कोषमा देहायका रकमहरू रहने छन् ।

- (क) नेपाल सरकारबाट प्राप्त रकम,
- (ख) कुनै विदेशी सरकार वा अन्तर्राष्ट्रिय संघ संस्थाबाट प्राप्त रकम,
- (ग) बीमक, बीमा अभिकर्ता तथा सर्भेयरको इजाजतपत्र दर्ता र नवीकरण आदिबाट प्राप्त रकम,
- (घ) सेवा शुल्कबाट प्राप्त रकम,
- (ङ) अन्य कुनै स्रोतबाट प्राप्त रकम ।

६.२. कोषको उपयोग :

बीमा समितिमा प्राप्त हुने कोषबाट समितिको सम्पूर्ण प्रशासनिक खर्चको अलवा बीमा ऐनको उद्देश्य अनुरूप बीमा व्यवसायलाई व्यवस्थित, नियमित, विकसित, तथा नियन्त्रित गर्नका लागि विविध कार्यक्रम संचालनका लागि कोषको रकम उपयोग हुँदै आएको छ । समितिको तर्फबाट गरिने सम्पूर्ण खर्चहरु समितिको कोषमा जम्मा रहेको रकमबाट व्यहोरिने प्रावधान रहेको छ । बीमा कम्पनी (बीमक) असफल भएमा बीमालेख लिने (बीमित) को हित रक्षार्थ अन्तर्राष्ट्रिय प्रचलन बमोजिम आवश्यक कोष (Policy Holder's Protection Fund) र आवश्यक जनशक्ति तयार गर्न खडा हुने इन्स्ट्र्यूटमा अनुदान आदिमा समेत खर्च गर्ने प्रयोजन रहेको छ । बीमाको प्रचार प्रसार कार्यक्रमका लागि पनि यसै कोषको उपयोग गर्नु पर्ने समितिको दायित्व भित्र पर्दछ सोही बमोजिम यस कोषको उपयोग बीमाको प्रचार प्रसारमा खर्च भइरहेको छ ।

७. अन्तर्राष्ट्रिय सम्बन्ध :

यस समिति, स्वीजरल्याण्डको बासेल स्थित बीमा नियमनकारी निकायहरूको अन्तर्राष्ट्रिय संगठन International Association या Insurance Supervisors (IAIS) को संस्थापक सदस्य रहेको छ । सोही संस्थाले प्रतिपादन

गरेका Insurance Core Principles (ICPs) लागू गर्ने तर्फ समिति उन्मुख रहेको छ। यसका साथै, Association of Insurance and Reinsurance of Developing Country (AIRDC) र Insurance Congress या म्भाष्यभियुक्त देशहरू (ICDC) तथा South Asian Insurance Regulators Forum (SAIRF) को पनि सदस्य रहदै आएको छ। छिसेकी राष्ट्र भारतको बीमा सम्बन्धी नियमनकारी निकाय Insurance Regulatory & Development Authority of India (IRDA) का साथै चीन, श्रीलंका, भूटान अन्य मित्र राष्ट्रहरूका बीमा नियमनकारी निकाय लगायत एसियाली विकास बैंक र Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) संग सम्बन्ध विस्तार गर्दै आएको छ।

८. समितिको कार्य क्षेत्र :

८.१. जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरू :

- राष्ट्रिय बीमा संस्थान, रामशाह पथ, काठमाण्डौ।
- नेशनल लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, लाजिम्पाट, काठमाण्डौ।
- नेपाल लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, कमलादी, काठमाण्डौ।
- लाइफ इन्स्योरेन्स कपोरेशन (नेपाल) लिमिटेड, कमलादी, काठमाण्डौ।
- मेट लाइफ एलिको (ALICO), पुल्चोक, ललितपुर।
- एशियन लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, डिल्लिबजार, काठमाण्डौ।
- सूर्या लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, सानो गौचरण, काठमाण्डौ।
- गुराँस लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, तीनकुने, काठमाण्डौ।
- प्राइम लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, हात्तिसार, काठमाण्डौ।

८.२. निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरू :

- नेपाल इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, कमलादी, काठमाण्डौ।
- दि ओरिएण्टल इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, डिल्लिबजार, काठमाण्डौ।
- नेशनल इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डौ।
- हिमालयन जनरल इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, बबरमहल, काठमाण्डौ।
- यूनाइटेड इन्स्योरेन्स कम्पनी (नेपाल) लिमिटेड, थापाथली, काठमाण्डौ।
- प्रिमियर इन्स्योरेन्स कम्पनी (नेपाल) लिमिटेड, नक्साल, काठमाण्डौ।
- एभरेष्ट इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, हात्तिसार, काठमाण्डौ।
- नेको इन्सुरेन्स लिमिटेड, अनामनगर, काठमाण्डौ।
- सगरमाथा इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, नक्साल, काठमाण्डौ।
- प्रभु इन्स्योरेन्स लिमिटेड, तिनकुने, काठमाण्डौ।
- एन.बि.इन्सुरेन्स कम्पनी लिमिटेड, कमलादी, काठमाण्डौ।
- प्रुडेन्सियल इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, कमलादी, काठमाण्डौ।
- शिखर इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, थापाथली, काठमाण्डौ।
- लुम्बिनी जनरल इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, ज्ञानेश्वर, काठमाण्डौ।
- एनएलजी इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड, पानीपोखरी, काठमाण्डौ।
- सिद्धार्थ इन्स्योरेन्स लिमिटेड, बबरमहल, काठमाण्डौ।
- राष्ट्रिय बीमा कम्पनी लिमिटेड, रामशाह पथ, काठमाण्डौ।

८.३. पुनर्बीमा व्यवसाय गर्ने बीमक

- नेपाल पुनर्बीमा कम्पनी लिमिटेड, बत्तिसपुतली, काठमाण्डौं।

८. बीमा कम्पनीहरूको स्वामित्व संरचना :

स्वामित्व संरचनाको हिसावले ३ वटा बीमा कम्पनीहरू बिदेशी बीमा कम्पनीहरूको शाखाको रूपमा, २ वटा बीमा कम्पनीहरू बिदेशी बीमा कम्पनीको संयुक्त पूँजी लगानीमा, १ वटा पुनर्बीमा कम्पनी (नेपाल सरकार, निर्जीवन बीमा कम्पनीहरू र जीवन बीमा कम्पनीहरू तथा अन्य संस्थापित कम्पनीहरूको संयुक्त पूँजी लगानीमा), १९ वटा निजी स्वामित्वमा र २ वटा सरकारी स्वामित्वमा रहेको छ। यस निकाय अन्तर्गत ९ वटा बीमा कम्पनीहरूले जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने, १७ वटा बीमा कम्पनीहरूले निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्दै आएको अवस्था छ। यसैगरी हाल १ वटा पुनर्बीमा कम्पनीले पुनर्बीमा व्यवसाय गर्ने कम्पनी स्थापना भइसकेको छ। बीमा कम्पनीको हाल संख्या २६ वटा रहेको र १ वटा पुनर्बीमा कम्पनी रहेको छ (तालिका-२)।

तालिका-२

बीमा तथा पुनर्बीमा कम्पनीहरूको स्वामित्व संरचना

| स्वामित्व | निर्जीवन | जीवन | पुनर्बीमा | जम्मा |
|----------------------|----------|------|-----------|-------|
| सरकारी | १ | १ | - | २ |
| निजी | १३ | ६ | - | १९ |
| बिदेशी बीमको शाखा | २ | १ | - | ३ |
| संयुक्त | १ | १ | १ | ३ |
| जम्मा | १७ | ९ | १ | २७ |

श्रोत : बीमा समिति

८.१. नेपाल पुनर्बीमा कम्पनी लिमिटेडको स्थापना तथा शेयर संरचना :

प्रशासकीय कार्य विधि (नियमित गर्ने) ऐन, २०१३ को दफा २ प्रयोग गरी मिति २०६०।०६।३० मा राजपत्रमा प्रकाशित सूचनाको आधारमा मिति २०६०।०७।१९ देखि आकस्मिक बीमा कोषले कार्य आरम्भ गरेको थियो। नेपालको बीमा बजारमा बिदेशी बीमा कम्पनीहरूले तत्कालिन अवस्थामा हुलदङ्गा, आतङ्कवाद बीमाको जोखिम स्वीकार नगरेको कारणबाट आकस्मिक बीमा कोषको अवधारणा आएको थियो। विदेशी पुनर्बीमा कम्पनीहरूले नेपालको जोखिम स्वीकार नगरेको अवस्थामा देशमा घटेका घटित घटनाले सम्पत्तिको जोखिममा बीमा कम्पनीहरूको सिमित साधन र श्रोतबाट त्यस्तो जोखिम स्वीकार गर्न सक्ने अवस्था नरहेको हुँदा तत्कालिन परिवेशमा नेपाल सरकारको रु. ५ करोड शेयर पूँजी र १४ वटा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूबाट सोही अनुपातमा रु. ५ करोड बराबर शेयरपूँजी लगानी गरी जम्मा रु. १० करोडको पूँजी संकलन गरी आकस्मिक बीमा कोषको स्थापना भएको थियो। हाल उक्त कोषको विघटन गरी नेपाल पुनर्बीमा कम्पनी लिमिटेडको स्थापना गर्ने शिलशिलामा मिति २०७१ कार्तिक २१ गते कम्पनी रजिष्टर कार्यालयबाट दर्ता भई बीमा समितिबाट मिति २०७१ मंसिर ९ गते निर्जीवन बीमा व्यवसायसंग सम्बन्धित पुनर्बीमा व्यवसाय गर्न स्वीकृती प्राप्त गरेको छ।

हालको अवस्थामा नेपाल सरकार, निर्जीवन बीमा कम्पनीहरू, जीवन बीमा कम्पनीहरू र अन्य संस्थापित कम्पनीहरू समेतको रु. ५ अर्ब शेयर पूँजी कायम हुने गरी नेपालको पहिलो र एक मात्र पुनर्बीमा कम्पनी श्री नेपाल पुनर्बीमा कम्पनी लिमिटेडको स्थापना भएको छ। जसको शेयर संरचना देहाय बमोजिम रहेको छ (तालीका -३)।

तालीका -३

नेपाल पुनर्जीवन कम्पनी लिमिटेडको शेयर संरचना

| सि.नं. | लगानी संरचना | शेयर स्वामित्व प्रतिशतमा |
|--------|--|--------------------------|
| १ | नेपाल सरकार | ४३.५५ |
| २ | निर्जीवन बीमा कम्पनीहरु | ३८.३९ |
| ३ | जीवन बीमा कम्पनीहरु तथा अन्य संस्थापित कम्पनीहरु | १८.०६ |
| | कुल | १००.०० |

१०. बीमा व्यवसायसंग सम्बन्धित पेशागत संघर्ष र संगठनहरू :

➤ नेपाल बीमक संघ, काठमाण्डौं ।

बीमकहरुको एक आपसमा परेका समस्याहरुको छलफल तथा समाधान गर्नका लागि तथा आफ्ना हक्क हितका लागि समेत ध्यानमा राखि नेपाल बीमक संघको स्थापना भएको हो । यसमा सदस्य बीमकहरुबाट एक जना अध्यक्ष लगायतका अन्य पदाधिकारीहरुको चयन हुने गर्दछ । यस संघको प्रत्येक वर्ष वार्षिक साधारण सभा समेत हुने गरेको देखिन्छ ।

➤ नेपाल इन्स्योरेन्स प्रोफेसनल सोसाइटी, काठमाण्डौं ।

बीमकहरुको अधिकृत स्तरका कर्मचारीहरु सदस्य रहेको नेपाल इन्स्योरेन्स प्रोफेसनल सोसाइटी स्थापना गरेको अवस्था छ । जस मध्येबाट अध्यक्ष लगायतका पदाधिकारीको नियुक्ति हुने हुन्छ । यसको साधारण सभा वर्षको एक पटक गर्ने प्रचलन रहेको छ । उक्त सोसाइटीले बीमाको प्रचार प्रसार गर्नुका साथै बीमा समितिको समन्वयमा अन्तरक्रिया, गोष्ठीको आयोजना समेत गर्ने गरेको अवस्था छ ।

➤ नेपाल पेशागत बीमा अभिकर्ता संघ, काठमाण्डौं ।

बीमा अभिकर्ताहरुमा परेका समस्याहरुलाई समाधन गर्नका लागि तथा अभिकर्ताको हक्क हितका लागि नेपाल पेशागत बीमा अभिकर्ता संघको स्थापना भएको छ । यसमा सदस्य बीमा अभिकर्ताहरुबाट अध्यक्ष लगायतका पदाधिकारीहरुको चयन हुने गरेको अवस्था छ ।

➤ नेपाल बीमा सर्भेयर संघ, काठमाण्डौं ।

बीमा सर्भेयरहरुको एक आपसमा परेका समस्याहरुलाई समाधन गर्नका लागि तथा सर्भेयरहरुको हक्क हितका लागि नेपाल बीमा सर्भेयर संघको स्थापना भएको हो । यसमा सदस्य बीमा सर्भेयरहरुबाट अध्यक्ष लगायतका पदाधिकारीहरुको चयन हुने गरेको अवस्था छ । यस संघको प्रत्येक वर्ष वार्षिक साधारण सभा समेत हुने गरेको देखिन्छ ।

११. समग्र आर्थिक स्थिति :

सन् २०१४ मा विश्व उत्पादन सामान्य दरले बढ्यो । विकसित अर्थतन्त्रको आर्थिक क्रियाकलाप सुधारोन्मुख भएतापनि उदयीमान तथा विकासशील अर्थतन्त्रको वृद्धिदर घट्दो अवस्थामा रहयो । घट्दो तेल मूल्य र कमजोर मागका कारण सन् २०१४ मा विश्व मुद्रास्फीति दर न्यून स्तरमा रहयो । आर्थिक वर्ष २०७१/७२ मा नेपाली अर्थतन्त्र पनि औषत भन्दा कम दरले विस्तार भयो । कृषि, उद्योग तथा सेवा सबै क्षेत्रहरुको केही समष्टिगत आर्थिक वृद्धिदर सामान्य रहयो । यस खण्डमा विश्व तथा राष्ट्रिय अर्थतन्त्रका केही समष्टिगत आर्थिक चरणहरुको विद्यमान अवस्था र प्रवृत्तिको चर्चा गरिएको छ ।

११.१. विश्वको आर्थिक वृद्धिदर :

रोजगारीका अवसरहरुमा भएका वृद्धि, आन्तरिक मागमा भएको विस्तार, तेलको घट्दो मूल्य, लचिलो मौद्रिक नीति, उपभोक्ताको बढ्दो मनोवल आदिको कारण अमेरीकी अर्थतन्त्र विस्तार हुँदै गएको र घट्दो तेलको मूल्य, न्यून व्याजदर, कमजोर यूरो आदिको कारण यूरो क्षेत्रको आर्थिक गतिविधि पनि विस्तार हुँदै गएकाले सन् २०१४ को तुलनामा सन् २०१५ मा विश्वको आर्थिक वृद्धिदरमा केही सुधार हुने देखिएको छ। अन्तराष्ट्रिय मुद्रा कोषले सन् २०१५ को केही सुधार हुने देखिएको छ। अन्तराष्ट्रिय मुद्रा कोषले सन् २०१५ को अप्रिलमा प्रकाशित गरेको विश्व आर्थिक परिदृश्य (World Economic Outlook) का अनुसार सन् २०१४ मा ३.४ प्रतिशतले बढेको विश्व उत्पादन सन् २०१५ मा सीमान्त दरले बढी ३.५ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण रहेको छ। त्यस्तै, २०१६ मा विश्व उत्पादन सन् २०१५ को तुलनामा सीमान्त दरले विस्तार भई ३.८ प्रतिशत रहने प्रक्षेपण रहेको छ। विश्व आर्थिक वृद्धिमा तीन चौथाई योगदान रहेका उदयीमान तथा विकासशील अर्थतन्त्रका वृद्धिदर सन्तोषजनक रहन नसकेको कारण विश्व उत्पादन अपेक्षित रूपले विस्तार हुन नसकेको छ।

सन् २०१४ मा १.८ प्रतिशतले विस्तार भएको विकसित मुलुकको अर्थतन्त्र सन् २०१५ मा २.४ प्रतिशतले बढ्ने प्रक्षेपण अन्तराष्ट्रिय मुद्रा कोषको रहेको छ। त्यस्तै, सन् २०१४ मा ०.९ प्रतिशतले विस्तार भएको यूरो क्षेत्र सन् २०१५ मा १.५ प्रतिशत बढ्ने प्रक्षेपण रहेको छ।

सन् २०१४ मा ४.६ प्रतिशतले वृद्धि भएको उदयीमान र विकासशील देशहरुको अर्थतन्त्र सन् २०१५ मा सीमान्त दरले घट्न गई ४.३ प्रतिशतमा सीमित रहने प्रक्षेपण छ। ठूला उदयीमान बजार अर्थतन्त्र र तेल निर्यातक राष्ट्रहरुको कमजोर सम्पादनस्तर (Performance) का कारण सन् २०१५ मा उदयीमान तथा विकासशील देशहरुको आर्थिक वृद्धिदर घट्ने देखिएको छ (तालिका-४)।

तालिका-४ विश्वको आर्थिक वृद्धिदर

(वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)

| विवरण | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|--------------------------------------|-------|-------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| विश्व अर्थ तन्त्र | ३.४ | ३.४ | ३.४ | ३.५ | ३.८ | ४.० |
| विकसित अर्थतन्त्र | १.२ | १.४ | १.८ | २.४ | २.४ | १.९ |
| उदयीमान तथा विकासशील अर्थतन्त्र | ५.२ | ५.० | ४.६ | ४.३ | ४.७ | ५.३ |
| विकासोन्मूख एशिया | ६.८ | ७.० | ६.८ | ६.६ | ६.४ | ६.६ |
| मध्यपुर्व तथा उत्तर अफ्रिकी मूलुकहरु | ४.९ | २.३ | २.४ | २.७ | ३.७ | ४.० |
| मध्य तथा पुर्वी यूरोपेली मूलुकहरु | १.३ | २.९ | २.८ | २.९ | ३.२ | ३.४ |
| यूरोपियन यूनियनका मूलुकहरु | (०.८) | (०.५) | ०.९ | १.५ | १.६ | १.५ |

श्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण २०७१/७२

११.२. छिमेकी मुलुकहरुको आर्थिक वृद्धिदर र नेपालको राष्ट्रिय आर्थिक वृद्धिदर :

सन् २०१३ को तुलनामा सन् २०१४ मा दक्षिण एशियाली मुलुकहरु मध्ये अफगानिस्तानको आर्थिक वृद्धिदर घटेको छ भने अन्य सबै मुलुकहरुको आर्थिक वृद्धिदर बढेको छ। सन् २०१३ मा ३.७ प्रतिशत रहेको अफगानिस्तानको आर्थिक वृद्धिदर सन् २०१४

मा १.५ प्रतिशतमा सीमित भएको छ । त्यसै, सन् २०१३ मा ७.८ प्रतिशतले बढेको चिनीया अर्थतन्त्र सन् २०१४ मा ७.४ प्रतिशतले मात्र बढेको छ । विश्व अर्थतन्त्रमा मन्दिको प्रभाव न्यून हुँदै गएता पनि दक्षिण एशियाली मुलुकहरु आफै भित्रको संरचनागत लगायतका अन्य समस्याहरुबाट ग्रसित रहेको कारण यस क्षेत्रको आर्थिक वृद्धिदर प्रभावित भएको हो । छिमेकी मुलुकहरुको आर्थिक वृद्धिदरको प्रवृत्तिलाई तलको तालिकामा देखाइएको छ (तालिका-५) ।

यसैगरी नेपालको आर्थिक वृद्धिदर सन् २०१२ र २०१३ मा ४.८ प्रतिशत र ३.९ प्रतिशत रहेकोमा सन् २०१४ मा ५.५ प्रतिशत रहेको थियो । सन् २०१२ मा अधिकांश मुलुकहरुले उत्साहजनक आर्थिक उपलब्धि हासिल गरेता पनि नेपाल, भारत, माल्दिभ्स र पाकिस्तानको वृद्धिदर ५% भन्दा कमै रहेको देखिन्छ । आर्थिक सर्वेक्षण २०७१/७२ अनुसार अन्तर्राष्ट्रिय मुद्रा कोषबाट सन् २०१५ अप्रिलमा प्रकाशित तथ्याङ्कमा नेपालको आर्थिक वृद्धिदर सन् २०१५, २०१६ र २०२० मा ५.०%, ५.०% र ४.५% रहने प्रक्षेपण गरेको छ । माथिका तथ्याङ्कहरुलाई विश्लेषण गर्दा नेपालको आर्थिक वृद्धिदर छिमेकी मूलुकहरु भारत र चीनको वृद्धिदरको तुलनामा निकै कम रहेको देखिन्छ (तालिका-५) ।

तालिका-५

छिमेकी मुलुकहरुको आर्थिक वृद्धिदर

(वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन)

| विवरण | २०१२ | २०१३ | २०१४ | प्रक्षेपण | | |
|-------------|-------|------|------|-----------|------|------|
| | | | | २०१५ | २०१६ | २०२० |
| बंगलादेश | ६.३० | ६.१० | ६.१० | ६.३० | ६.८० | ६.७० |
| भूटान | ६.५० | ५.०० | ६.४० | ७.६० | ८.२० | ६.९० |
| भारत | ४.१० | ६.९० | ७.२० | ७.५० | ७.५० | ७.८० |
| माल्दिभ्स | १.३० | ४.७० | ५.०० | ५.०० | ३.९० | ५.०० |
| नेपाल | ४.८० | ३.९० | ५.५० | ५.०० | ५.०० | ४.५० |
| श्रीलंका | ६.३० | ७.३० | ७.४० | ६.५० | ६.५० | ६.५० |
| पाकिस्तान | ३.८० | ३.७० | ४.१० | ४.३० | ४.७० | ५.०० |
| अफगानिस्तान | १४.०० | ३.७० | १.५० | ३.५० | ४.९० | ५.३० |
| चीन | ७.८० | ७.८० | ७.४० | ६.८० | ६.३० | ६.३० |

श्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण २०७१/७२

१२. नेपालको बीमा बजारको वस्तुस्थिति :

१२.१. बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष :

नेपालमा बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको चुक्ता पूँजी, बीमा कोष र अन्य जगेडा तथा कोषमा रहेको रकम प्रत्येक वर्ष बढ्दि भइरहेको छ । आ.व. २०६९/७०, २०७०/७१ तथा २०७१/७२ को अन्त्यमा जीवन तथा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको चुक्ता पूँजी, बीमा कोष र अन्य जगेडा तथा कोषमा रहेको रकमलाई देहाय बमोजिमको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ (तालिका-६) ।

१२.१.१. जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष :

आ.व. २०६९/७०, २०७०/७१ तथा २०७१/७२ को अन्त्यमा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको चुक्ता पूँजी, बीमा कोष र अन्य जगेडा तथा कोषमा रहेको रकमलाई देहाय बमोजिमको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ (तालिका-६) ।

तालिका-६
बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष

(रु.करोडमा)

| बीमकको नाम | २०६९/७० | | | २०७०/७१ | | | २०७१/७२ | | |
|-------------------------------|-----------------|------------------|------------------|-----------------|------------------|------------------|-----------------|------------------|------------------|
| | चुक्ता पूँजी | जगेडा तथा कोष | जीवन बीमा कोष | चुक्ता पूँजी | जगेडा तथा कोष | जीवन बीमा कोष | चुक्ता पूँजी | जगेडा तथा कोष | जीवन बीमा कोष |
| राष्ट्रिय बीमा संस्थान* | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| नेशनल लाइफ इ.कं.लि. | ५०.१३ | ३६.२५ | ८२६.६९ | ७८.३९ | ३९.९९ | ९८८.२४ | १०१.९१ | ३५.९७ | ११९६.०८ |
| नेपाल लाइफ इ.कं.लि. | ६३.७५ | ६८.१४ | १२५७.९५ | १०८.३८ | ६८.९० | १७०५.०८ | १७३.४० | ३०.०० | २३६४.८७ |
| लाइफ इ.कपेरेशन (नेपाल) लि. | ४०.५० | २७.२५ | ११७७.५६ | ६५.८१ | ३३.२१ | १५५०.५२ | ८५.५६ | १९.६० | २०४८.३७ |
| मेट लाइफ एलिको | - | ४६.३९ | ७४५.८७ | - | ५०.२७ | ८५६.६० | - | ५४.०९ | ९७९.४७ |
| एशियन लाइफ इ.कं.लि. | ४९.७१ | २५.४५ | ३१४.५७ | ५२.१३ | ३०.४३ | ४४२.९७ | ६७.१३ | १९.३९ | ५९१.७६ |
| सुर्या लाइफ इ.कं.लि. | ४१.१३ | ४.९७ | ४१.९८ | ५०.०० | १३.४३ | ६७.२२ | ५०.०० | १५.०८ | १०६.८६ |
| गूरांस लाइफ इ.कं.लि. | ३८.३४ | ९.८३ | ६४.९६ | ५०.०० | १४.५६ | १०१.०६ | ५०.०० | १६.५४ | १५२.७२ |
| प्राइम लाइफ इ.कं.लि. | ४८.८२ | ३२.५७ | १२३.७७ | ४८.८२ | ४४.२३ | १८८.७७ | ४.८८ | ४९.६५ | २६६.७५ |
| सबै बीमकहरुको जम्मा | ३३२.३८ | २५९.६४ | ४५५२.५५ | ४५३.५२ | २९५.०३ | ५१००.४६ | ५७६.८२ | २४०.२४ | ७७०६.८७ |

* राष्ट्रिय बीमा संस्थानको विवरण प्राप्त नभएको

१२.१.२. निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकको चुक्ता पूँजी तथा कोष :

आ.व. २०६९/७०, २०७०/७१ तथा २०७१/७२ को अन्त्यमा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको चुक्ता पूँजी, बीमा कोष र अन्य जगेडा तथा कोषमा रहेको रकमलाई देहाय बमोजिमको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ (तालिका-७)।

(तालिका-७)

(रु.करोडमा)

| बीमकको नाम | २०६९/७० | | | २०७०/७१ | | | २०७१/७२ | | |
|---------------------------|-----------------|---------------------|-------------|-----------------|---------------------|-------------|-----------------|---------------------|-------------|
| | चुक्ता पूँजी | जगेडा तथा कोष | बीमा कोष | चुक्ता पूँजी | जगेडा तथा कोष | बीमा कोष | चुक्ता पूँजी | जगेडा तथा कोष | बीमा कोष |
| नेपाल इ.कं.लि. | १३.१९ | १२.८८ | ४.०२ | २५.८२ | १४.१९ | ५.३२ | २६.३३ | १९.०९ | ८.४४ |
| दि ओरियण्टल इ.कं.लि. | - | ५.४६ | १६.४२ | - | १२.३३ | २३.२९ | - | (२८.६५) | २३.२९ |
| नेशनल इ.कं.लि. | - | २९.२१ | २३.८२ | - | ३४.२४ | २८.८६ | - | १०.४७ | २८.८६ |
| हिमालयन ज.इ.कं.लि. | १०.०८ | ४.०६ | ६.४७ | २५.०० | ९.१३ | ११.०७ | २६.७५ | १०.८१ | १५.९३ |
| यूनाइटेड इ.कं.(नेपाल) लि. | १०.०८ | ५.७१ | ३.५१ | १०.०८ | १०.०९ | ५.८२ | १०.०८ | १०.३७ | ६.५८ |
| प्रिमियर इ.कं.(नेपाल) लि. | ११.७३ | ४.९६ | ५.८२ | ११.७३ | ७.०६ | ८.११ | २८.७५ | १७.६८ | १५.२७ |
| ** एभ्रेस्ट इ.कं.लि. | - | - | - | - | - | - | १०.१३ | १४.२६ | ४.८९ |

| | | | | | | | | | |
|-----------------------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|-------|
| नेको इ.लि. | १३.५२ | ५.०० | ५.४८ | १३.५२ | १४.३१ | ६.२८ | २५.०० | १२.३४ | १३.३८ |
| सगरमाथा इ.क.लि. | २५.८४ | १२.१५ | १६.९१ | ३१.०० | १५.८८ | २६.०५ | ३५.६५ | २०.७२ | २६.०५ |
| प्रभु इ.लि. | १६.२३ | ६.७० | ९.६२ | १८.२६ | ७.४१ | १२.५५ | २९.३८ | १०.४१ | १७.३५ |
| एन.बी.इ.क.लि. | १४.२० | ५.४९ | १.७८ | १४.२० | ५.३७ | १.७८ | १५.०० | ५.९७ | १.७८ |
| पुडन्सियल इ.क.लि. | १२.५० | ३.८३ | ६.३७ | २७.०० | ५.२७ | ९.३९ | २७.०० | ९.०० | १५.१८ |
| शिखर इ.क.लि. | १७.५० | ५.६६ | १३.२१ | २९.७८ | ९.१६ | १९.७१ | ३५.७७ | १४.८२ | ३२.०५ |
| लूम्बनी ज.इ.क.लि. | १५.३४ | २.१८ | ६.४५ | २६.५३ | ३.९८ | १०.०८ | २९.१९ | ६.९६ | १३.४६ |
| एनएलजी इ.क.लि. | २७.०० | ६.४५ | १८.८५ | २९.७० | १०.५६ | २७.५२ | ३४.१६ | १२.४२ | ३५.२० |
| सिद्धर्थ इ.लि. | १३.२० | ३.०१ | ६.३२ | २५.०८ | ९.५५ | १२.७८ | २७.५९ | १६.४४ | २०.८६ |
| * राष्ट्रिय बीमा कं.लि. | - | - | - | - | - | - | १२.४४ | १७३.७० | ८७.६४ |
| सबै बीमाशुल्को जम्मा | २००.४९ | ११२.७८ | १४५.०३ | २८७.७० | १६८.५४ | २०८.६२ | ३७३.२२ | ३६६.२२ | |

* राष्ट्रिय बीमा कं.लि. र एमरेस्ट इ.क.लि. को आ.व. २०६९/७० र २०७०/७१ को विवरण प्राप्त नभएको

१२.२. कुल बीमाशुल्क आर्जन :

नेपालको बीमा व्यवसायबाट आ.व. २०७१/७२ मा रु.३६ अर्ब २८ करोड ९० लाख बीमाशुल्क आर्जन भएको छ। त्यसैगरी आ.व. २०७०/७१ मा रु.३० अर्ब ४३ करोड १३ लाख बीमाशुल्क आर्जन भएको थियो। यसरी आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा बीमाशुल्क आर्जनमा रु.५ अर्ब ८५ करोड ७७ लाख अर्थात् १९.२५% ले वृद्धि भएको देखिन्छ। आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७०/७१ सम्ममा कुल बीमाशुल्क आर्जनमा अधिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा क्रमशः १५.६८%, २४.६७%, १०.२९% र २५.३३% ले वृद्धि भएको देखिन्छ।

आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा जीवन बीमाशुल्क आर्जनमा अधिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा क्रमशः २०.८४%, ३३.७६%, १३.७०%, २४.१७% र २४.८३% ले वृद्धि भएको देखिन्छ।

आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा निर्जीवन बीमाशुल्क आर्जनमा अधिल्लो आर्थिक वर्षको तुलनामा क्रमशः ८.७३%, ११.०४%, ४.१३%, २७.६४% र ८.५३% ले वृद्धि भएको देखिन्छ (तालिका-८)।

तालिका-८

जीवन तथा निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट आर्जन भएको कुल बीमाशुल्क

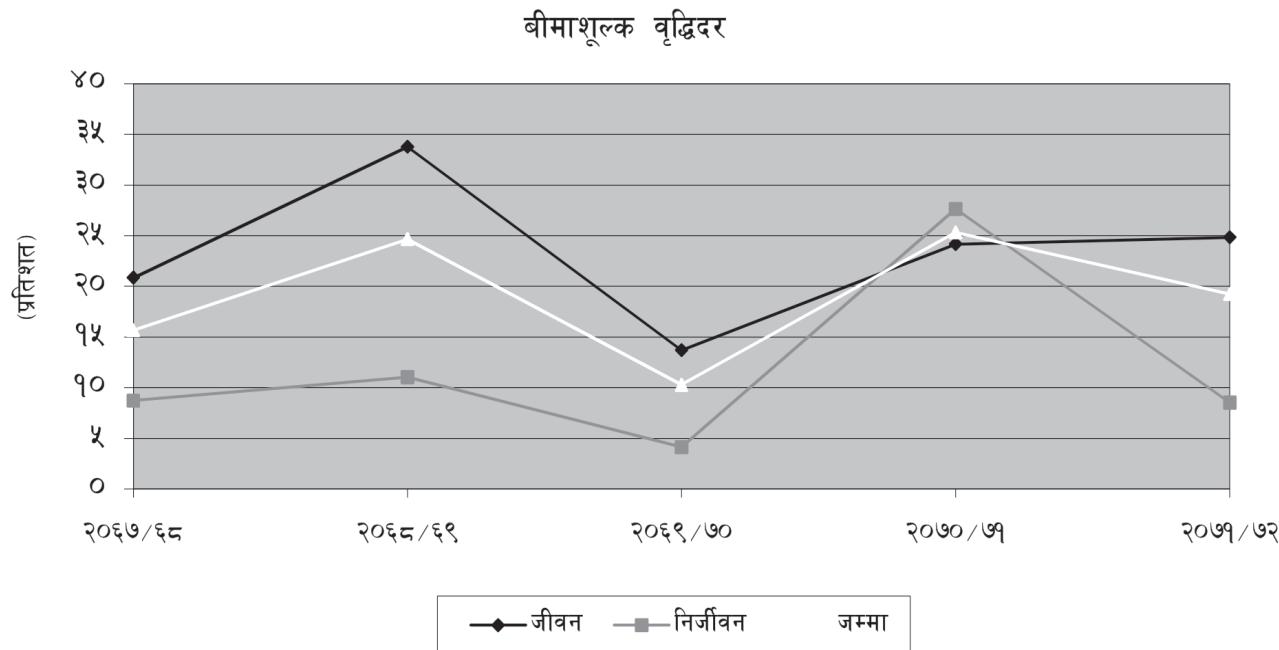
| आर्थिक वर्ष | जीवन बीमाशुल्क (रु.करोडमा) | अधिल्लो आ.व.को तूलनामा वृद्धि प्रतिशत | निर्जीवन बीमाशुल्क आर्जन (रु.करोडमा) | अधिल्लो आ.व.को तूलनामा वृद्धि प्रतिशत | कुल बीमाशुल्क (रु.करोडमा) | अधिल्लो आ.व.को तूलनामा वृद्धि प्रतिशत |
|-------------|-------------------------------|---|--|---|---------------------------------|--|
| २०६७/६८ | १०५९.३० | २०.८४ | ७०६.३९ | ८.७३ | १७६५.६९ | १५.६८ |
| २०६८/६९ | १४१६.९३ | ३३.७६ | ७८४.४३ | ११.०४ | २२०१.३६ | २४.८३ |
| २०६९/७० | १६११.१५ | १३.७० | ८१६.८२ | ४.१३ | २४२७.९७ | १०.२९ |
| २०७०/७१ | २०००.५३ | २४.१७ | १०४२.६० | ८.५३ | ३०४३.१३ | २५.३३ |
| २०७१/७२ | २४९७.३३ | २४.८३ | ११३१.५७ | ८.७३ | ३६२८.९० | १९.२५ |

श्रोत : बीमा समिति

राष्ट्रिय बीमा संस्थानको आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको अपरिष्कृत विवरण समावेस गरिएको।

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरिक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको।

आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको नेपालको बीमा व्यवासयको जीवन, निर्जीवन तथा कुल बीमाशुल्क बृद्धिदरलाई निम्नानुसारको चित्रमा प्रस्तुत गरिएको छ ।



१२.३. कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा बीमाशुल्कको योगदान :

कुल बीमाशुल्कलाई कुल ग्राहस्थ उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा) संग तुलना गर्दा आ.व. २०७१/७२ मा कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा बीमाशुल्कको योगदान १.७१% रहेको छ । आ.व. २०७०/७१ मा कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा बीमाशुल्कको योगदान १.५७% रहेको थियो । आ.व. २०६६/६८ देखि २०६९/७० सम्ममा सो योगदान क्रमशः १.२९%, १.४४%, १.४५% रहेको छ (तालिका-९) ।

तालिका-९
कुल ग्राहस्थ उत्पादनको तुलनामा कुल बीमाशुल्क आर्जन**

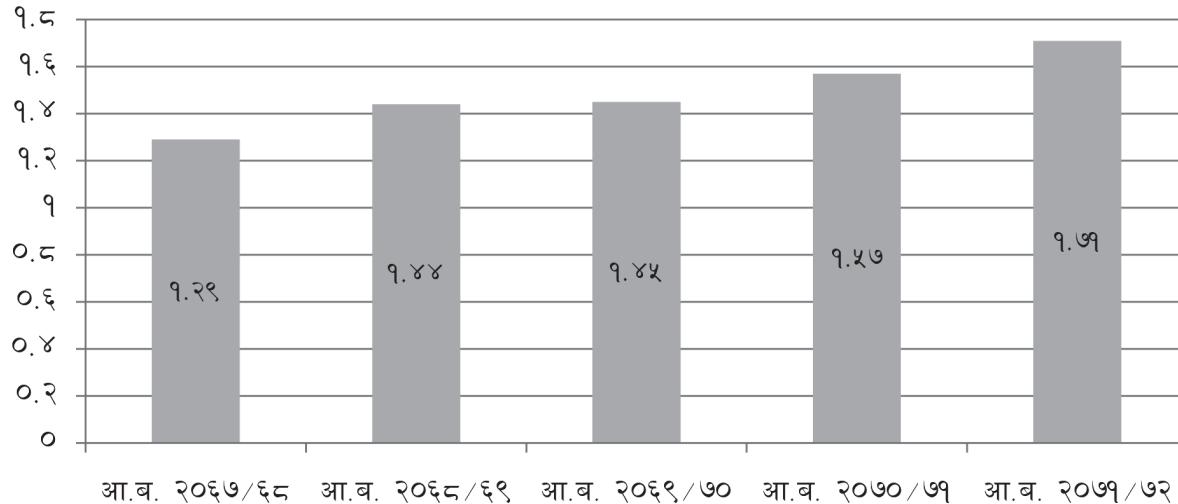
| आ.व. | कुल बीमाशुल्क आर्जन (रु.करोडमा) | कुल ग्राहस्थ उत्पादन (प्रचलित मूल्यमा)* (रु.करोडमा) | कुल ग्राहस्थ उत्पादनको तुलनामा कुल बीमाशुल्क आर्जन (प्रतिशतमा) |
|---------|------------------------------------|---|--|
| २०६७/६८ | १७६५.६९ | १३६६९०.०० | १.२९ |
| २०६८/६९ | २२०१.३६ | १५२७३०.०० | १.४४ |
| २०६९/७० | २४२७.९७ | १६७५००.०० | १.४५ |
| २०७०/७१ | ३०४३.१३ | १९४९६०.०० | १.५७ |
| २०७१/७२ | ३६२८.९० | २१२४६०.०० | १.७१ |

* श्रोत : आर्थिक सर्वेक्षण २०७१/७२

** राष्ट्रिय बीमा संस्थानको आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको अपरिष्कृत विवरण समावेस गरिएको ।

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरिक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको ।

**कूल गार्हस्थ उत्पादनको तूलनामा कूल बीमाशुल्क आर्जन
(प्रतिशतमा)**



१२.४. जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी :

प्रचलित बीमा ऐन तथा नियमावली अनुसार बीमकहरुको लगानी योग्य रकमलाई दीर्घकालीन रूपमा नेपाल भित्र लगानी गर्न लगाउने यस समितिको नीति भए बमोजिम बीमकहरुले नेपाल सरकारको/नेपाल राष्ट्र बैंकको बचतपत्र/ऋणपत्र, बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुको मुद्रती खाता, शेयर, बीमालेखको धितोमा कर्जा आदिमा उक्त रकम लगानी गर्दै आएका छन्। आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुबाट क्रमशः रु.३,६४६.७१ करोड, रु.५,४५०.०४ करोड, रु.६,४३४.३१ करोड, रु.७,९९२.०६ र रु.९,७१२.५० करोड लगानी भएको छ। आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा २२.७६% ले लगानी रकममा वृद्धि भएको देखिन्छ (तालिका-१०)।

तालिका-१० **जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी**

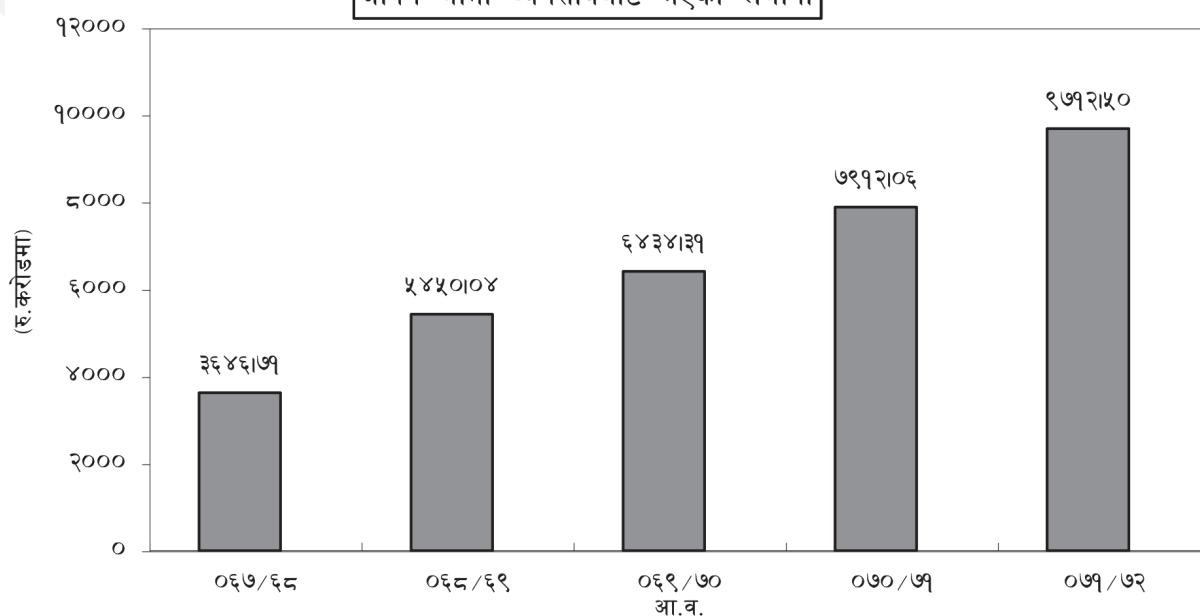
(रु.करोडमा)

| कम्पनीको नाम | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|-----------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| राष्ट्रिय बीमा संस्थान* | १३४१.०९ | १४४५.२३ | १४४५.३१ | १४७५.४५ | १४७५.४५ |
| नेशनल लाइफ इ.कं.लि. | ५५८.३३ | ७९८.२५ | ८७०.५२ | १०६१.४९ | १२८३.४२ |
| नेपाल लाइफ इ.कं.लि. | ८१८.०२ | ११२२.६८ | १३५३.७२ | १८३३.५५ | २४५०.९९ |
| लाइफ इ.कंपोरेशन (नेपाल) लि. | ६२६.१६ | ९०२.८१ | १२१७.०५ | १५६३.०१ | २०५१.६२ |
| अमेरिकन लाइफ इ.कं. | ५६६.७७ | ७९८.९० | ७९३.०५ | ९६३.५६ | ११०१.६० |
| एशियन लाइफ इ.कं.लि. | १५९.६८ | २५४.४१ | ३६०.६४ | ४६८.१७ | ५८६.४४ |
| सूर्या लाइफ इ.कं.लि. | ५३.२८ | ६८.६४ | ८६.७४ | ११९.६० | १६०.३१ |
| गुरांश लाइफ इ.कं.लि. | ४६.५४ | ८६.०८ | १०९.९४ | १५८.२४ | २३६.२० |
| प्राइम लाइफ इ.कं.लि. | ७३.२० | १३३.०६ | १९७.३४ | २६८.९९ | ३६६.५५ |
| जम्मा | ३६४६.७१ | ५४५०.०४ | ६४३४.३१ | ७९९२.०६ | ९७१२.५० |

* राष्ट्रिय बीमा संस्थानको आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको अनुमानित विवरण समावेस गरिएको।

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरिक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको।

जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी



१२.५. निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी :

आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्म निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट नेपाल भित्र लगानी रकम क्रमशः रु. ७४७.२७ करोड, ८६४.५१ करोड, १,०२१.७३ करोड, रु.१,२२३.१० करोड र रु.१,४९७.४३ करोड रहेको छ। आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा २२.४३% ले लगानी रकममा वृद्धि भएको देखिन्छ (तालिका-११)।

तालिका-११
निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी

(रु. करोडमा)

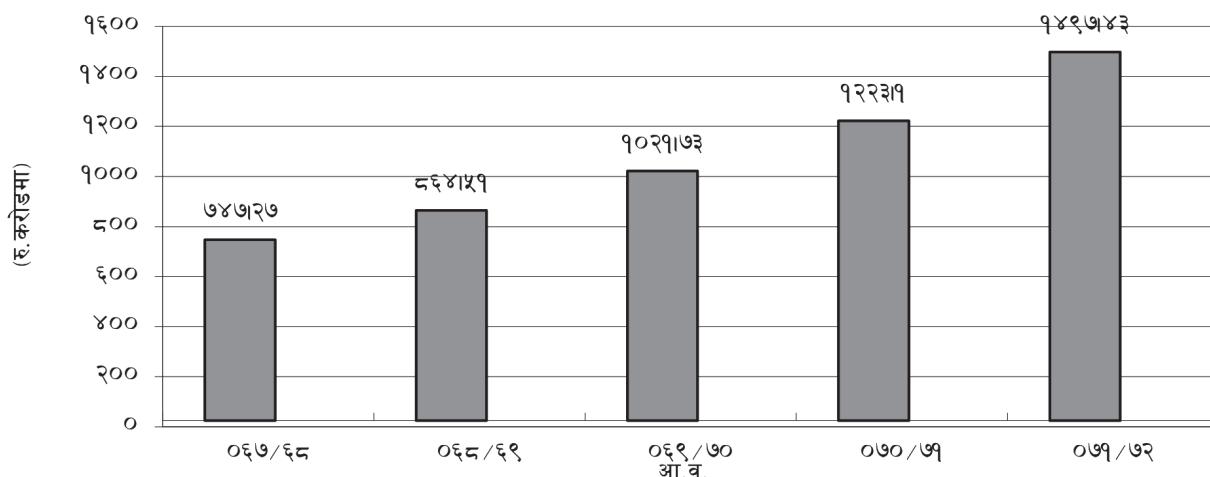
| कम्पनीको नाम | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|--------------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| नेपाल इ.कं.लि. | ३५.४० | ५१.५७ | ६९.६५ | ८९.२५ | ९६.७६ |
| दि ओरिएण्टल इ.कं.लि. | ८७.४८ | १०२.५६ | १२५.९७ | १४९.८४ | १५३.१८ |
| राष्ट्रिय बीमा कम्पनी लिमिटेड* | १२३.९५ | ९५.५० | ९०.८० | ८७.६५ | ८७.६५ |
| नेशनल इ.कं.लि. | ८२.३१ | ९८.७८ | ११३.६६ | १३६.७६ | १७९.६५ |
| हिमालयन ज.इ.कं.लि. | २९.८४ | ४१.६३ | ५७.९२ | ७५.४७ | ७९.६२ |
| युनाइटेड इ.कं. (नेपाल) लि. | ३१.८१ | ३१.४९ | ३३.५३ | ५५.६७ | ५९.९४ |
| प्रिमियर इ.कं. (नेपाल) लि. | २५.८९ | २८.०९ | ३९.४० | ४८.०५ | ७३.६४ |
| एभरेस्ट इ.कं. लि. | ५३.४३ | ५०.४५ | ४०.७९ | ३३.३६ | २९.४४ |
| नेको इ.लि. | २४.०५ | ३४.६४ | ४२.४६ | ५३.१४ | ६२.२७ |
| सगरमाथा इ.कं.लि. | ४८.५८ | ८०.८० | ९५.३९ | १११.०२ | १४३.२८ |
| प्रभू इ.लि. | २९.४५ | ३०.८८ | ३३.९८ | ३८.०२ | ५४.०४ |
| एन.वी. इ.कं.लि. | १२.२६ | १३.३० | १३.३० | ३.९४ | ७.९३ |
| प्रुडेन्सियल इ.कं.लि. | २३.९३ | ३४.६० | ३४.७५ | ६८.६८ | ८१.३४ |

| कम्पनीको नाम | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|------------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| शिखर इ.कं.लि. | २८.६० | ३१.६४ | ४३.२४ | ६०.१२ | ८६.४४ |
| लुम्बिनी जनरल इ.कं.लि. | २५.३७ | २७.५३ | ४८.८२ | ७०.०१ | ८३.०३ |
| एनएलजी इ.कं.लि. | ६६.९९ | ८५.२६ | ९९.९८ | १०९.४१ | १५५.१८ |
| सिद्धर्थ इ.लि. | १७.८९ | २५.१६ | ३९.०९ | ७०.७३ | ९३.४८ |
| जम्मा | ७४७.२७ | ८६४.५१ | १०२१.७३ | १२२३.९० | १४९७.४३ |

* राष्ट्रिय बीमा कम्पनी लि. को आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको अनुमानित विवरण समावेस गरिएको ।

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरिक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको ।

निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको लगानी



१२.६. निर्जीवन बीमकको खुद नाफाको विवरण :

नेपालमा संचालित निर्जीवन बीमा कम्पनीहरूले आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्म गरेको खुद नाफा रकम क्रमशः रु.६३.१० करोड, रु.७७.९७ करोड, रु.८४.६३ करोड, रु.१३८.३० करोड र रु.३८.७७ करोड रहेको छ । हालै आएको विनासकारी महाभुकम्पको क्षति लगायतका कारणहरूबाट आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूले आर्जन गरेको खुद नाफामा कमि भएको देखिन्छ (तालिका-१२) ।

तालिका-१२

नेपालमा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूले आर्जन गरेको खुद नाफाको विवरण

(आ.व. २०६७/०६८ - २०७१/७२)

| बीमकको नाम | विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|-------------------------|----------------------|---------|---------|---------|---------|----------|
| नेपाल इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | २.४९ | ४.०० | ४.५९ | २.८० | ६.२३ |
| | बजार हिस्सा (%) | ३.९५ | ५.१३ | ५.४२ | २.०२ | १६.०७ |
| दि ओरियण्टल इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ७.३७ | ९.०६ | (९४.५३) | ९३.७४ | (४७.००) |
| | बजार हिस्सा (%) | ११.६८ | ११.६२ | (१७.१७) | ९.९३ | (१२१.२३) |
| * राष्ट्रिय बीमा कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ६.९० | ७.८० | ८.९० | ७.२० | २४.८८ |
| | बजार हिस्सा (%) | १०.९४ | १०.०० | ९.५७ | ५.२१ | ६४.१७ |

| बीमकको नाम | विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|---------------------------|----------------------|---------|---------|---------|---------|----------|
| नेशनल इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | १०.२८ | १.९९ | १.६२ | १०.०८ | (७४.७३) |
| | बजार हिस्सा (%) | १६.२९ | ११.६८ | ११.३७ | ७.२९ | (१९९.२०) |
| हिमालयन ज.इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | (०.८०) | (५.४७) | ७.२४ | १.३३ | ८.२९ |
| | बजार हिस्सा (%) | (१.२७) | (७.०२) | ८.५५ | ६.७५ | २१.३८ |
| यनाइटेड इ.कं.(नेपाल) लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | १.०५ | १.९९ | २.६७ | ४.५८ | ०.६६ |
| | बजार हिस्सा (%) | १.६६ | २.४५ | ३.१५ | ३.३१ | १.७० |
| प्रिमियर इ.कं.(नेपाल) लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | १.५२ | २.२५ | ३.५५ | ४.५८ | १४.३९ |
| | बजार हिस्सा (%) | २.४१ | २.८९ | ४.१९ | ३.३१ | ३६.११ |
| ** एभरेष्ट इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ३.४८ | ३.८३ | | ५.९४ | ३.९७ |
| | बजार हिस्सा (%) | ५.५२ | ४.९१ | - | ४.३० | १०.२४ |
| नेको इ.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | १.७२ | ३.०३ | ३.७५ | ३.८८ | १२.९३ |
| | बजार हिस्सा (%) | २.७३ | ३.८९ | ४.४३ | २.८१ | ३१.२९ |
| सगरमाथा इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | १.०८ | १३.७४ | १७.७९ | २०.३७ | ११.०० |
| | बजार हिस्सा (%) | १४.३९ | १७.६२ | २१.०२ | १४.६९ | २८.३७ |
| प्रभू इ.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | २.९९ | ५.२२ | ७.६३ | ५.८५ | १.६० |
| | बजार हिस्सा (%) | ४.६१ | ६.६९ | ९.०२ | ४.२३ | २४.७६ |
| *** एन.बी.इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | (२.९३) | (५.५४) | (९.५४) | (५.७०) | |
| | बजार हिस्सा (%) | (३.३८) | (७.११) | (१.८२) | (४.१२) | - |
| पुडेन्सियल इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | २.४३ | ३.२७ | ४.२२ | ६.०३ | ८.६९ |
| | बजार हिस्सा (%) | ३.८५ | ४.१९ | ४.९९ | ४.३६ | २२.४१ |
| शिखर इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ५.७२ | ५.७५ | ८.२४ | १३.९९ | २९.९६ |
| | बजार हिस्सा (%) | ९.०६ | ७.३७ | ९.७४ | ९.४८ | ५६.६४ |
| लूम्बिनी ज.इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ०.९७ | ३.२७ | ३.८२ | ७.२४ | ६.७५ |
| | बजार हिस्सा (%) | १.५४ | ४.१९ | ४.५१ | ५.२३ | १७.४१ |
| एनएलजी इ.कं.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ७.२६ | १२.७३ | १५.२९ | १७.२८ | १५.२८ |
| | बजार हिस्सा (%) | ११.५१ | १६.३३ | १७.९७ | १२.४९ | ३९.४१ |
| सिद्धार्थ इ.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | २.८५ | ४.०९ | ४.२७ | १२.०५ | १६.९५ |
| | बजार हिस्सा (%) | ४.५२ | ५.१४ | ५.०५ | ८.५१ | ४१.६६ |
| सबै बीमकहरू | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ६३.९० | ७७.१७ | ८४.६३ | १३८.३० | ३८.७७ |
| | बजार हिस्सा (%) | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० |

* राष्ट्रिय बीमा संस्थानको आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्मको अनुमानित विवरण समावेस गरिएको ।

** एभरेष्ट.इ.कं.लि. को आ.व. २०६९/७० देखि २०७१/७२ सम्मको तथ्याङ्क प्राप्त नभएको ।

***एन. बी. इ. क. लि. को आ.व. २०७१/७२ को विवरण प्राप्त नभएको ।

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरिक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको ।

१२.७. जीवन बीमा तर्फ खुद नाफाको विवरण :

नेपालमा संचालित जीवन बीमा कम्पनीहरूले आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्म गरेको खुद नाफा रकम क्रमशः रु. २४.३५ करोड, रु. १३२.७९ करोड, रु. २२३.८२ करोड, रु. १४२.८१ करोड र रु. ५३.१५ करोड रहेको छ। बीमकहरुको जीवन बीमा कोष रकम लगायतको बीमांकीय मूल्यांकन हुन बाँकी रहेको कारणबाट आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुले आर्जन गरेको खुद नाफामा कमी भएको देखिन्छ (तालिका- १३)।

तालिका-१३

नेपालमा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुले आर्जन गरेको खुद नाफाको विवरण

(आ.व. २०६७/६८ - २०७१/७२)

| बीमकको नाम | विवरण | २०६७/६८ | २०६८/६९ | २०६९/७० | २०७०/७१ | २०७१/७२ |
|-------------------------------|----------------------|---------|---------|---------|---------|---------|
| राष्ट्रिय बीमा संस्थान* | खुद नाफा (रु.करोडमा) | | | | | |
| | बजार हिस्सा (%) | | | | | |
| नेशनल लाइफ इ.क.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ११.५९ | ९.६३ | २९.३७ | २५.२५ | १५.४९ |
| | बजार हिस्सा (%) | ४७.६० | ७.२५ | १३.१२ | १७.६६ | २९.१४ |
| नेपाल लाइफ इ.क.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | (७.०४) | ७२.२१ | ७७.४६ | ६४.४१ | १७.१७ |
| | बजार हिस्सा (%) | (२८.११) | ५४.३८ | ३४.६१ | ४५.१० | ३३.८१ |
| लाइफ इ.कपोरेशन (नेपाल) लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | (२.५७) | १७.९८ | २७.७३ | १९.४८ | ३.०९ |
| | बजार हिस्सा (%) | (१०.३१) | १२.९४ | १२.३९ | १३.६४ | ५.६६ |
| मेट लाइफ | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ३.७५ | २.५९ | ५५.६३ | ६.२८ | ६.०३ |
| | बजार हिस्सा (%) | १५.४० | १.९५ | २४.८५ | ४.४० | ११.३५ |
| एशियन लाइफ इ.क.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ४.४९ | ११.३१ | १२.५४ | ७.५१ | ०.५५ |
| | बजार हिस्सा (%) | १८.४४ | ८.५८ | ५.६० | ५.२६ | १.०३ |
| सूर्य लाइफ इ.क.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | १.७७ | २.९४ | ४.०३ | ४.३८ | १.७० |
| | बजार हिस्सा (%) | ७.०२ | २.२१ | १.८० | ३.०७ | ३.२० |
| गुरांश लाइफ इ.क.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ०.९५ | ४.२५ | ४.६४ | ३.८४ | १.२० |
| | बजार हिस्सा (%) | ३.९० | ३.२० | २.०७ | २.६९ | २.२६ |
| प्राइम लाइफ इ.क.लि. | खुद नाफा (रु.करोडमा) | ११.४१ | १२.६० | १२.४२ | ११.६६ | ७.२० |
| | बजार हिस्सा (%) | ४६.८६ | ९.४९ | ५.५५ | ८.१६ | १३.५५ |
| सबै जीवन बीमकहरु | खुद नाफा (रु.करोडमा) | २४.३५ | १३२.७९ | २२३.८२ | १४२.८१ | ५३.९५ |
| | बजार हिस्सा (%) | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० | १००.०० |

* राष्ट्रिय बीमा संस्थानको आ.व. २०६६/६७ देखि २०७०/७१ सम्मको तथ्याङ्क प्राप्त नभएकोले समावेश नगरिएको।

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरिक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको।

१२.८. बीमालेखको संख्या :

आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७१/७२ मा जीवन बीमा गर्ने बीमकहरुबाट जारी भएका जीवन बीमालेखहरुको संख्या क्रमशः २,९७,८९१ वटा, ३,०३,८६२ वटा, २,०१,७४२ वटा, ३,०६,०८१ वटा र ४,२३,३५१ वटा रहेको छ। साथै, बैदेशिक रोजगार

बीमालेखको संख्या क्रमशः ४,७०,१०९ वटा, ६,०७,९७२ वटा, ८,२३,६१५ वटा, ९,१२,२१९ वटा र ९,३३,८७१ वटा रहेको छ ।

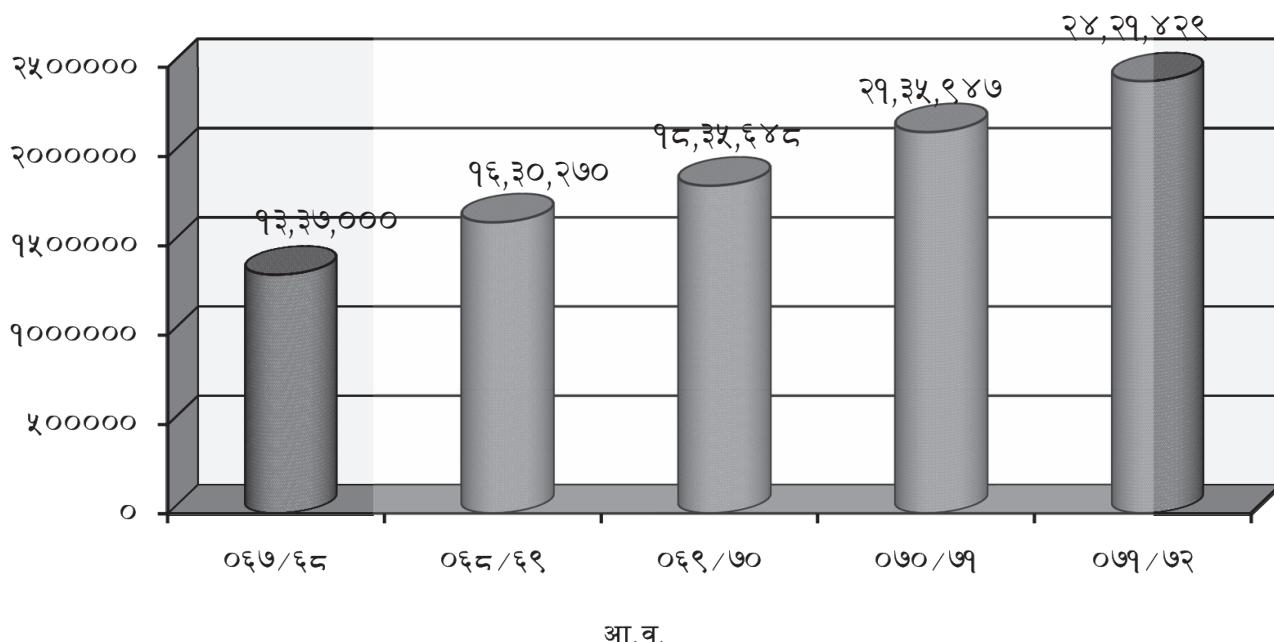
आर्थिक वर्ष २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्ममा निर्जीवन बीमा गर्ने बीमकहरुबाट जारी भएका निर्जीवन बीमालेखहरुको संख्या क्रमशः ५,६९,००० वटा, ७,१८,४३६ वटा, ८,१०,२९१ वटा, ९,१७,६४७ वटा र १०,६४,२०७ वटा रहेको छ (तालिका-१४) ।

तालिका-१४ बीमालेख संख्याको विवरण

| आ.व. | बीमालेखको संख्या | | | निर्जीवन बीमालेखको संख्या | जम्मा जीवन तथा निर्जीवन बीमालेखको संख्या |
|---------|---------------------------------|-----------------------|------------------------|---------------------------|--|
| | बैदेशिक रोजगार बीमालेखको संख्या | जीवन बीमालेखको संख्या | जम्मा बीमालेखको संख्या | | |
| २०६७/६८ | ४,७०,१०९ | २,९७,८९१ | ७,६८,००० | ५,६९,००० | १३,३७,००० |
| २०६८/६९ | ६,०७,९७२ | ३,०३,८६२ | ९,११,८३४ | ७,१८,४३६ | १६,३०,२७० |
| २०६९/७० | ८,२३,६१५ | २,०१,७४२ | १०,२५,३५७ | ८,१०,२९१ | १८,३५,६४८ |
| २०७०/७१ | ९,१२,२१९ | ३,०६,०८१ | १२,१८,३०० | ९,१७,६४७ | २१,३५,९४७ |
| २०७१/७२ | ९,३३,८७१ | ४,२३,३५१ | १३,५७,२२२ | १०,६४,२०७ | २४,२१,४२९ |

स्रोत : बीमा समिति

बीमालेखको संख्या



१२.५. बीमा व्यवसायमा संलग्न बीमा अभिकर्ताहरुको संख्या :

बीमा बजारमा कार्यरत बीमा अभिकर्ताहरुको संख्या दिनानुदिन वृद्धि भईरहेको छ। आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्म बीमा अभिकर्ताको संख्या क्रमशः ७५,२१, ६६,८५९, ७८,२५७, ७९,७२ र ७५,६०६ जना रहेको ५ (तालिका-१५)।

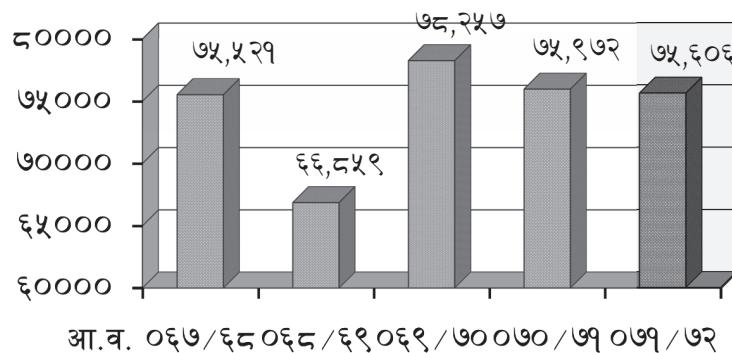
तालिका-१५

बीमा व्यवसायमा संलग्न बीमा अभिकर्ताहरुको संख्या

| आ.व. | दर्ता | नवीकरण | जम्मा |
|---------|--------|--------|--------|
| २०६७/६८ | ४२,६०२ | ३२,९९९ | ७५,२१ |
| २०६८/६९ | ३३,८३० | ३३,०२९ | ६६,८५९ |
| २०६९/७० | ३३,५९६ | ४४,६६१ | ७८,२५७ |
| २०७०/७१ | ३३,४६७ | ४२,५०५ | ७९,७२ |
| २०७१/७२ | २५,०७२ | ५०,५३४ | ७५,६०६ |

स्रोत : बीमा समिति

अभिकर्ताको संख्या



१२.१०. बीमा व्यवसायमा संलग्न बीमा सर्भेयरहरुको संख्या :

नेपालको बीमा बजारमा कार्यरत बीमा सर्भेयरहरुको संख्यामा समेत वृद्धि भईरहेको छ। आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्म बीमा सर्भेयरको संख्या क्रमशः १८३, २०२, २५३, २७३ र २६२ जना रहेको छ (तालिका-१६)।

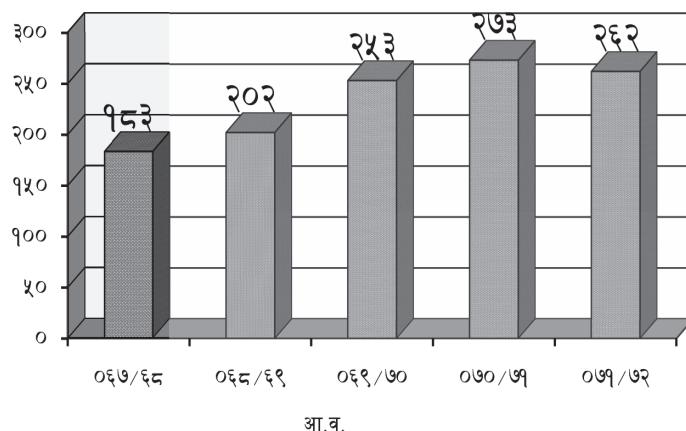
तालिका-१६

बीमा व्यवसायमा संलग्न बीमा सर्भेयरहरुको संख्या

| आ.व. | दर्ता | नवीकरण | जम्मा |
|---------|-------|--------|-------|
| २०६७/६८ | २५ | १५८ | १८३ |
| २०६८/६९ | ३४ | १६८ | २०२ |
| २०६९/७० | ५४ | १९९ | २५३ |
| २०७०/७१ | ५१ | २२२ | २७३ |
| २०७१/७२ | ६७ | १९५ | २६२ |

स्रोत : बीमा समिति

सर्वेयरको संख्या



१२.११. बीमकहरूमा कार्यरत कर्मचारीहरूको संख्या :

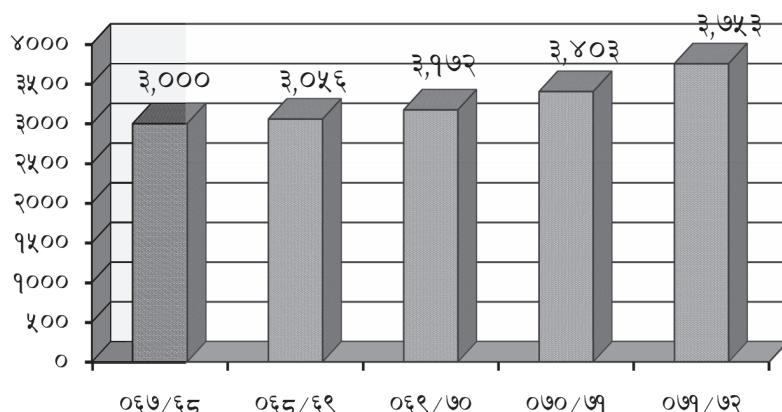
बीमा कम्पनीहरूमा आ.व. २०६७/६८ देखि २०७१/७२ सम्ममा क्रमशः ३,००० जना, ३०५६ जना, ३१७२ जना, ३४०३ जना र ३७५३ जनाले कर्मचारीको रूपमा प्रत्यक्ष रोजगार पाएका छन् (तालिका-१७)।

तालिका-१७

बीमकहरूमा कार्यरत कर्मचारीहरूको संख्या

| आ.व. | संख्या |
|---------|--------|
| २०६७/६८ | ३,००० |
| २०६८/६९ | ३,०५६ |
| २०६९/७० | ३,१७२ |
| २०७०/७१ | ३४०३ |
| २०७१/७२ | ३७५३ |

कर्मचारीको संख्या



१२.१२. बीमकहरुको कार्यालय संख्या :

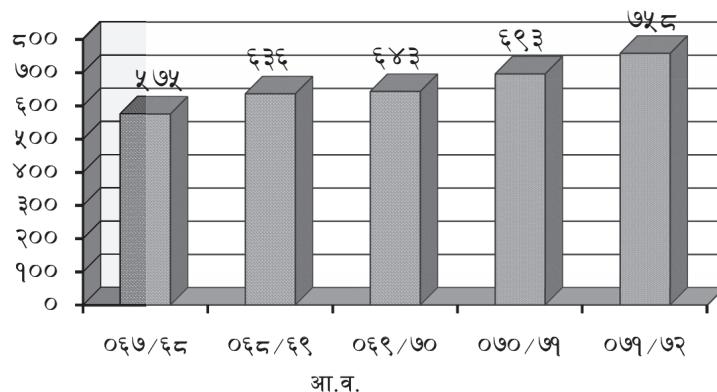
बीमा व्यवसायलाई विकसित गर्ने उद्देश्य अन्तर्गत बीमा कम्पनीहरुले सेवा विस्तारको क्रममा नेपालको विभिन्न ठाउँमा कार्यालयहरु खोल्ने कार्यमा वृद्धि भएको देखिन्छ । आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्म बीमा कम्पनीहरुको कार्यालय संख्या क्रमशः ५७५, ६३६, ६४३, ६९६ र ७५८ वटा रहेको देखिन्छ (तालिका नं.१८) ।

तालिका-१८

बीमकहरुको कार्यालय संख्या

| आ.व. | संख्या |
|---------|--------|
| २०६७/६८ | ५७५ |
| २०६८/६९ | ६३६ |
| २०६९/७० | ६४३ |
| २०७०/७१ | ६९६ |
| २०७१/७२ | ७५८ |

कार्यालयको संख्या



१२.१३. बीमा व्यवसायबाट सरकारलाई प्राप्त कर :

बीमा व्यवसायबाट नेपाल सरकारलाई भुक्तानी भएको संस्थागत तथा अन्य करहरुमा समेत उल्लेख्य रूपमा वृद्धि भइरहेको देखिन्छ । यस क्षेत्रबाट आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा नेपाल सरकारलाई भुक्तानी भएको कर रकम क्रमशः रु.१९० करोड, रु.२७२.२३ करोड, रु.३३९.५० करोड ४२१.४५ करोड र ६२५.२० करोड रहेको छ (तालिका-१९) ।

तालिका-१९

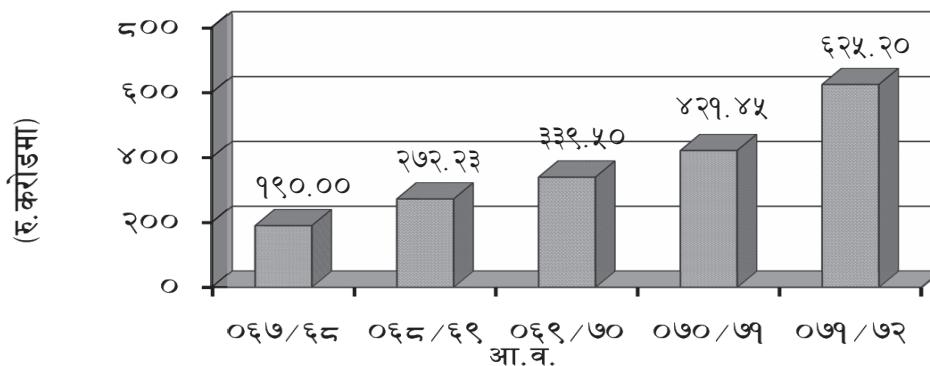
बीमा व्यवसायबाट सरकारलाई प्राप्त कर

| आ.व. | कर भुक्तानी (रु.करोडमा) |
|---------|-------------------------|
| २०६७/६८ | १९०.०० |
| २०६८/६९ | २७२.२३ |
| २०६९/७० | ३३९.५० |
| २०७०/७१ | ४२१.४५ |
| २०७१/७२ | ६२५.२० |

श्री राष्ट्रिय बीमा संस्थानको अनुमानित विवरण समावेस गरिएको ।

आ.व. २०७०/७१ तथा आ.व. २०७१/७२ को विवरणमा नेपाल पुनर्बीमा कं. लि. (साविकको आकस्मिक बीमा कोष) को विवरण पनि समावेस गरिएको ।

नेपाल सरकारलाई प्राप्त कर



१२.१४. दावी भुक्तानी (खुद) :

नेपालको बीमा व्यवसायबाट आ.व. २०७१/७२ मा रु. ९ अर्ब ९१ करोड ९५ लाख दावी भुक्तानी (खुद) भएको छ भने आ.व. २०७०/७१ मा रु. ७ अर्ब ४१ करोड ९५ लाख दावी भुक्तानी (खुद) भएको थियो । यसरी आ.व. २०७०/७१ को तुलनामा आ.व. २०७१/७२ मा दावी भुक्तानीमा (खुद) रु. २ अबै ५० करोड अर्थात् ३३.६९% ले वृद्धि भएको देखिन्छ । आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा खुद दावी भुक्तानीमा क्रमशः ३४.४९%, २३.१२%, ८.४१%, १४.१९% र ३३.६९% ले वृद्धि भएको देखिन्छ ।

आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा जीवन दावी भुक्तानीमा (खुद) क्रमशः २५.०१%, २५.५८%, २९.३१%, ३२.९९% र २३.२९% ले वृद्धि भएको देखिन्छ ।

आ.व. २०६७/६८ देखि आ.व. २०७१/७२ सम्ममा निर्जीवन दावी भुक्तानीमा (खुद) क्रमशः ३९.४२%, २१.९७%, (०.०२)%, २.३२% र ४२.२९% ले वृद्धि भएको देखिन्छ (तालिका-२०) ।

तालिका-२० जीवन तथा निर्जीवन बीमा व्यवसायबाट भएको दावी भुक्तानी (खुद)

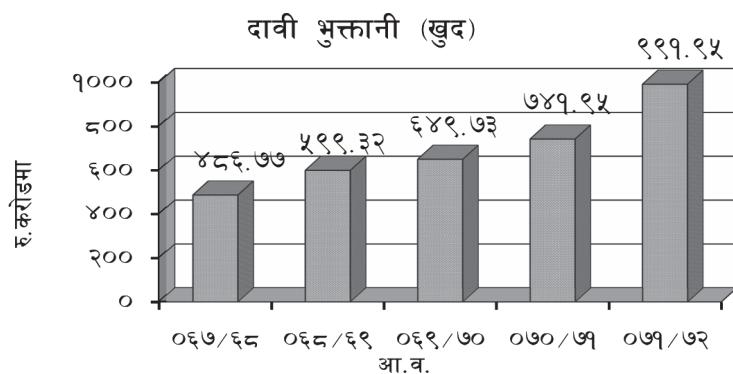
| आर्थिक वर्ष | जीवन दावी भुक्तानी (रु. करोडमा) | अधिल्लो आ.व.को तुलनामा वृद्धि प्रतिशत | निर्जीवन दावी भुक्तानी (रु. करोडमा) | अधिल्लो आ.व.को तुलनामा वृद्धि प्रतिशत | कुल दावी भुक्तानी (रु. करोडमा) | अधिल्लो आ.व.को तुलनामा वृद्धि प्रतिशत |
|-------------|---------------------------------|---------------------------------------|-------------------------------------|---------------------------------------|--------------------------------|---------------------------------------|
| २०६७/६८ | १५४.८४ | २५.०१ | ३३१.९३ | ३९.४२ | ४८६.७७ | ३४.४९ |
| २०६८/६९ | १९४.४५ | २५.५८ | ४०४.८७ | २१.९७ | ५९९.३२ | २३.१२ |
| २०६९/७० | २५१.४४ | २९.३१ | ३९८.२९ | (०.०२) | ६४९.७३ | ८.४१ |
| २०७०/७१ | ३३४.४१ | ३२.९९ | ४०७.५४ | २.३२ | ७४१.९५ | १४.१९ |
| २०७१/७२ | ४१२.३१ | २३.२९ | ५७९.६४ | ४२.२९ | ९९१.९५ | ३३.६९ |

राष्ट्रिय बीमा संस्थानको विवरण प्राप्त नभएको ।

श्रोत : बीमा समिति

आ.व. २०७१/७२ को लेखापरीक्षण नभएको विवरणको आधारमा तयार गरिएको ।

एभरेस्ट इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड को आ.व. २०६९/७० देखि २०७१/७२ सम्मको विवरण प्राप्त नभएको ।



१३. समितिको वार्षिक काम कारवाही :

१३.१. बीमक दर्ता र नवीकरण :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा १० मा बीमक दर्ता सम्बन्धी व्यवस्था गरिएको छ। उक्त ऐनको दफा १० को उपदफा (१) मा यस ऐन बमोजिम प्रमाणपत्र नलिई कसैले पनि बीमा व्यवसाय गर्नु गराउनु हुँदैन भन्ने उल्लेख छ। सोही ऐनको दफा ११ मा बीमक दर्ताको प्रमाणपत्र नवीकरण गर्ने सम्बन्धी प्रावधान तोकेको छ। बीमक दर्ताको प्रमाणपत्र नवीकरणको लागि प्राप्त निवेदनहरु मध्ये आ.व. २०७१/७२ मा श्री राष्ट्रिय बीमा संस्थान, श्री प्राइम लाइफ इ. कं. लि., श्री गुँरास लाइफ इ. कं. लि., श्री एभरेष्ट इन्स्योरेन्स कम्पनी लि. र श्री एन.बी. इन्सुरेन्स कम्पनी लि. श्री राष्ट्रिय बीमा कम्पनी लि. को बाहेक अन्य सम्पूर्ण बीमकहरुको बीमक दर्ता प्रमाणपत्र नवीकरण भएको छ।

१३.२. बीमा सर्भेयर इजाजतपत्र दर्ता तथा नवीकरण :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा २ (३) अनुसार बीमा सर्भेयर भन्नाले “क्षतिग्रस्त सम्पत्तिको आर्थिक मूल्याङ्कन गर्ने, दफा ३० (क) बमोजिम इजाजतपत्र व्यक्ति सम्फन्तु पर्द्द र सो शब्दले एडजष्टर र नोक्सानी मूल्याङ्कन गर्ने व्यक्तिलाई समेत जनाउँछ” भनी बीमा सर्भेयरको परिभाषा दिएको छ। त्यस्तो कार्य गर्नका लागि यस आर्थिक वर्षमा समितिबाट ६७ जना सर्भेयरले नयाँ इजाजतपत्र प्राप्त गरेका छन् भने १९५ जना सर्भेयरले सर्भेयर इजाजतपत्र नवीकरण गराएका छन्। सोही अवधिसम्म कार्यरत बीमा सर्भेयरहरुको संख्या जम्मा २६२ जना रहेको छ।

१३.३. बीमा अभिकर्ता दर्ता तथा नवीकरण :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा २ (ठ) मा “बीमा अभिकर्ता भन्नाले बीमको तलवी कर्मचारी नभई कमिशनको आधारमा बीमकको तर्फबाट काम गर्ने बीमा ऐन, २०४९ को दफा ३० बमोजिम इजाजतपत्र प्राप्त व्यक्ति सम्फन्तु पर्द्द” भनी बीमा अभिकर्ताको परिभाषा दिएको छ। आ.व. २०७१/७२ मा २५,०७२ जना बीमा अभिकर्ताको इजाजतपत्र दर्ता भएको छ भने ५०,५३४ जना बीमा अभिकर्ताले इजाजतपत्र नवीकरण गराएका छन्। बीमा समितिको तथ्याङ्क बमोजिम हाल कूल ७५,६०६ जना बीमा अभिकर्ता कार्यरत रहेका छन्।

१३.४. कानूनी व्यवस्था :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ८(घर२) मा भएको व्यवस्थाले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा व्यवसायको सम्बन्धमा जीवन तथा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुलाई बीमकको वित्तिय विवरण सम्बन्धी निर्देशन तथा पुनर्वीमा निर्देशिका, २०६५ लाई समयानुसार संशोधन गरी परिमार्जित निर्देशिका लागू गरिएको छ।

बीमा समितिको आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी नियमावली, २०६७ र बीमा समिति खरिद विनियमावली, २०६७ लागू भैसकेको अवस्था छ।

१३.८.१. बीमा सेवा शुल्क सर्वबन्धी व्यवस्था :

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ४० को उपदफा (२) बमोजिम बुझाउनु पर्ने बीमा सेवा शुल्क प्रत्येक बीमकले अधिल्लो आ.व.मा बीमा व्यवसायबाट आम्दानी गरेको कूल बीमा शुल्कको एक प्रतिशतका दरले हुन आउने रकमको ४०% रकम असोज मसान्त भित्र, ३०% रकम पौष मसान्त भित्र र बाँकी ३०% रकम चैत्र मसान्त भित्र बुझाउनु पर्ने गरी अवधि तोकिएकोमा चैत्र मसान्तसम्म अधिल्लो वर्षको सेवा शुल्क नबुझाएको अवस्थामा बीमक दर्ता प्रमाणपत्र नवीकरण हुन नसक्ने अवस्था सृजना हुन जाने देखिएकोले आर्थिक वर्ष २०६८/६९ देखि लागू हुने गरी प्रत्येक बीमकले अधिल्लो आ.व.मा बीमा व्यवसायबाट आम्दानी गरेको कूल बीमा शुल्कको एक प्रतिशतका दरले हुन आउने रकमको ५०% रकम असोज मसान्त भित्र र ५०% रकम पौष मसान्त भित्र भुक्तानी गर्न बीमकहरुलाई निर्देशन दिएको छ। साथै तोकिएको अवधि भित्र बीमकले सेवा शुल्क नबुझाएमा बुझाउनु पर्ने रकममा १०% थप विलम्ब दस्तुर समेत बुझाउनु पर्ने व्यवस्था गरिएको छ।

१३.८.२. बीमकको संस्थागत सुशासन सर्वबन्धी निर्देशिका, २०६९

बीमा ऐन, २०४९ को दफा ८ को खण्ड (घरू) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले मिति २०६९/१०५/०१ मा “बीमकको संस्थागत सुशासन सम्बन्धी निर्देशिका, २०६९” लागू गरेको छ। जसमा बीमकहरुको संचालक समितिको गठन सम्बन्धी व्यवस्था, संचालकको आचरण सम्बन्धी व्यवस्था, आन्तरिक नियन्त्रण सम्बन्धी व्यवस्था, कार्यकारी प्रमुख र विभागीय प्रमुखको योग्यता तथा अनुभन सम्बन्धी व्यवस्था, संगठनात्मक सरचना बमोजिमको कर्मचारीहरुको व्यवस्था, लेखा परीक्षण सम्बन्धी व्यवस्था र आफ्नो बीमा आफै गर्न नपाउने व्यवस्था उल्लेखनीय रहेको छ। हाल बीमकको संस्थागत सुशासन सम्बन्धी निर्देशिका, २०६९ लाई समय सापेक्ष परिमार्जन गर्न उप-समिति गठन गरी प्रतिवेदन पेश गरिएको छ।

१३.८.३. लघु बीमा निर्देशिका, २०७१

समितिबाट लघु बीमा निर्देशिका २०७१ तयार गरि मिति २०७१ भाद्र २६ गते देखि लागू हुने गरी यो निर्देशिका जारी गरिएको छ। यो निर्देशिका बमोजिम प्रत्येक बीमकले न्यून आय भएको वर्ग तथा पिछडिएको क्षेत्रमा लक्षित गरी लघु बीमा व्यवसाय सञ्चालन गर्नु पर्दछ। यो निर्देशिका बमोजिम बीमकले लघु जीवन बीमा व्यवसाय, लघु निर्जीवन बीमा व्यवसाय र समितिले तोकिदिएको अन्य लघुबीमा व्यवसाय गर्न सक्ने प्रावधान रहेको छ। यो निर्देशिका बमोजिम प्रत्येक बीमकले समितिले तोके बमोजिम लघु बीमा व्यवसाय गर्नु पर्दछ।

१३.८.४. बाली तथा पशुपंछी बीमा निर्देशन, २०६९

बीमा ऐन २०४९ को दफा ८को खण्ड (घरू) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले मिति २०६९/१०१/०१ मा “बाली तथा पशुपंछी बीमा निर्देशन, २०६९” लागू गरेको छ। जसमा बाली बीमा व्यवसाय, पशु बीमा व्यवसाय र पन्छी बीमा व्यवसाय सम्बन्धी आवश्यक नियम तथा प्रकृयाहरुको वारेमा उल्लेख गरिएको छ। जस अनुसार बाली बीमामा प्रत्येक कृषकले सुरक्षण गर्न पाउने बालीको न्यूनतम क्षेत्रफल पहाडमा आधा रोपनी (आठ आना) र तराईमा एक कट्टा हुनु पर्ने व्यवस्था गरेको छ। पशु बीमामा अधिकतम बीमाङ्ग सीमा उन्नत गाईको रु. १ लाख ५० हजार र स्थानीय गाईको रु. ५० हजार, उन्नत भैंसीको रु. १ लाख २५ हजार र स्थानीय भैंसीको रु. ७० हजार र नाक/चौरीको रु. ८० हजार बीमाङ्ग सीमा निर्धारण गरिएको छ। साथै मासुको लागि पालिएका भेडा, बाखा तथा बंगुरको अधिकतम रु. ८ हजार र पाठा पाठी उत्पादनका लागि पालिएका भेडा, बाखा तथा बंगुरको रु. १० हजार बीमाङ्ग कायम गरिएको छ। पन्छी बीमामा मासु, चल्ला र अण्डाको लागि पालिने हाँस र कुखुराको अधिकतम मूल्य रु. १२ सय कायम गरिएको छ।

१३.८.५ बाली तथा पशुपंछी बीमा कारोबारको बिवरण :

बाली तथा पशुपंछी बीमा कार्यक्रम अन्तर्गत आ.व. २०७१/७२ मा बीमकहरुले जम्मा बीमाङ्ग रु. ३,०८,०६,८०,८९५ बरावरको बाली, पशु, पन्छी तथा माछाको बीमा गरेको र सो वापत जम्मा बीमाशुल्क (मूल्य अभिवृद्धि कर सहित) रु. १४,२१,२८,९५४ प्राप्त भएकोमा नेपाल सरकारको ७५% अनुदान दिने योजना अनुरूप जम्मा रकम रु. १२,०२,७६,१३४ अनुदान बीमाशुल्क स्वरूप प्राप्त भएको छ।

बाली तथा पशुपंछी बीमा अन्तर्गत बाली बीमाको बीमाङ्क रु.१४,६९,५५,००९, पशु बीमाको बीमाङ्क रु.२,४७,१५,४७,०६९, माछा बीमाको बीमाङ्क रु.१६,८२,३३,६८७ र पन्छी बीमाको बीमाङ्क रु.२९,३९,४५,१३८.३४ बरावरको बीमा भएको छ। सोही बमोजिम क्रमशः बाली बीमामा बीमा शुल्क रु.७३,४१,८०४, पशु बीमामा बीमा शुल्क रु.१२,१३,४२,२६५, माछा बीमामा बीमा शुल्क रु.३०,१२,५१९ र पन्छी बीमामा बीमा शुल्क रु.१,०४,३२,३६५ प्राप्त भएको छ।

बाली तथा पशुपंछी बीमा अन्तर्गत आ.व. २०७१/०७२ को अवधिमा बीमकहरुबाट बाली बीमा अन्तर्गत रु.१७,४१,४८२, पशु बीमा अन्तर्गत रु.५,१४,२८,५९१, माछा बीमा अन्तर्गत रु.१,२९,८९८ र पन्छी बीमा अन्तर्गत रु.३,५८,२०८ बीमा दावी भुक्तानी भएको देखिन्छ। उल्लेखित विवरणहरुलाई देहाय बमोजिमको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ (तालीका-२१)।

तालीका-२१

आ.व. २०७१/०७२ मा भएको बाली तथा पशुपंछी बीमा कारोबारको विवरण

| बीमाको क्रिसम | बीमाङ्क (रु.) | जम्मा बीमाशुल्क (रु.) | नेपाल सरकारबाट अनुदान प्राप्त (रु.) | बीमीतले भुक्तानी गर्नु पर्ने बीमाशुल्क (रु.) | बीमा दावी भुक्तानी रकम (रु.) |
|---------------|----------------|-----------------------|-------------------------------------|--|------------------------------|
| बाली बीमा | १४,६९,५५,००९ | ७३,४१,८०४ | ५५,०६,३५३ | १८,३५,४५१ | १७,४१,४८२ |
| पशु बीमा | २,४७,१५,४७,०६९ | १२,१३,४२,२६५ | ९,१०,०६,६९९ | ३,०३,३५,५६६ | ५,१४,२८,५९१ |
| माछा बीमा | १६,८२,३३,६८७ | ३०,१२,५१९ | २२,५९,३८९ | ७,५३,१३० | १,२९,८९८ |
| पन्छी बीमा | २९,३९,४५,१३८ | १,०४,३२,३६५ | ७८,२४,२७४ | २६,०८,०९१ | ३,५८,२०८ |
| कूल | ३,०६,०६,८०,८९५ | १४,२१,२८,९५३ | १०,६५,९६,७९५ | ३,३५,३२,२३८ | ६१,६५०,१७९ |

१३.४.८.२ बाली तथा पशुपंछी बीमा व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गर्नको लागि छनौट भएका जिल्लाहरू :

बाली तथा पशुपंछी बीमा निर्देशन, २०६९ (लघु बीमा निर्देशन) बमोजिम बाली तथा पशुपंछी बीमा व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गर्नको लागि प्रत्येक बीमकले सम्बन्धित क्षेत्र लक्षित गरी सो बीमा व्यवसाय सञ्चालन गर्नु पर्ने प्रावधान रहेको छ। साथै समितिबाट विभिन्न मितिमा बीमकलाई दिएको निर्देशन बमोजिम बीमकहरुले देहाय बमोजिमको क्षेत्रमा शाखा/उपशाखा/सम्पर्क कार्यालय खोली बीमा व्यवसाय संचालन गर्नुपर्ने देखिन्छ (तालीका-२२)।

तालीका-२२

१३.४.८.२ बाली तथा पशुपंछी बीमा व्यवसायलाई प्रवर्द्धन गर्नको लागि छनौट भएका जिल्लाहरू :

| क्र. सं. | छनौट भएका बीमा कम्पनीहरु | छनौट भएका जिल्लाहरु | | | | | जिल्ला संख्या |
|----------|------------------------------|---------------------|---------|----------|----------|-----------|---------------|
| १ | श्री नेपाल इ.कं.लि. | दार्चुला | बैतडी | डडेलधुरा | कञ्चनपुर | | ४ |
| २ | श्री राष्ट्रिय बीमा कं.लि. | बझाङ्ग | डोटी | कैलाली | | | ३ |
| ३ | श्री यूनाइटेड इ.क. (ने.) लि. | हुम्ला | बाजुरा | अछाम | | | ३ |
| ४ | श्री एभरेष्ट इ. क. लि. | कालिकोट | दैलेख | सुर्खेत | बर्दिया | | ४ |
| ५ | श्री सगरमाथा इ.कं.लि. | मुगु | जाजरकोट | जुम्ला | | | ३ |
| ६ | श्री एनएलजी इ.कं.लि. | डोल्पा | रुकुम | सल्यान | बाँके | | ४ |
| ७ | श्री प्रभु इ.लि. | मुस्ताङ्ग | म्यारदी | बाग्लुङ | गुल्मी | स्याङ्गजा | ५ |
| ८ | श्री सिद्धार्थ इ. लि. | मनाङ | कास्की | पर्वत | पाल्पा | रुपन्देही | ५ |
| ९ | श्री प्रुडेन्सियल इ.क.लि. | गोरखा | लमजुङ | तनहुँ | नवलपरासी | | ४ |

| | | | | | | | |
|--------------|-------------------------------|---------------|----------------|----------|------------|-----------|-----------|
| १० | श्री शिखर इ. क. लि. | चितवन | मकवानपुर | धादिङ्ग | नुवाकोट | रसुवा | ५ |
| ११ | श्री हिमालयन ज. इ.क.लि. | सिन्धुपाल्चोक | काभ्रेपलाञ्चोक | ललितपुर | पर्सा | बारा | ५ |
| १२ | श्री प्रिमियर इ.क.(नेपाल) लि. | दोलखा | रामेछाप | सिन्धुली | सलाही | रौतहट | ५ |
| १३ | श्री एन.वि. इ.क.लि. | सोलुखुम्बु | ओखलढुङ्गा | महोत्तरी | धनुषा | | ४ |
| १४ | श्री लुम्बिनी ज. इ. क. लि. | संखुवासभा | भोजपुर | खोटाङ्ग | उदयपुर | सिरहा | ५ |
| १५ | श्री नेको इ. लि. | ताप्ले जुङ्ग | पाँचथर | इलाम | भापा | मोरङ्ग | ५ |
| १६ | श्री दि ओरिएण्टल इ.क. लि. | धनकुटा | सुनसरी | तेह्रथुम | सप्तरी | | ४ |
| १७ | श्री नेशनल इ.क.लि. | रोल्पा | प्युठान | दाङ्ग | अर्घाखाँची | कपिलवस्तु | ५ |
| जम्मा | | | | | | | ७३ |

१३.८.५. सम्पत्ति शुद्धिकरण तथा आंतककारी कृयाकलापमा वित्तीय लगानी निवारण निर्देशिका, २०६९ :

बीमा ऐन २०४९ को दफा ८ को खण्ड (घरू) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले मिति २०६९।१०।०८ मा “सम्पत्ति शुद्धिकरण तथा आंतककारी कृयाकलापमा वित्तीय लगानी निवारण निर्देशिका, २०६९” अनुमोदन गरेको छ। यस निर्देशिका बमोजिम बीमकले ग्राहकको स्पष्ट पहिचान (Customer Due Deligince) कायम गरी सोको विवरण राख्नु पर्ने, शंकास्पद कारोबारको विवरण पठाउनु पर्ने, आतङ्ककारीको पहिचान, कारोबारमा नियन्त्रण र सूचना सम्पत्ति शुद्धिकरण (मनी लाउण्डरिङ्ग) निवारण ऐन, नियम तथा यस निर्देशनको अधीनमा रही सम्पत्ति शुद्धिकरण निवारण सम्बन्धमा आवश्यक निर्देशिका बनाई लागू गरी सोको प्रतिलिपि सहितको जानकारी वित्तीय जानकारी इकाईलाई पठाउनु पर्ने तथा बीमकसँग कुनै पनि व्यक्ति वा संस्थाले निर्जीवन बीमा तर्फ एक वर्षमा तीन लाख वा जीवन बीमा तर्फ एक वर्षमा एक लाख रूपैयाँ वा सो भन्दा बढी रकम प्रिमियम तिर्नु पर्ने गरी कुनै बीमा पोलिसि खरिद गरेमा सोको विवरण तोकिए बमोजिमको ढाँचामा त्यस्तो कारोबार भएको मितिले तोकिएको समयमा वित्तीय जानकारी इकाइमा पेश गर्नु पर्ने आदि व्यवस्था गरिएको छ।

१३.८.६. बीमा क्षेत्रको विकास रणनिति योजना :

बीमा क्षेत्रको पञ्चवर्षीय विकास रणनिति योजना २०१४-१९ मिति २०७१ कार्तिक २४ गते देखि लागु हुने गरी समितिले पारित गरेको छ। नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हकहित संरक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपाली अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुऱ्याउन समितिसंग उपलब्ध मानव संसाधन, भौतिक साधन र व्यवस्थापकीय क्षमता तथा समितिबाट सम्पादन हुँदै आएका कार्यहरू समेतलाई ध्यानमा राखी बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न २०१४ देखि २०१९ का लागि उक्त रणनीतिक योजना तयार गरी लागू गरिएको छ।

१३.८.७. बीमा समिति बजेट निर्देशिका, २०६९ :

समितिले मिति २०६९।०४।०१ देखि “बीमा समिति बजेट निर्देशिका, २०६९” लागू गरेको छ। जसमा बीमा समितिको आर्थिक पारदर्शिता, मितव्यीता, आर्थिक नियमितता सम्बन्धी आवश्यक व्यवस्था गरिएको छ।

१३.८.८. समितिको लेखा दिग्दर्शन (स्थानुअल) २०७२ :

समितिको हिसाब किताबको तथा श्रेस्ता को लेखा थप गुणस्तर तथा विश्वसनीय बनाउनको लागि लेखा दिग्दर्शन (स्थानुअल) २०७२ को अन्तिम मसौदा तयार भइ स्वीकृतिको लागि पेश गर्ने अन्तिम चरणमा पुगेको अवस्था छ।

१३.८.९. बीमा समितिका कर्मचारीको आचार संहिता, २०६९ :

समितिले मिति २०६९।१।२।१६ देखि “बीमा समितिका कर्मचारीको आचार संहिता, २०६९” लागू गरेको छ। जसमा कर्मचारीको काम कारवाहीलाई पारदर्शी तथा चुस्त दुरुस्त बनाउन, कर्मचारीमा जवाफदेहीता र कानूनको परिपालना गराउन, अनुशासनको पालना गराउन, कर्मचारीको कार्य आचरणमा विकास गर्न र कर्मचारीको काम कारवाहीलाई नियन्त्रण गर्न आवश्यक आचार संहिताको व्यवस्था गरिएको छ।

१३.८.१०. बीमा समिति तालिम सम्बन्धी कार्यविधि, २०७२ :

समितिबाट २०७१ साल देखि लागू हुने गरी बीमा समिति तालिम सम्बन्धी कार्यविधि, २०७२ सञ्चालनमा रहेको छ। बीमा ऐन, २०४९ को दफा ८ (च) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा व्यवसायको विकासको लागि समय सापेक्ष दक्ष जनशक्ति तयार गर्न समितिद्वारा सञ्चालन गरिने विभिन्न तालिम कार्यक्रमहरूलाई व्यवस्थित, गुणस्तरीय र नियमित बनाउन बीमा नियमावलीको नियम २१ को उपनियम (ख) को प्रयोजनको लागि बीमा समितिले यो कार्यविधि बनाएको हो। यो कार्यविधि बमोजिम समितिबाट प्रत्येक आर्थिक बर्षमा सञ्चालन गरिने तालिमहरूको विस्तृत योजना र तालिका सहितको वार्षिक कार्यक्रम तयार गर्नु पर्नेछ। यस कार्यविधिमा समितिले सञ्चालन गर्ने सबै प्रकारका तालिम कार्यक्रमहरूको तयारी लगायत तालिम कार्यक्रम सम्बन्धी कार्य सञ्चालन गर्नका लागि एउटा तालिम उपसमिति गठन गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ। उक्त कार्यविधिमा प्रशिक्षार्थी तथा प्रशिक्षकको तोकिए बमोजिमको योग्यता समेत हुनुपर्ने व्यवस्था रहेको छ।

१३.८.११. समितिको लगानी नीति, २०७१ :

बीमा समितिको कोषबाट वचत भएको रकम लाई सुरक्षित तथा उच्च प्रतिफल हुने गरी लगानी गर्नको लागि समितिको लगानी नीति २०७१ तयार गरिएको छ। उक्त नीतिमा समितिले लगानी गर्न योग्य रकमलाई लगानी गर्न सक्ने क्षेत्र तथा अधिकतम सिमा समेत उल्लेख गरिएको छ। उक्त लगानी नीति बमोजिम समितिले लगानी गर्न योग्य रकमलाई विभिन्न वाणिज्य बैंक तथा विकास बैंकको मुद्रती निक्षेपमा लगानी गर्दै आएको छ। आ. व. २०७१।७२ को अन्त्यमा बीमा समितिको लगानी रकम रु. ९७ करोड रहेको छ।

१३.८.१२. बीमक गाभ्ने वा गाभिने सम्बन्धी निर्देशिका, २०७० :

बीमा ऐन २०४९ को दफा ८ को खण्ड (घ२) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले मिति २०७०।१।०।१ देखि “बीमक गाभ्ने वा गाभिने सम्बन्धी निर्देशिका, २०७०” लागू गरेको छ। जसमा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकले जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने अर्को बीमक तथा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकले निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने अर्को बीमकसंग एक आपसमा गाभ्ने वा गाभिन सक्ने व्यवस्था रहेको छ।

यस निर्देशिका बमोजिम बीमक एक आपसमा गाभिन्दा आवश्यकतानुसार छुट प्रदान गर्न सकिने व्यवस्थाको उल्लेख भएको छ। उदाहरणको लागि बीमक गाभ्ने तथा गाभीने कार्य गर्दा गाभ्ने बीमकको न्यूनतम चुक्ता पूँजी अपुग हुन गएमा समितिले १ वर्षको समयावधि थप गर्न सक्ने, गाभ्ने बीमकको गाभिए पश्चातको लगानी समितीबाट जारि गरिएको लगानी सम्बन्धी निर्देशिकामा उल्लेख भएको सिमा बमोजिम नभएमा, सो लगानीलाई तोकिएको सिमा भित्र ल्याउन १ वर्षसम्मको समयावधि थप गर्न सक्ने गाभ्ने र गाभिने बीमक गाभिएकै कारणले, गाभिए पश्चात बनेको गाभ्ने बीमकको शेयर संरचनामा कुनै एक व्यक्ति, समूह वा संस्थाको नाममा चुक्ता पूँजीको १५ प्रतिशत भन्दा बढि शेयर पर्न गएमा, सो शेयरलाई १५ प्रतिशतको सिमा भित्र ल्याउनका लागि २ वर्ष सम्मको समयावधि थप गर्न सक्ने, गाभ्ने र गाभिने बीमकको गाभिएकै कारणले व्यवस्थापन खर्च समितिले तोकेको सिमा भन्दा बढि भएको खण्डमा समितिले आवश्यक छुट दिन सक्ने, गाभ्ने तथा गाभीने कार्य गर्दा बीमाझीबाट भएको बीमकको दायित्वको पुनर्मुल्यांकनले गाभ्ने बीमकको गाभिए पश्चातको जगेडा कोषको व्यवस्थाको रकम बीमा नियमावली २०४९ को नियम १५ बमोजिम अपुग हुन गएमा तोकिए बमोजिमको रकम जगेडाकोषमा जम्मा गर्नका लागि

१ वर्षसम्मको समयावधि थप गर्न सक्ने तथा गाभ्ने र गाभिने कार्यलाई प्रोत्साहन दिन कर सम्बन्धी छुट तथा नेपाल सरकारबाट हुन सक्ने अन्य छुटका लागि समितिले नेपाल सरकार समक्ष आवश्यक सिफारिस गरिदिन सक्ने व्यवस्था समेत रहेको छ ।

साथै नेपाल सरकारले बीमकहरु गाभ्ने तथा गाभिने कार्यलाई महत्व दिई आर्थिक वर्ष २०७२/७३ को बजेट मार्फत समेत बीमा कम्पनीहरुलाई एक आपसमा गाभ्ने र गाभिन प्रोत्साहित गर्ने निती सार्वजनिक गरेको छ ।

१३.८.१३. जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकको सोल्मेन्सी मार्जिन निर्देशिका, २०७० :

बीमा ऐन २०४९ को दफा ८ को खण्ड (घरू) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले मिति २०७०/०४/०१ मा “जीवन बीमा गर्ने बीमकको सोल्मेन्सी मार्जिन निर्देशिका, २०७०” लागू गरेको छ । यस निर्देशिकामा अन्य प्रावधानहरुको साथै बीमकहरुको सोल्मेन्सी अनुपात न्यूनतम १.५ हुनुपर्ने प्रावधान रहेको छ । यस निर्देशिकाको दृष्टिकोणबाट सोल्मेन्सी अनुपात जति बढि भयो बीमक त्यति नै बढि राम्रो (सोल्मेन्ट) मानिन्छ ।

१३.८.१४. निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकको सोल्मेन्सी मार्जिन निर्देशिका, २०७१ :

बीमा ऐन २०४९ को दफा ८ को खण्ड (घरू) ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी बीमा समितिले “निर्जीवन बीमा गर्ने बीमकको लागि सोल्मेन्सी मार्जिन निर्देशिका, २०७१” लागू गरेको छ । उक्त निर्देशिकामा अन्य प्रावधानहरुको साथै बीमकहरुको सोल्मेन्सी अनुपात न्यूनतम १.५ हुनुपर्ने प्रावधान रहेको छ । यस निर्देशिकाको दृष्टिकोणबाट सोल्मेन्सी अनुपात जति बढि भयो बीमक त्यति नै बढि राम्रो (सोल्मेन्ट) मानिन्छ ।

१३.८.१५. बीमकको लगानी निर्देशिका :

बीमकको लगानी योग्य रकमलाई सुरक्षित तथा उच्च प्रतिफल हुने गरी लगानी गर्नको लागि समितिबाट विगत वर्षहरुमा लागू गरेको लगानी निर्देशिका समय सापेक्ष परिमार्जन गरी जीवन तथा निर्जीवन बीमकको लगानी निर्देशिका २०७१ जारी गरिसकेको अवस्था छ । उक्त लगानी निर्देशिकामा बीमकले लगानी गर्न योग्य रकमलाई लगानी गर्न सक्ने क्षेत्र तथा अधिकतम सिमा समेत तोकिएको छ । उदाहरणको लागि बीमकहरुले विभिन्न बाणिज्य बैंक, विकास बैंकको तथा वित्तीय संस्थाको मुद्राती निक्षेप लगायतमा लगानी गर्नुपर्ने र तोकिएको प्रतिशतमा लगानी गर्नुपर्ने व्यवस्था छ । यो निर्देशिका सगै बीमकहरुको मौज्दात रकम थप सुरक्षित भई बीमितको हक हितको समेत सुरक्षा हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

१३.८.१६. बीमकको आन्तरीक लेखापरीक्षण सम्बन्धी निर्देशिका २०७२ :

समितिले बीमकको आन्तरीक लेखापरीक्षण सम्बन्धी निर्देशिका, २०७२ तयार गरी लागू गरेको अवस्था छ । यो निर्देशिका आ.व. २०७२/७३ देखि जीवन तथा निर्जीवन सबै बीमा कम्पनीहरुमा लागू हुनेछ । यस निर्देशिकामा बीमकको लेखापरीक्षण समिति हुनुपर्ने र उक्त समितिका सदस्यहरुको योग्यता तथा अयोग्यताको साथै सो समितिको काम, कर्तव्य तथा अधिकार समेत तोकिएको छ । यस निर्देशिकामा बीमकहरुको आन्तरीक लेखापरीक्षण बीमकका कर्मचारीहरु बाट गर्न नपाइने व्यवस्था गरिएको छ । यसको लागि बीमकहरुले आन्तरीक लेखापरीक्षण गर्नको लागि लेखापरीक्षण गर्ने चार्टड एकाउन्टेन्स संस्था (आन्तरीक लेखापरीक्षक) लाई अनिवार्य रूपमा नियुक्ति गर्नुपर्ने व्यवस्था रहेको छ । उक्त निर्देशिका बमोजिम आन्तरीक लेखापरीक्षकबाट एक आ.ब.मा बीमकका सबै शाखाहरुको समेत अनिवार्य रूपमा आन्तरीक लेखापरीक्षण हुनुपर्दछ ।

१३.८.१७. पुनर्वीमा व्यवसाय सञ्चालन निर्देशिका, २०७१ :

समितिबाट २०७१ देखि लागू हुने गरी पुनर्वीमा व्यवसाय सञ्चालन निर्देशिका, २०७१ जारी गरिएको छ । यस निर्देशिकामा बीमा ऐन, २०४९ बमोजिम स्थापित पुनर्वीमा व्यवसाय गर्ने पुनर्वीमकले नेपाल भित्र जारी भएका बीमालेखबाट सृजित

दायित्वको अंश ब्यहोर्ने गरी पुनर्बीमा व्यवसाय गर्न तथा त्यस्तो पुनर्बीमकले आफूले पुनर्बीमा व्यवस्था अन्तर्गत ग्रहण गरेको दायित्वको पुनर्बीमा (रेट्रोसेशन) गराउन सक्ने व्यवस्था रहेको छ। उल्लेखित व्यवसायको अतिरिक्त पुनर्बीमकले बिदेशी बीमकले बिदेशी मुलुकमा जारी गरेका बीमालेख अन्तर्गतको दायित्वको पुनर्बीमा ग्रहण गर्न तथा बिदेशी पुनर्बीमकले पुनर्बीमा व्यवसाय अन्तर्गत ग्रहण गरेको दायित्व ब्यहोर्ने गरी बिदेशी बीमक तथा पुनर्बीमकबाट दायित्व ग्रहण गर्न समेत सक्ने व्यवस्था रहेको छ। साथै पुनर्बीमकले नेपाल भित्र जारी हुने बीमालेख अन्तर्गत उत्पन्न हुने दायित्वको अधिकतम ३० (तीस) प्रतिशत सम्म प्रत्यक्ष बीमाको हिस्सा (Direct Cession) लिई व्यवसाय गर्न सक्नेछ।

१४. बीमा कम्पनीको सुपरिवेक्षण :

मुलुकमा सञ्चालनमा रहेका बीमा कम्पनीहरुको स्थलगत निरीक्षण गर्ने कार्य प्रत्येक वर्ष अगाडि बढाउनुका साथै, यस वर्ष पनि सोही कार्यलाई प्राथमिकताका साथ निरन्तरता दिइएको छ। स्थलगत निरीक्षण गरी बीमा कम्पनीमा देखिएको कमी कमजोरीलाई सुधार गराउने र प्राप्त विवरणको आधारमा बीमकहरुको मूल्याङ्कन गर्ने कार्य हुन थालेको अवस्था छ। आ.व. २०७१/७२ मा बीमा कम्पनीहरुको, १ वटा स्थलगत तथा ९ वटा आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण/छानवीन गर्ने कार्य सम्पन्न भएको छ। जसको विवरण तालिका - २३ मा उल्लेख गरिएको छ।

तालिका-२३

बीमा समितिबाट आ.व.२०७१।७२ मा बीमकहरुको निरीक्षण कार्य गरिएको विवरण

| क्र सं. | बीमकको नाम | विवरण | प्रतिवेदन पेश मिति |
|---------|--|-------------------------|--------------------|
| १. | श्री शिखर इन्स्योरेन्स कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।०५।३१ |
| २. | श्री नेपाल इन्स्योरेन्स कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।०६।२९ |
| ३. | श्री राष्ट्रिय बीमा कम्पनी लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।०८।०९ |
| ४. | श्री नेपाल लाइफ इ.कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।०९।२० |
| ५. | श्री नेपाल लाइफ इ.कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।०९।२१ |
| ६. | श्री नेशनल इन्स्योरेन्स कं.लि. | स्थलगत निरीक्षण | २०७१।१।२२९ |
| ७. | श्री लुम्बिनी जनरल इन्स्योरेन्स कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।१।२।२३ |
| ८. | श्री नेको इ.कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७१।१।२।२६ |
| ९. | श्री एनएलजी इन्स्योरेन्स कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७२।०।२०७ |
| १०. | श्री सूर्या लाइफ इन्स्योरेन्स कं.लि. | आकस्मिक स्थलगत निरीक्षण | २०७२।०।२५ |

१५. बीमकहरुको वित्तीय विवरण स्वीकृती :

बीमकहरुको वासलात तथा वित्तीय विवरणहरुको नियमित गैर-स्थलगत अनुगमन गर्नुका साथै यस समितिबाट जारी गरिएका नीति निर्देशनहरुको पालना भए नभएको सम्बन्धमा आवश्यक निरीक्षण गरी पालना नभएको अवस्थामा बीमकलाई सचेत गराईएको अवस्था छ। बीमकहरुले वार्षिक साधारण सभा हुनु भन्दा अगावै, वित्तीय विवरण प्रकाशित गर्न समितिबाट स्वीकृति दिने कार्यलाई निरन्तरता दिइएको छ। आर्थिक वर्ष २०७१।७२ मा बीमकहरुको आ.व. २०७०।७१ को वित्तीय विवरण पेश हुने र ठीक भएमा समितिबाट स्वीकृति दिने गरिन्छ।

१५.१. जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको वित्तीय विवरण स्वीकृती :

जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुबाट समितिमा पेश भएका तथा समितिबाट स्वीकृती प्रदान गरिएका वित्तीय विवरणहरुको अवस्था देहाय बमोजिम रहेको छ (तालिका-२४)।

तालिका-२४

जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको आ.ब. २०७१/७२ मा पेश तथा स्वीकृत भएका वित्तीय विवरणहरुको अवस्था

| सि.नं. | बीमको नाम | आ.ब. २०७१/७२ मा पेश भएको वित्तीय विवरण | | | |
|--------|---|--|------------------------------------|-----------------|-----------|
| | | स्वीकृत भएको | सैद्धान्तिक स्वीकृती प्रदान गरिएको | प्रकृयामा रहेको | पेश नभएको |
| १ | राष्ट्रिय बीमा संस्थान | | | | पेश नभएको |
| २ | नेशनल लाइफ इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | | |
| ३ | नेपाल लाइफ इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | | |
| ४ | लाइफ इन्स्योरेन्स कर्पोरेशन (नेपाल) लि. | स्वीकृत भएको | | | |
| ५ | मेट लाइफ (ALICO) | | सैद्धान्तिक स्वीकृती प्रदान गरिएको | | |
| ६ | एशियन लाइफ इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | | |
| ७ | सूर्या लाइफ इ.क.लि. * | | | प्रकृयामा रहेको | |
| ८ | गुराँस लाइफ इ.क.लि. * | | | प्रकृयामा रहेको | |
| ९ | प्राइम लाइफ इ.क.लि. | | सैद्धान्तिक स्वीकृती प्रदान गरिएको | | |

*आ. ब. २०७१ /७२ मा प्रकृयामा रहेकोमा हाल सैद्धान्तिक स्वीकृती प्रदान गरिएको ।

१५.२. निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको वित्तीय विवरण स्वीकृती :

निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुबाट समितिमा पेश भएका तथा समितिबाट स्वीकृती प्रदान गरिएका वित्तीय विवरणहरुको अवस्था देहाय बमोजिम रहेको छ (तालिका-२५) ।

तालिका-२५

निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको आ.ब. २०७१/७२ मा पेश तथा स्वीकृत भएका वित्तीय विवरणहरुको अवस्था

| सि.नं. | बीमको नाम | आ.ब. २०७१/७२ मा पेश भएको वित्तीय विवरण | | |
|--------|---------------------------|--|-----------------|-----------|
| | | स्वीकृत भएको | प्रकृयामा रहेको | पेश नभएको |
| १ | नेपाल इन्स्योरेन्स क.लि. | | प्रकृयामा रहेको | |
| २ | दि ओरिएण्टल इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ३ | नेशनल इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ४ | हिमालयन जनरल इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ५ | यूनाइटेड इ.क. (नेपाल) लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ६ | प्रिमियर इ.क. (नेपाल) लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ७ | एभरेष्ट इ.क.लि. | | | पेश नभएको |
| ८ | नेको इन्सुरेन्स लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ९ | सगरमाथा इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| १० | प्रभु इन्स्योरेन्स लि. | स्वीकृत भएको | | |
| ११ | एन.बी इन्सुरेन्स क.लि. | | | पेश नभएको |
| १२ | प्रुडेन्सियल इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |

| | | | | |
|----|----------------------------|--------------|--|-----------|
| १३ | शिखर इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| १४ | लुम्बिनी जनरल इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| १५ | एनएलजी इ.क.लि. | स्वीकृत भएको | | |
| १६ | सिद्धार्थ इन्स्योरेन्स लि. | स्वीकृत भएको | | |
| १७ | राष्ट्रिय बीमा कम्पनी लि. | | | पेश नभएको |

समितिबाट वित्तिय विवरण प्रकाशित गर्न स्वीकृति प्रदान गर्दै बीमकहरुको स्थलगत निरिक्षण तथा गैर स्थलगत निरिक्षण सुपरिवेक्षणका क्रममा देखिएका कैफियत लगायत वाह्य लेखा परिक्षकले औल्याएका कैफियत सुधार गर्न त्यस्ता कैफियतहरु पूँः दोहोरिन नदिन बीमकहरुलाई निर्देशन जारी गरिएको छ। बीमा समितिबाट गरिएको बीमकहरुको समष्टिगत, विशेष तथा आकस्मिक स्थलगत निरिक्षण तथा गैरस्थलगत निरीक्षण तथा अनुगमनका आधारमा तयार गरिएको प्रतिवेदनहरुमा उल्लेख गरिएका कैफियत र तत्सम्बन्धमा जारी गरिएका निर्देशनहरु पालना भए नभएको कार्यको अनुगमन कार्यलाई निरन्तरता दिने गरिएको छ।

बीमा क्षेत्रको अन्तर्राष्ट्रिय नियमनकारी निकाय (International Association of Insurance Supervisors) ले प्रतिपादित गरेको Insurance Core Principles (ICP) लाई समय सापेक्ष अनुसार अनुसरण गर्दै जाने नीति लिएको छ। बीमकहरुको वित्तिय अवस्था सक्षम बनाउन क्याखिभलअथ :बचनष्ट पर्याप्त हुनुपर्ने अवधारण बमोजिम बीमको चुक्ता पूँजी बढाउने कार्यमा सम्पूर्ण बीमकहरुलाई निर्देशन दिइसकेको अवस्था छ। प्रस्तावित बीमा ऐनमा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमको चुक्ता पूँजी कम्तीमा रु. ५ अर्व तथा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमको चुक्ता पूँजी कम्तीमा रु. ४ अर्व हुनुपर्ने गरी प्रस्ताव गरिएको छ।

१६. निरीक्षण कार्यको कार्यान्वयन तथा कारवाही :

मुलुकभर सञ्चालित बीमा व्यवसाय नियमन, अनुगमन र सुपरिवेक्षण गर्ने निकायको रूपमा रहेको बीमा समितिले सरकारी तथा नीजि संस्थान तथा कम्पनीहरुको प्रत्यक्ष निगरानी गर्दछ। समितिले समय समयमा बीमकहरुको निरीक्षण गर्नुका साथै निरीक्षणबाट देखिएका कैफियतहरुलाई समय सापेक्ष सुधारको मौका पनि दिने गरेको छ। त्यस्तो मौका दिए पछि पनि जारी गरिएका नीति निर्देशनलाई समयमा नै पालना नगरेको खण्डमा बीमकलाई बीमा ऐन, २०४९ तथा बीमा नियमावली, २०४९ बमोजिम कारवाही गर्ने गरेको छ। आ.व. २०७१/७२ मा देहायका बीमक, बीमा सर्भेयर, बीमा अभिकर्ता तथा कर्मचारहिरुलाई स्थलगत र आकस्मिक निरीक्षण प्रतिवेदनको आधारमा कारवाही गरेको छ (तालिका-२६)।

तालिका-२६ निरीक्षण कार्यान्वयन कारवाही

| क्र.सं. | बीमक सर्भेयर तथा अभिकर्ता को नाम | मिति | कैफियत |
|---------|--|-------------|--|
| १ | एन.बी. इन्सुरेन्स कम्पनी लिमिटेड | २०७०।०९।१४ | बीमको बीमा व्यवसायमा लगाएको पूर्ण रोक जरिवाना सहित फुकुवा गरेको। |
| २ | युनाइटेड इन्स्योरेन्स कम्पनी (नेपाल) लिमिटेड | २०७१।१।२।१७ | अगर्नी बीमा व्यवसायमा रोक लगाइएको उक्त बीमकमा कार्यरत जोखिमाङ्गन विभाग प्रमुखलाई जरीवाना गरिएको। |
| ३ | टिसा इन्जिनियरिङ कन्सल्टेन्सी का सूर्य प्रसाद जोशी | २०७१।१।२।१७ | स्पष्टीकरण सोधिएको। |
| ४ | नेपाल क्लेम्स ब्यूरोका राजन थापा | २०७१।१।२।१७ | स्पष्टीकरण सोधिएको। |
| ५ | मनोहर पाथ्या | २०७१।१।२।१७ | अभिकर्ताको इजाजतपत्र खारेज गरिएको। |

१७. समितिले गरेका अन्य कार्यहरू :

- समितिको संस्थागत सुधार गर्ने तर्फ संशोधित प्रतिवेदन पेश भएको ।
- बीमा व्यवसायसंग सम्बन्धित बीमा नियमावली तथा निर्देशिकाहरू तयार पार्नुका साथै समय सापेक्ष संशोधन गरेको ।
- बीमकहरूबाट सुझाव संकलन गरी बीमा दावी भुक्तानीको लागि आवश्यक पर्ने कागजात तोकि बीमा दावी भुक्तानी प्रकृयालाई सरलीकरण गरिएको ।
- बीमा व्यवसायलाई विकसित तथा प्रवर्द्धन गर्ने उद्देश्यले जनचेतना सम्बन्धी कार्यलाई व्यापक प्रचार प्रसार गरिएको ।
 - क) राष्ट्रिय दैनिक गोरखापत्रको एयर प्यानलमा सूचना मूलक विज्ञापन नियमित रूपमा प्रसारित गरेको,
 - ख) नेपाल भित्र बढि भन्दा बढि श्रोताको पहुँचमा पुगेको रेडियो नेपाल स्थानीय एफ.एम. लगायत नेपाल टेलिभिजनमा समाचार वाचन भन्दा अगाडी सूचना मूलक विज्ञापन नियमित रूपमा प्रचार प्रसार गरेको,
- बीमा विषयलाई पाठ्यक्रममा राख्ने कार्यका लागि शिक्षा मन्त्रालय पाठ्यक्रम विकास वोर्ड लगायतका निकायहरूसंग समन्वय तथा बीमा क्षेत्रका विज्ञहरूसंग समेत छलफल गरी पाठ्यक्रममा समावेश गर्ने गरेको ।
- बीमा व्यवसायलाई विकसित गर्ने उद्देश्य अनुरूप व्यवसायिक जनशक्ति बिकासको लागि देहाय बमोजिमको तालिम र अन्तरकृया कार्यक्रम संचालन गरेको छ :
 - क) कर्मचारीहरूको लागि सिपमुलक तालिम कार्यक्रम संचालन गरेको,
 - ख) निर्जीवन बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिम संचालन गरेको,
 - ग) समितिका कर्मचारी र बीमकका कर्मचारीहरूलाई अभिमुखिकरण तालिम प्रदान गरेको,
 - घ) स्थानीय स्तरमा रहेका समस्याको पहिचान गरी सो समस्या समाधान गर्नको लागि उद्योगपती, व्यवसायी, बीमक, सर्भेयर समेतको सहभागिता गराई अन्तरकृया कार्यक्रम गरेको ।
- समितिले यस आर्थिक वर्षमा पनि नेपालको बीमा बजार र विश्व बीमा बजारमा भएका गतिविधि सहितको बीमा समाचार र विचार पत्रिका प्रकाशित गर्ने गरेको ।
- बीमा समितिलाई विश्व बजार लगायत नियमनकारी निकायको रूपमा चिनाउने उद्देश्यले समितिको परिचय, बीमा ऐन सम्बन्धी नियम, निर्देशिका, बार्षिक प्रतिवेदन, बीमकहरू प्राप्त विवरणहरू संलग्न गरी समितिको धभद(कष्टभ मा राखिएको ।
- बीमकको आर्थिक विवरणको जनमानसमा समयमै सहि सूचना प्रवाह होस भन्ने उद्देश्यका साथ बीमकहरूको त्रैमासिक वित्तीय विवरण राष्ट्रिय दैनिक पत्रिकामा नियमित रूपमा प्रकाशन गर्ने व्यवस्था गरेको ।
- बीमकहरूसंग रहेको लगानी योग्य रकमलाई सुरक्षित ठाउँमा लगानी गर्न र उक्त लगानीबाट उपयुक्त प्रतिफल प्राप्त हुने गरी समितिले बीमकहरूको लागि लगानी नीतिमा समय सापेक्ष परिमार्जन गरी लागू गरेको ।
- बीमा सेवा आम जनमानस समक्ष सहज रूपमा पुग्न सकोस भन्ने उद्देश्यका साथ बीमकहरूको शाखा कार्यालय विस्तारका लागि छुटै नीति अवलम्बन गरी कार्यान्वयन गरेको ।
- लघु बीमाको माध्यमबाट बीमा सेवा ग्रामिण क्षेत्रका न्यून आय भएका वर्गसम्म पुन्याउनका लागि बीमा कम्पनीहरूलाई निर्देशन जारी गरेको ।
- आकस्मिक बीमा कोष नेपाललाई छुटै कम्पनीको रूपमा खडा गरी देशमा पुनर्वीमा कम्पनी स्थापना गरेको ।
- समितिको पाँच वर्षे रणनितिक योजना (Strategic Plan) तयार गरेको ।

१८. महाभुकम्पबाट सृजित बीमा दावी फछ्यौट :

महाभुकम्प गएको दुई दिन पश्चात मिति २०७२०११४ मा बीमा कम्पनीहरूका उच्च तहका पदाधिकारीहरूसंग भेटघाट गरि महाभुकम्पबाट बीमा कम्पनीमा पर्न सक्ने क्षति तथा सोको दावी भुक्तानी यथाशिष्ट थालनी गर्ने सम्बन्धमा छलफल गरिएको । ततपश्चात मिति २०७२०११५ मा बीमा समितिबाट बीमकहरूलाई देहाय बमोजिमको निर्देशन दिइएको ।

- निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूलाई बीमा दावीको यथाशिघ्र क्षति आंकलन तथा दावी मूल्याङ्कन गरी दावी भुक्तानी गर्ने प्रकृयालाई उच्चतम प्राथमिकताका साथ अविलम्ब थालनी गर्न तथा अन्तरिम दावी भुक्तानी दिन, दावी रकमको हद तय गरी दावी प्रकृया सरलीकरण गर्ने र जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरूलाई भूकम्पको कारणबाट उत्पन्न हुने बीमा दावीको भुक्तानी प्रकृयालाई उच्चतम प्रार्थमिकता साथ थालनी गर्ने ।



मिति २०७२०११६ गते बीमकका प्रमुखहरूसँग भएको वैठकमा बीमितहरूलाई यथाशिघ्र दावी भुक्तानी गर्नको लागि विभिन्न विषयहरूमा छलफल गरी निम्न बमोजिमको निर्णय भएको ।

- (क) मिति २०७२०११५ को निर्देशन बमोजिम यथाशिघ्र दावी भुक्तानी गर्ने व्यवस्था मिलाउने,
- (ख) सहयोग कक्ष (Help desk) अनिवार्य गर्ने,



- (ग) विदेशी सर्भेयरको सेवा लिन समितिको स्वीकृति लिनु नपर्ने तर जानकारी दिनुपर्ने



(घ) बीमा सर्भेको क्रममा सर्भेयरले पुरानो सर्भे कार्य सम्पन्न नगरी नयाँ सर्भे गर्न नपाउने समितिको निर्देशन भूकम्प बीमा दावीको सर्भे प्रयोजनको लागि स्थगन गर्ने ।

मिति २०७२०१११९ गते नेपाल बीमक संघका पदाधिकारीहरुसँग महाभुकम्पको कारणबाट सृजित बीमा दावी तथा सोबाट बीमकमा पर्न सक्ने दायित्व सम्बन्धमा छलफल गरियो । बीमा समितिबाट मिति २०७२०११२३ र २४ गते १६ वटा निर्जीवन बीमा कम्पनीहरुको आकस्मिक निरीक्षण गरि महाभुकम्पबाट सृजित बीमा दावीको भुक्तानी सम्बन्धी तथ्याङ्क संकलन गर्नुका साथै केही बीमकहरुले सहयोग कक्ष (Help desk) को व्यवस्था गरेको नपाइएकोले सहयोग कक्ष राख्न पूँः निर्देशन दिइयो । मिति २०७२०२००२ गते उद्योग परिसंघका पदाधिकारीहरुसँग महाभुकम्पबाट भएको क्षति र सोबाट सृजीत बीमा दावी सम्बन्धमा छलफल गरिएको ।

मिति २०७२०२००२ गते बीमकका कार्यकारी अधिकृतहरुसँग पूँः छलफल गरिएको । मिति २०७२०२००५ गते नेपाल सर्भेयर संघका प्रतिनिधिहरुसँग छलफल गरियो । मिति २०७२०२००५ गते देखि २०७२०२१० गतेसम्म समितिका कर्मचारीहरुबाट बीमा कम्पनीको निरीक्षण तथा विवरण संकलन गरियो । मिति २०७२०२१२ गते बीमकका अध्यक्ष तथा संचालकहरुसँग छलफल गरियो । मिति २०७२०२१४ गते नेपाल बीमक संघका पदाधिकारीहरुसँग भएको बैठकमा सर्भेयरको प्रतिवेदन ढिला प्राप्त भएकाले समेत दावि भुक्तानी द्रुत गतिमा नभएको बुझिएकोले सर्भे प्रतिवेदन यथाशिघ्र प्राप्त गर्ने व्यवस्था मिलाउने र बीमकले तिव्र गतिमा बीमा दावी भुक्तानी गर्नु पर्ने लगायतका विषयहरुमा व्यापक छलफल भएको । साथै बीमकहरुलाई प्रत्येक दिन ४ बजे भित्रै भुकम्प सम्बन्धी बीमा दावीको संख्या, अनुमानित कूल दावी रकम, दावी भुक्तानी संख्या तथा भुक्तानी रकमको विवरण दिनु पर्ने विषयमा निर्णय गरी बीमकहरुबाट दैनिक विवरण संकलन गर्नुका साथै बीमा समितिबाट प्रत्येक दिन सोको स्थिति अद्यावधिक गरिएको ।

मिति २०७२०२१७ गते सर्भेयरहरुसँग पूँः छलफल गरी सर्भेयरहरुबाट सर्भे प्रतिवेदन समयमा पेश नभएकोतर्फ ध्यानाकर्षण गराउदै निजहरुले छिटो भन्दा छिटो सर्भे प्रतिवेदन पेश गर्न जोड दिनुका साथै निजहरुले प्राप्त गरेको सर्भे कार्य संख्या, सर्भे प्रतिवेदन पेश गर्न बाँकि संख्या, बाँकी कार्य सम्पन्न गर्न निजहरुसँग रहेको जनशक्ति र बाँकी कार्य सम्पन्न गर्न लाग्ने थप अवधि सहितको कार्य योजना पेश गर्न निर्देशन दिइएको ।

मिति २०७२०२१८ गते देखि प्रत्येक बीमकका प्रमुख कार्यकारी अधिकृत, दावी तथा पुनर्वामा विभागका प्रमुखहरुलाई समितिमा बोलाई बीमकहरुको दावीको वास्तविक आंकलन गर्ने, तिव्र गतिमा दावी भुक्तानी गर्ने र सर्भे कार्य शिघ्र सम्पन्न गराउने निर्णय गर्नुका साथै सोही बमोजिमको निर्देशन समेत दिइएको ।



INSURANCE COMPANIES

मिति २०७२०३१ गते समितिबाट बीमक, सर्भेयर तथा पत्रकारहरु बीच दावी सम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रम आयोजना गरिएकोमा केही ठूला बीमितहरुको पनि सहभागिता रहेको थियो । उक्त अन्तरक्रियाको क्रममा बीमक सर्भेयरहरुले आ-आफुले हालसम्म दावी सम्बन्धी भए गरेका कामहरु उल्लेख गर्नुका साथै भुक्तानी प्रकृया अघि बढाउने क्रममा परेका समस्याहरु प्रस्तुत गरिएको ।

बीमक र सर्भेयरले अहिलेसम्म गरेका कार्यहरुबाट बीमा समिति सन्तुष्ट नहुने अवस्था रहेको र केही बीमा कम्पनीले अहिलेसम्म आएको कूल दावीमा १ प्रतिशत भन्दा कम र १६ वटै कम्पनीले समग्रमा २.२ प्रतिशत मात्र दावी फछ्यौट गरेको देखिएबाट उनीहरुको काम कारबाही निराषाजनक रहेकोले अब तुरन्त बढी भन्दा बढी दावी फछ्यौट गर्ने तर्फ लाग्नुपर्ने निर्देशन जारी गरिएको ।

समितिबाट बीमकहरुलाई भुक्तम्य बीमा दावी छिटो भुक्तानी गर्नको लागि पूनः निर्देशन दिइएको ।



- ४/५ सय सर्भेयरहरुले सर्भे गर्ने इजाजतपत्र प्राप्त गरेकोमा बीमकहरुबाट सीमित सर्भेयरहरुलाई मात्र काम दिएको देखिएकोले यस सम्बन्धमा प्रतिवेदन समयमा बुझाउन नसक्ने सर्भेयरबाट काम फिर्ता लिई अर्को सर्भेयरलाई खटाउने ।
- बीमितलाई छिटो दावी भुक्तानी गर्न न्यूनतम कागजातको आधारमा दावी फछ्यौट गर्ने ।
- बीमकहरुले यस विषम परिस्थितिमा उब्जेको ग्राहक वर्गहरुको पीडा आत्मसात गरी अगाडी बढनुपर्ने ।
- सर्भेयरले आफुले निर्वाह गर्न सक्ने भन्दा बढीको कार्य बोझ नलिई आफुले लिएको काम तुरन्त फछ्यौट गर्नु पर्ने । साथै सर्भेयरले निश्पक्ष रूपमा काम गरी आफ्नो धर्म निर्वाह गर्नु पर्ने ।
- समितिको माग बमोजिम यथार्थ तथ्याङ्क दिने ।
- ग्राहकको दावी भुक्तानीको लागि कम्पनीको तरलता कायम राख्ने । यसको लागि परिपक्क भएको निक्षेप हाल लाई पूनः लगानी नगर्ने र कम्पनीको अति आवश्यक वाहेक अन्य खर्च कटौति गर्ने ।
- पूनर्बीमकसंग बढी भन्दा बढी रकम पेशकी स्वरूप पूनर्बीमा हिस्सा माग गर्ने ।

मिति २०७२०३०२ गते राजस्व सचिव सहित अर्थ मन्त्रालयका सहसचिव, उपसचिव लगायतका पदाधिकारीहरु, बीमा समितिका अध्यक्ष, निर्देशक, बीमा विज्ञ, चाटर्ड एकाउन्टेन्टहरु तथा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुका प्रमुखहरुसंग बीमकहरुको आर्थिक अवस्था, भुक्तम्यबाट बीमा दावी सम्बन्धमा सृजना भएको आर्थिक दायित्व, उक्त दायित्वमा पूनर्बीमकको हिस्सा, हालसम्म बीमकहरुबाट भएको बीमा दावी भुक्तानी संख्या तथा रकम, बीमा दावी भुक्तानी द्रुत गतिमा नहुनाको कारणहरु, सो बीमा दावी भुक्तानीको लागि हालसम्म पूनर्बीमकबाट प्राप्त रकम तथा बीमा दावी भुक्तानीलाई अभ बढी तित्रता दिनुपर्ने विषयहरुको सम्बन्धमा अर्थ मन्त्रालयको सभाहलमा बृहत रूपमा छलफल भएको ।



बीमा समितिबाट निरन्तर रूपमा बीमकहरुलाई छिटो भन्दा छिटो दावी भुक्तानी गर्न ताकेता गरिरहेको कारणबाट अपेक्षित रूपमा बीमकहरुबाट दावी भुक्तानी नभएता पनि दावी भुक्तानीको अनुपात क्रमशः बढ्दै गएको देखिन्छ ।

१८.१ भुकम्प बीमा सम्बन्धि अनिवार्य व्यवस्था :

महाभुकम्प जस्ता व्यापक जोखिमहरुको व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धमा बीमा समितिबाट विगत वषहरूमा नै निम्न व्यवस्था गरिएको थियो

- मिति २०७०।०४।०१ गते देखि अग्नि बीमा अन्तर्गत भुकम्प बीमा जोखिम अनिवार्य गरिएको ।
- मिति २०७१।०६।०८ गते देखि महाविपत्ति जगेडा कोषमा नाफा भएको रकम मध्येबाट १०% रकम जम्मा गर्न बीमकहरुलाई अनिवार्य गरिएको ।

१९. वार्षिक प्रतिवेदन :

बीमा समितिले गरेका काम कारवाही, गतिविधि र बीमा व्यवासयको विकासका लागि भएका प्रयासहरु समेत समावेश गरी समितिको आर्थिक वर्ष २०७०।७१ सम्मको वार्षिक प्रतिवेदन श्री अर्थ मन्त्रालयमा पेश भइ सकेको छ ।

२०. वेभसाइट :

सम्बद्ध पक्षहरुलाई निरन्तर रूपमा जानकारी उपलब्ध गराउने उद्देश्यले बीमा ऐन, २०४९ र बीमा नियमावली, २०४९ को साथै बीमा समितिको परिचय, वार्षिक प्रतिवेदन, बीमा समितिबाट जारी भएका निर्देशनहरु, परिपत्रहरु, वार्षिक प्रतिवेदनहरु, बीमकहरुबाट घोषित बोनस दर, बीमा समितिको महत्वपूर्ण सूचनाहरु तथा काम कारवाहीहरुको साथै बीमादर लगायत सूचनामूलक सामाग्रीहरु उपलब्ध गर्नको लागि समितिले आफ्नो वेभसाइट तयार गरेको छ । समितिको वेभसाइटलाई अद्यावधिक गर्ने तथा बीमा सम्बन्धी बढि भन्दा बढि सूचना तथा जानकारीहरु उक्त वेभसाइटमा समावेश गर्ने गरिएको छ । समितिको वेभसाइटको ठेगाना www.bsib.org.np रहेको छ । साथै, पछिल्लो समयमा समितिले सर्भेयरहरुको सर्भे कार्य सम्बन्धी विवरण, सर्भे कार्य शुरु भएको तथा सम्पन्न भएको विवरण र सर्भे प्रतिवेदन सर्भेयरहरुले Online को माध्यमबाट समितिको वेभ साइटमा तोकिएको ढाँचामा र तोकिएको समयमा उपलब्ध गराउनको लागि आवश्यक निर्देशन दिइसकेको अवस्था छ । बीमकहरुबाट प्राप्त हुने विभिन्न विवरण तथा तथ्याङ्कहरु पनि Online को माध्यमबाट पेश गर्ने वातावरण मिलाउने कार्य अगाडि बढिरहेको छ ।

२१. बीमकको नाम परिवर्तन :

साविकको बीमक श्री एलाइन्स इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेडले बीमकको नाम परिवर्तन गर्नको लागि बीमा समितिको स्वीकृती माग भइ आएकोमा प्रचलित नियम कानुन अनुसार गर्ने गरि समितिबाट मिति २०७१।१।२०।४ मा उक्त बीमकको नाम श्री प्रभु इन्स्योरेन्स लिमिटेड कायम हुने गरी स्वीकृती प्रदान गरिएको छ ।

२२. पुनर्बीमा शुल्क :

बीमकहरुले पुनर्बीमाशुल्क भुक्तानी गर्न विदेशी मुद्रा सटहीको लागि बीमा समितिको सिफारिस अनिवार्य भएकोले आ.व. २०७१।७२ मा बीमकहरुको निवेदनको आधारमा समितिबाट रु. ३ अर्व १५ करोड द३ लाख वरावरको खुद (बीमकले प्राप्त गर्नुपर्ने दावी रिकभरी, कमिशन तथा कर आदि रकम कट्टा गरी) रकम विदेशी मुद्राहरु अमेरिकन डलर, यूरो, र भारतीय रुपैयाँ सटही सिफारिस गरिएको छ ।

२३. बीमालेख स्वीकृति :

बीमा ऐन २०४९ अनुसार बीमकले आफ्नो व्यवसाय विस्तार गर्दा आफ्ना ग्राहकहरुको आवश्यकता अनुसारका बीमालेख प्रचलनमा ल्याउनु अघि बीमा नियमावली २०४९ को नियम ४(३) मा जीवन बीमा र नियम ५(३) मा निर्जीवन बीमाको बीमालेख समितिबाट स्वीकृति प्राप्त भए पछि मात्र प्रचलनमा ल्याउनुपर्ने प्रावधान रहेको छ । सोही प्रावधान वमोजिम आ.व. २०७१/७२ मा स्वीकृत भएका जीवन तथा निर्जीवन बीमालेखको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ (तालिका -२७) ।

तालिका -२७

आ.व. २०७१।७२ मा बीमा समितिबाट स्वीकृत भएका जीवन तथा निर्जीवन बीमा बीमालेखहरू

| क्र.स. | बीमालेख | स्वीकृत मिति | बीमा कम्पनी |
|--------|--|--------------|--|
| १ | Clinical trial legal liability insurance | २०७१।०७।२० | हिमालयन जनरल इ. क. लि. |
| २ | लघु अमृत बीमालेख | २०७१।०४।२९ | नेपाल लाइफ इ. क. लि. |
| ३ | वचत अमृत सावधिक बीमालेख | २०७१।०६।१४ | नेपाल लाइफ इ. क. लि. |
| ४ | भविष्य वृत्ती बीमा योजना पूरक करार | २०७१।०६।२२ | नेपाल लाइफ इ. क. लि. |
| ५ | NLIC जीवन ज्योती (सिमित भुक्तानी) सावधिक जीवन बीमालेख | २०७१।०७।२१ | नेपाल लाइफ इ. क. लि. |
| ६ | जीवन उन्नती बीमा (सिमित भुक्तानी धन फिर्ता सावधिक जीवन बीमा) | २०७२।०३।१८ | नेपाल लाइफ इ. क. लि. |
| ७ | जीवन विधा वाल सावधिक बीमा | २०७१।१।१४ | लाइफ इन्स्योरेन्स कर्पोरेशन (नेपाल)लि. |
| ८ | बृहत सामुहिक औषधोपचार बीमालेख | २०७।०८।२८ | मेटलाइफ |
| ९ | एशियन लाइफ धन समृद्धि (भुक्तानी सावधिक) जीवन बीमालेख | २०७।०८।२८ | एशियन लाईफ इ. क. लि. |
| १० | सूर्या संरचित (सिमित भुक्तानी सावधिक) जीवन बीमालेख | २०७।०८।२८ | सूर्या लाईफ इ. क. लि. |
| ११ | प्राइम लाईफ सुनौलो (सावधिक) जीवन बीमालेख | २०७।०९।२१ | प्राइम लाईफ इ. क. लि. |
| १२ | प्राइम सुरक्षित आवास सावधिक जीवन बीमा र पूरक करार समेत | २०७।१।१४ | प्राइम लाईफ इ. क. लि. |
| १३ | प्राइम लाईफ म्यादी जीवन बीमा र पूरक करार | २०७२।०३।०९ | प्राइम लाईफ इ. क. लि. |

२४. बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन प्रतिवेदन :

बीमा ऐन २०४९ को दफा २६ मा जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकले प्रत्येक तीन वर्षमा बीमाङ्गीद्वारा आर्थिक स्थितिको लेखाजोखा र दायित्वको मूल्याङ्कन गराउने व्यवस्था रहेको छ । तर बीमकहरुबाट प्रत्येक वर्ष बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन गराउन अनुरोध भई आएकोले मिति २०६९।०४।२० मा समितिले बीमकलाई प्रत्येक वर्ष बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन गराउन कानूनद्वारा रोक नलागेको अवस्थामा इच्छुक बीमकहरुलाई वार्षिक रूपमा मूल्याङ्कन गर्न स्वीकृति दिने निर्णय गरेको छ ।

यसै गरी जीवन बीमकको सोल्भेन्सि मार्जिन निर्देशिका बमोजिम जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकले प्रत्येक वर्षमा बीमाङ्गीद्वारा आर्थिक स्थितिको लेखाजोखा र दायित्वको मूल्याङ्कन गराउने व्यवस्था गर्न निर्देशन दिइएको छ । उक्त मूल्याङ्कन गरिसके पछि बीमकले आफ्नो वित्तिय विवरण आवश्यक स्वीकृतिका लागि समितिमा पेश गर्नु पर्ने व्यवस्था छ । सोही व्यवस्था अनुरूप पेश हुन आएको बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन अनुसार बीमकले पेश गरेको मुनाफा समेत ठीक भए नभएको एकिन गर्ने कार्य बीमा समितिले गर्ने गर्दछ । आ.व. २०७१/७२ मा देहायका बीमकहरुको बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन स्वीकृत गरिएको छ (तालिका-२८) ।

तालिका-२८

आ.व. २०७१।०२ मा बीमा समितिबाट स्वीकृत बीमाङ्गीय मूल्याङ्कन प्रतिवेदन

| क्र.सं. | बीमको नाम | आर्थिक वर्ष | बीमालेखको किसिम | बीमा अवधि (वर्ष) | बोनस दर (प्रति वर्ष प्रति हजार) |
|---------|---|-------------|--|---------------------|---------------------------------|
| १ | नेशनल लाइफ इ.कं.लि. | २०७०।७ | सावधिक, आजिवन र सामुहिक जीवन बीमा | ५-१५ | ६१ |
| | | | | १६-२० | ६१ |
| | | | | २१-२५ | ६२ |
| | | | | २६ भन्दा माथि | ८० |
| | | | अग्रिम भुक्तानी सावधिक बीमा | १५ | ६० |
| | | | | २० | ६१ |
| | | | | २५ | ६१ |
| | | | | | |
| | | | सावधिक जीवन बीमालेख | ५-१५ | ६५ |
| | | | | १६-२० | ६५ |
| | | | | २१-२५ | ७२ |
| | | | | २५ भन्दा माथि | ८२ |
| २ | श्री नेपाल लाइफ इ.कं.लि. | २०७०।७ | अग्रिम भुक्तानी सावधिक बीमा (योजना २३ र २४ वाहेक) | १० वर्ष | ६५ |
| | | | | १५ वर्ष | ६५ |
| | | | | २० वर्ष | ६५ |
| | | | | योजना २३ | ६२ |
| | | | योजना २४ | १५ वर्ष | ६४ |
| | | | | २० वर्ष | ८० |
| | | | | | |
| | | | | | |
| | | | सावधिक जीवन बीमा | ५-१५ | ५० |
| | | | | १६-२० | ५० |
| | | | | २१ वा सो भन्दा माथि | ६० |
| | | | | | |
| ३ | मेट लाइफ एलिको | २०७०।७ | 3PP (Three Payment Plan) जीवन बीमा | ५-१५ | ३५ |
| | | | | १६-२० | ४५ |
| | | | | २१ वा सो भन्दा माथि | ५५ |
| | | | | | |
| | | | EPP (Education Protection Plan) जीवन बीमा | ५-१५ | ४० |
| | | | | १६-२० | ५० |
| | | | | २१ वा सो भन्दा माथि | ६० |
| | | | | | |
| | | | सावधिक (जीवन आनन्द सहित) | ५-१९ | ६१ |
| | | | | २० -२४ | ६५ |
| | | | | २५ भन्दा माथि | ७५ |
| | | | | | |
| ४ | लाइफ इन्स्योरेन्स कपोरेशन (नेपाल)लि. | २०७०।७ | अग्रिम भुक्तानी सावधिक | १५ | ६१ |
| | | | | २० | ६२ |
| | | | | २५ | ६३ |
| | | | | | |
| | | | जीवन तरंग | १० | ६१ |
| | | | | १५ | ६३ |
| | | | | २० | ७२ |
| | | | | | |

| | | | | | |
|---|--|--------------------------|---|---------------------|----|
| ५ | एशियन लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लि. | २०७०।७ | सावधिक जीवन बीमा | ०-१४ | ३५ |
| | | | | १५-१९ | ४५ |
| | | | | २०-२४ | ५५ |
| | | | २५ भन्दा माथि | ७० | |
| | | | बालबच्चाको सावधिक जीवन बीमा | ०-१४ | ३५ |
| | | | | १५-१९ | ४५ |
| | | | | २०-२४ | ५५ |
| | | | २५ भन्दा माथि | ७० | |
| | | | सावधिक तथा आजीवन जीवन बीमा | ०-१४ | ४५ |
| | | | | १५-१९ | ५५ |
| | | | | २०-२४ | ६५ |
| | | | २५ भन्दा माथि | ८० | |
| ६ | सूर्या लाइफ इ. क. लि. | २०७०।७ | अग्रीम भुक्तानी | १२ | ४० |
| | | | | १५ | ४५ |
| | | | | १८ | ५५ |
| | | | | २० | ६५ |
| | | | सावधिक जीवन बीमा | ०-९ | ३४ |
| | | | | १०-१४ | ३८ |
| | | | | १५-१९ | ४४ |
| | | | | २० - २४ | ५४ |
| | | | | २५ - २९ | ५८ |
| | | | ३० वा सो भन्दा माथि | ६५ | |
| ७ | गुराँस लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लि. | २०६७।०६८ देखि २०६८।०९ | सावधिक तथा आजीवन जीवन बीमा | ०-९ | ३४ |
| | | | | १०-१४ | ३८ |
| | | | | १५-१९ | ४४ |
| | | | | २०-२४ | ५४ |
| | | | | २५-२९ | ५८ |
| | | | ३० वा सो भन्दा माथि | ६५ | |
| | | | अग्रीम भुक्तानी | १०-१४ | ४१ |
| | | | | १५-१९ | ४१ |
| | | | | २०-२४ | ५१ |
| | | | सावधिक र सामुहिक सावधिक जीवन बीमा | ०-१४ | ४० |
| | | | | १५-१९ | ४५ |
| | | | | २०-२४ | ५० |
| | | | २५ वा सो भन्दा माथि | ७५ | |
| | | | जीवन श्री (सावधिक तथा आजीवन) बीमा | ०-१४ | ४० |
| | | | | १५-१९ | ४५ |
| | | | | २०-२४ | ५० |
| | | | | २५ वा सो भन्दा माथि | ७५ |
| | | | अग्रीम भुक्तानी १५ तथा २० वर्ष सावधिक जीवन बीमा | १५ वर्ष | ४३ |
| | | | | २० वर्ष | ४७ |
| | | | | | |

२५. आ.व.२०७२।७३ को बजेटमा बीमा :

आर्थिक वर्ष २०७२।७३ मा बीमा क्षेत्रको विकासको लागि नेपाल सरकारको बजेट मार्फत निम्न बमोजिमका नीति तथा कार्यक्रमहरु ल्याएको छ ।

- बीमा कम्पनीहरूलाई एक आपसमा गाभन र गाभिन प्रोत्साहित गर्ने ।
- कृषि, पशु तथा बाली संरक्षण लगायतको क्षेत्रमा बीमा कारोबारलाई विस्तार गरी ग्रामिण क्षेत्रसम्म बीमाको पहुँच पुऱ्याउन लघु बीमा सम्बन्धी नीति बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । साथै, कृषि तथा पशु बीमाशुल्कमा नेपाल सरकारबाट ७५ प्रतिशतसम्म अनुदान दिने नीति कायम राख्दै यस्तो बीमाशुल्कमा लाग्ने मूल्य अभिवृद्धिकर समेत छुट दिने ।

२६. लक्ष्य तथा भावी योजनाहरू :

बीमा व्यवसायलाई सम्पूर्ण रूपमा विकसित र सुरक्षित बनाउने समितिको लक्ष्य हो । यस्तो कार्यवाट आर्थिक तथा सामाजिक क्रियाकलापहरु सुरक्षित बन्दछ । प्राकृतिक विपद र दैवी प्रकोपबाट उत्पन्न जोखिम विरुद्ध आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षण प्रदान गर्ने बीमालाई जनजीवनको महत्वपूर्ण भागको रूपमा लिई नीतिगत र संस्थागत संरचनामा परिवर्तन गर्न समिति उद्धत छ । बीमा व्यवसायको विकास तथा विस्तारको साथै ग्रामिण जीवन र अर्थतन्त्रमा बीमा विस्तार गर्दै कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा बीमा क्षेत्रको योगदान बढ़ि गर्ने लक्ष्य लिईएको छ । यो लक्ष्य प्राप्त गर्न देहायका भावी कार्यक्रमहरु केन्द्रित गरिएको छ ।

- बीमा ऐन २०४९ लाई प्रतिस्थापन गरी बीमाको आधुनिकीकरणमा सहयोग पुर्याउने कानूनी र संस्थागत संरचना तयार गर्ने ।
- बाली तथा पशु बीमा विस्तार गरी कृषिमा जनसाधारणको लगानी सुरक्षित गरी कृषि अर्थतन्त्रको विकासमा टेवा पुर् याउने ।
- बाली तथा पशु बीमा कार्यक्रम विस्तार गर्न सबै बीमा कम्पनीलाई निर्देशनका साथै प्रोत्साहन गर्ने ।
- जीवन बीमा सेवा विस्तार गरी सबै नेपालीको पहुँचमा पुर्याउने ।
- सीमा क्षेत्रको अवैध बीमा कारोबारलाई नियन्त्रण गर्ने ।
- लघु बीमा कार्यक्रम विस्तार गर्न आवश्यक वातावरण सिर्जना गर्ने ।
- स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम परिक्षणको रूपमा प्रारम्भ गर्न वातावरण तयार गर्ने ।
- बीमा उद्योगलाई आवश्यक जनशक्ति तयार गर्न बीमा प्रतिष्ठानको अवधारणा कार्यान्वयन गर्ने ।
- बीमा कोष रकमलाई सुरक्षित क्षेत्रमा लगानी गर्ने ।

२७. बीमा क्षेत्रमा विद्यमान समस्या, चुनौती र उपाय :

चुनौती व्यवस्थापनका कच्चा पदार्थ हन् भन्ने गरिन्छ र सोही चुनौतिका आधारमा भविश्यको बाटो तय गर्नुपर्ने हुन्छ । गहन चिन्तन र विश्लेषणले मात्र असहज अवस्थामा अगाडी बढ्न तथा समस्यालाई सही ढंगले बुझ्न सकिन्छ । नेपाली बीमा बजारलाई आगामी दिनमा यसरी दिशानिर्देश गर्न सकिन्छ ।

२७.१. विद्यमान समस्या :

- बीमा सम्बन्धी जनचेतनाको कमी,
- दक्ष जनशक्तिको अभाव,
- बीमा कम्पनीको कार्य संचालनमा पारदर्शिताको कमि महसुस हुनु,
- बीमा दावी भुक्तानीहरूमा ढिला सुस्ती हुनु
- कर्मचारीलाई आवश्यक तालिमको व्यवस्था नहुनु

- समाजको ठूलो हिस्सामा बचत गर्ने क्षमताको कमी,
- नेपाल राष्ट्र बैंकको तुलनामा बीमा समितिले प्रभावकारी भूमिका खेल नसकेको गुनासो रहनु,
- लगानीको लागि उपर्युक्त अवसरहरु पर्याप्त मात्रामा उपलब्ध नहनु,
- बीमा व्यवसायमा अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा हुनु,
- ग्रामिण क्षेत्रमा बीमाको सेवा पर्याप्त विस्तार हुन नसक्नु
- देश भित्र एकल मात्र पुनर्बीमकको स्थापना हुनु,
- बीमा ऐनमा समयानुकूल परिमार्जनमा ढिलाई हुनु,
- नेपाल सरकार, विभिन्न निकाय तथा विदेशी दाता संस्थाहरु लायतका निकायहरुबाट बीमालाई महत्व र प्राथमिकता दिन नसक्नु,
- बीमा क्षेत्रलाई राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको आधार बनाउन नसक्नु,
- बीमितको संरक्षण सम्बन्धी छुट्टै ऐनको व्यवस्था हुन नसक्नु,
- दावी भुक्तानीको दीर्घकालीन सुनिश्चितताका लागि बीमित संरक्षण कोषको व्यवस्था नहनु,
- बीमा क्षेत्रको सामाजिक उत्तरदायित्व सहितका सिर्जनात्मक बीमा उत्पादनहरुको अभाव हुनु ।

२७.२. चुनौती तथा उपायहरु :

अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड अनुरूप बीमा सेवाको गुणस्तर वृद्धि गर्नु, निर्जीवन बीमालाई सामाजिक तथा प्राकृतिक जोखिम भूकम्प, हिमनदीको प्रकोपबाट उत्पन्न हुन सक्ने आर्थिक क्षति व्यवस्थापन गर्ने सशक्त संयन्त्रको रूपमा स्थापित गर्नु, जीवन बीमालाई आर्थिक सुरक्षाका साथै दीर्घकालिन बचत र लगानीको उत्तम माध्यमको रूपमा स्थापित गरी छारिएर रहेको बचतलाई परिचालन गर्दै राष्ट्र निर्माणको लागि आवश्यक पूँजी निर्माण गर्ने दिगो आधारको रूपमा विकास गर्नु र यस सेवालाई दुर्गम ग्रामिण क्षेत्र तथा समाजका न्यून आय भएका वर्ग लगायत सबै तहसम्म पुऱ्याउनु आजको प्रमुख चुनौती रहेको छ ।

उल्लेखित समस्या तथा चुनौतीहरु समाधानका उपायहरु निम्न बमोजिम रहेका छन् ।

- बीमकहरुको स्थलगत तथा गैर स्थलगत निरीक्षणबाट प्राप्त नतिजाको आधारमा अधिकांश बीमकले बीमा ऐन, २०४९, बीमा नियमावली, २०४९ तथा बीमा समितिबाट समय समयमा जारी गरिएका निर्देशनहरुको पालना नगरिएको पाइएकोले त्यस्तो आदेश निर्देशनको पालना अझ सही रूपमा गर्न गराउन आवश्यक कारबाही गर्नु पर्ने ।
- देशमा विद्यमान अर्थतन्त्रको संकुचित परिवेशलाई दृष्टिगत गर्दा बीमकहरुसंग रहेको लगानी योग्य रकमलाई सुरक्षित, प्रतिफल र तरल रूपमा लगानी गर्न आवश्यक अन्य क्षेत्र पहिचान गरी लगानीको क्षेत्रको दायरा बढाउनु पर्ने ।
- नेपालको बीमा व्यवसायलाई अन्तर्राष्ट्रिय मापदण्ड अनुरूप बीमा सेवाको गुणस्तरमा वृद्धि गर्नु गराउनु पर्ने ।
- निर्जीवन बीमालाई समाजिक तथा प्राकृतिक जोखिमबाट उत्पन्न हुन सक्ने आर्थिक क्षति व्यवस्थापन गर्न सशक्त संयन्त्रको रूपमा स्वदेशमै विश्वशनिय पुनर्बीमा कम्पनीहरुको स्थापना गर्ने तर्फ कदम चाल्नु पर्ने ।
- ग्रामिण क्षेत्र, न्यून आयवर्ग तथा समाजका सबै तहसम्म बीमा सेवाको पहुँच पुऱ्याउनका लागि लघु बीमा योजनालाई व्यापक गर्नु पर्ने ।
- बीमितको हित संरक्षण सुनिश्चित गर्न विश्वसनीय संयन्त्रहरुको विकास गर्नुका साथै उक्त संयन्त्र प्रति बीमितलाई सुशुचित गर्नु पर्ने ।
- बीमितको संरक्षणको लागि छुट्टै ऐनको व्यवस्था गर्नु पर्ने ।
- दावी भुक्तानीको दीर्घकालीन सुनिश्चितताका लागि बीमा समितिको अगुवाइ तथा बीमकहरुको सहभागितामा बीमित संरक्षण कोषको स्थापना गर्नु पर्ने ।
- बीमा क्षेत्रको विकास गर्नको लागि आवश्यक तथा प्रतिस्पर्धी जनशक्ति तयार गर्नु पर्ने ।

खण्ड ख

बार्षिक कार्यक्रम, प्रगति समिक्षा र आरद्धार्द्धी तथा खर्चको अनुमानित बिवरण तथा बार्षिक बजेट

- ✳ आ.व २०७२/०७३ को बार्षिक कार्यक्रम
- ✳ आ.व २०७१/०७२ को बार्षिक कार्यक्रमको प्रगति समिक्षा
- ✳ आ.व २०७२/०७३ को आम्दानी तथा खर्चको अनुमानित बिवरण
- ✳ आ.व २०७१/०७२ को आय व्यय हिसाव बिवरण



बीमा समिति
BEEMA SAMITI
Insurance Regulatory Authority of Nepal

बीमा समितिको आ.व. २०७२।०७।३ को

समितिबाट स्वीकृत

वार्षिक कार्यक्रम

असार, २०७२
फुप्पडोल, ललितपुर

प्रस्तावना

नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हकक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपालको अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुऱ्याउन समितिसंग उपलब्ध मानव संसाधन, भौतिक साधन र व्यवस्थापकीय क्षमता तथा समितिबाट सम्पादन हुदै आएका कार्यहरु समेतलाई ध्यानमा राखी बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न आर्थिक बर्ष २०७१/७२ को वार्षिक कार्यक्रमको समिक्षा गरी आर्थिक बर्ष २०७२/७३ का लागि यो वार्षिक कार्यक्रम तयार पारिएको छ।

वार्षिक कार्यक्रमको स्वरूप

कार्यक्रमको पृष्ठभूमी, हालको अवस्था, उद्देश्य, कार्य योजना, कार्य परिमाण, कार्य प्रारम्भ तथा समाप्ति, मानव संसाधन र मौद्रिक लागत यथासम्भव स्पष्ट रूपमा प्रस्तुत गरिएको छ।

कार्यक्रमहरू

१. बीमा सम्बन्धी अध्ययन जारी

क) पृष्ठभूमी :

बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न, नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हकक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपालको अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुऱ्याउनका लागि बीमा सम्बन्धी नीति नियम तथा योजना तर्जुमाका लागि अध्ययन गर्न आवश्यक देखिन्छ।

ख) हालको अवस्था :

हालै मात्र बीमा ऐन, २०४९ लाई प्रतिस्थापन गर्न बीमा ऐनको मस्यौदा तयार गरी समितिको संचालक समितिमा छलफल भई स्विकृत कार्य प्रयोजनका लागि उक्त मस्यौदा अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिसकेको अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

देशमा बीमा सम्बन्धी आवश्यकताहरु बीमा क्षेत्रबाट सम्बोधन गर्न, बीमा क्षेत्रमा बिद्यमान समस्याहरु र समाधानका उपायहरु पत्ता लगाउन, बीमा क्षेत्रको आवश्यक सुधार सम्बन्धी उपायहरु अवलम्बन गर्न, बीमा सम्बन्धी नीति, नियम तथा योजना तर्जुमाका लागि आवश्यक अध्ययनहरु गर्ने।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ३) :

- बीमा व्यवसाय प्रबद्धनसंग सम्बन्धित विषयमा अध्ययन गर्ने।
- Risk based Supervision (जोखिममा आधारित निरीक्षण) सम्बन्धमा अध्ययन गर्ने।
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आइपर्ने अन्य विषयबस्तुको अध्ययन गर्ने।

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- बीमा व्यवसाय प्रबद्धनसंग सम्बन्धित विषयमा अध्ययन गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथौ त्रैमासिक)।
- Risk based Supervision (जोखिममा आधारित निरीक्षण) सम्बन्धमा अध्ययन गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-दोस्रो त्रैमासिक)।
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आइपर्ने अन्य विषयबस्तुको अध्ययन गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथौ त्रैमासिक)।

च) लागत अनुमान : रु. ८,००,०००/- (आठ लाख रुपैयाँ)

- बीमा व्यवसाय प्रबद्धनसंग सम्बन्धित विषयमा अध्ययन गर्ने ।
- Risk based Supervision (जोखिममा आधारित निरीक्षण) सम्बन्धमा अध्ययन गर्ने
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आइपर्ने अन्य विषयबस्तुको अध्ययन गर्ने ।

छ) मानव संसाधन :

प्रचलित नियमानुसार समितिको कर्मचारी वा परामर्श सेवा लिई सम्पन्न गर्ने ।

३. रामितिको संस्थागत सुधार गर्ने

क) पृष्ठभूमी

देशमा बीमा व्यवसाय संचालन गर्ने २७ वटा बीमक/पुनर्बीमक ७५ जिल्लामा करिव ५०० शाखा/सम्पर्क कार्यालय, करिव २५० बीमा सर्भेयर र करिव १,००,००० बीमा अभिकर्ता र थप हुन सक्ने तेश्रो पक्ष सहजकर्ता र दलाल समेतको सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन गरी केन्द्रमा मात्र नभई देशव्यापी रूपमा समितिको नियमनकारी अनुगमन तथा जनचेतना मुलक कार्यलाई निरन्तरता दिन संस्थाको कार्य विस्तार गर्न समेत बीमा समितिको क्षमता अभिवृद्धि गरी जनचेतना, अनुगमन र सुपरिवेक्षणलाई प्रभावकारी बनाउने सम्बन्धमा तत्कालीन मध्यकालीन र दीर्घकालीन उपायहरु पहिचान गरी बीमा ऐन, २०४९ ले तोके बमोजिमका उद्देश्यहरु हासिल गर्नका लागि समितिको संस्थागत सुधार गर्न आवश्यक रहेको छ ।

ख) हालको अवस्था

बीमा नियमनकारी निकायहरुको अन्तर्राष्ट्रिय संगठन (आईएआईएस) ले तय गरेको बीमाका आधारभूत सिद्धान्तहरुको आधारमा समितिले नेपालको समग्र बीमा क्षेत्रको मूल्यांकन गर्दै आएको छ । उक्त मूल्यांकनको आधारमा समितिबाट भविष्यमा चालु पर्ने कदमको लागि कार्य योजना तयार गरिएको छ । समितिले सन् २०१४ देखी २०१९ सम्मको लागि Strategic Plan तयार गरिसकेको अवस्था छ । तयार पारिएको योजनालाई कार्यान्वयनमा ल्याउन तिव्रता दिनु पर्ने अवस्था छ । सोही सम्बन्धमा विदेशी संघ संस्थाहरु World Bank, Asian Development Bank लाई बीमा व्यवसायको समसामयिक सुधार गर्नका लागि मौखिक तथा लिखित रूपमा अनुरोध पनि गरिएको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य

बीमा समितिको क्षमता अभिवृद्धि गरी बीमक तथा बीमा मध्यस्थकर्ताहरुको अनुगमन र सुपरिवेक्षणलाई प्रभावकारी बनाउन समितिको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण प्रतिबेदनमा दिइएका सुझावहरु तथा बीमा नियमनकारी निकायहरुको अन्तर्राष्ट्रिय संगठन IAIS (आईएआईएस) द्वारा बीमाको मूलभूत सिद्धान्तहरुको आधारमा गरिएको मूल्यांकनको निश्कर्ष अनुरूप समितिको संस्थागत सुधार गर्नका लागि तत्कालीन मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजनाहरु तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २) :

- समितिको संस्थागत सुधारको लागि एकिकृत कार्य योजना तयार गर्ने ।
- एकिकृत कार्य योजनाको विषयबस्तुहरु क्रमशः कार्यान्वयन गर्ने ।

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- एकिकृत कार्य योजना तयार गर्ने (प्रथम त्रैमासिक)
- कार्य योजना कार्यान्वयन गर्ने (दोस्रो त्रैमासिक - चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. २५,००,००० (पचासा लाख रुपैयाँ)

- एकिकृत कार्य योजना तयार गर्ने
- कार्य योजना कार्यान्वयन गर्ने ।

छ) मानव संसाधन :

प्रचलित नियमानुसार समितिको मानव संसाधनबाट वा परामर्श सेवा लिई सम्पन्न गर्ने ।

३. नियमावली तथा निर्देशिकाहरू तर्जुमा गर्ने**क) पृष्ठभूमी**

बीमा सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थालाई समयानुकूल बनाई परिमार्जन गरी लागू गर्ने सम्बन्धमा तत्सम्बन्धी नियमावली तथा निर्देशिकाहरू मसौदा गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्ने अवस्था छ ।

ख) हालको अवस्था

मौजुदा बीमा ऐन, २०४९ लाई प्रतिस्थापन गर्न प्रस्तावित बीमा ऐनको मस्यौदा बीमा व्यवासयमा सरोकार व्यक्तिहरुसंग छलफल गरी समितिको बैठकमा पेश भई सकेको अवस्था छ । सो मस्यौदा उपर समितिको संचालक समितिमा छलफल भई समय सापेक्ष सुधार गरी अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिसकेको अवस्था छ । उक्त ऐनका प्रावधान अनुरूप समितिका लागि आवश्यक विभिन्न नियमावली तथा निर्देशिकाहरुको मस्यौदा तयार गर्नु पर्ने अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य

बीमा समितिसंग सम्बन्धित विभिन्न निर्देशिकाहरुलाई संसोधन गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ३) :

- बीमा अभिकर्ताको निर्देशिका तयार गर्ने,
- बीमा सर्भेयरको निर्देशिका तयार गर्ने,
- बीमित हक हित सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने,
- बीमा दलाल सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने,
- स्थलगत निरीक्षण निर्देशिकालाई पुनरावलोकन गर्ने,
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आई पर्ने अन्य निर्देशिका तयार गर्ने ।

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- बीमा अभिकर्ताको निर्देशिका तयार गर्ने, (प्रथम त्रैमासिक दोस्रो त्रैमासिक),
- बीमा सर्भेयर सम्बन्धी निर्देशिका, (प्रथम त्रैमासिक)

- बीमित हक हित सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने, (प्रथम त्रैमासिक देखि तेस्रो त्रैमासिक)
- बीमा दलाल सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने, (प्रथम त्रैमासिक)
- स्थलगत निरीक्षण निर्देशिकालाई पुनरावलोकन गर्ने, (प्रथम त्रैमासिक)
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आई पर्ने अन्य निर्देशिका तयार गर्ने, (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. ८,००,०००/- (आठ लाख रुपैयाँ)

- बीमा अभिकर्ताको निर्देशिका तयार गर्ने,
- बीमा सर्भयरको निर्देशिका तयार गर्ने,
- बीमित हक हित सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने,
- बीमा दलाल सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने,
- स्थलगत निरीक्षण निर्देशिकालाई पुनरावलोकन गर्ने,
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आई पर्ने अन्य निर्देशिका तयार गर्ने।

छ) मानव संसाधन :

प्रचलित नियमानुसार उप समिति गठन गरी तथा परामर्श सेवा लिई सम्पन्न गर्ने।

४. बीमको रिस्क प्रोफाइलको आधारमा रणनीति तय गर्ने प्रणालीको स्थापना गर्ने

क) पृष्ठभूमी :

बीमको समग्र जोखिमको विश्लेषण तथा मूल्यांकन गरी प्राप्त नतिजाको आधारमा उपयुक्त रणनीति तय गरी नियमनकारी निकायले उचित समयमा उचित कदम चाली बीमकलाई आई पर्न सक्ने सम्भावित विपत्तिबाट जोगाउनु र बीमकलाई स्यम समयमा सचेत गराउनु पर्ने विश्वव्यापी मान्यता रहिआएको छ।

ख) हालको अवस्था :

नेपालमा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमको वित्तीय जोखिमको विवरण तयार गरिएको, जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमको वित्तीय जोखिमको विवरण तयार गरिएको, जीवन तथा निर्जीवन बीमा कंपनीको लागि सोल्भेन्सी मार्जिन लागू गरिसकेको तथा बीमको समग्र जोखिमको रिस्क प्रोफाइलको मस्तौदा तयार गरि पेश गरी सकेको अवस्था छ। बीमको रिस्क प्रोफाइलको लागि आवश्यक पर्ने अनुपातहरूको निर्क्योल गरी म्याट्रिक्स बनाउन बाँकी रहेको अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

बीमको समग्र जोखिमको विश्लेषण तथा मूल्यांकन गरी प्राप्त नतिजाको आधारमा समितिले तय गर्नु पर्ने रणनीति तथा चाल्नु पर्ने उपयुक्त कदमको सम्बन्धमा सिफारिस गर्नका लागि एक प्रणाली स्थापना गर्ने।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २) :

- बीमको रिस्क प्रोफाइलको आधारमा अनुपातहरूको निर्क्योल गरी पेश गर्ने।
- निर्क्योल भएका बीमको रिस्क प्रोफाइलको अनुपातलाई म्याट्रिक्स बनाई पेश गर्ने।

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- बीमको रिस्क प्रोफाइलको आधारमा अनुपातहरुको निक्यौल गरी पेश गरी लागू गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)।
- निक्यौल भएका बीमको रिस्क प्रोफाइलको अनुपातलाई म्याट्रिक्स बनाई पेश गर्ने (दोस्रो त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)।

च) लागत अनुमान रु. ५,००,०००/-: (पाँच लाख रुपैयाँ)

- प्रणाली स्थापना गरी प्रतिवेदन तयार गर्ने

छ) मानव संसाधन :

नियमानुसार समितिको कर्मचारी वा परामर्श सोवाबाट कार्य सम्पन्न गर्ने।

५. अन्तराष्ट्रिय तथा बीमा नियमनकारीहरूको सम्मेलन गर्ने ।**क) पृष्ठभूमी :**

बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न, नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हक्कहित संरक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपालको अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुऱ्याउनको लागि अन्तराष्ट्रिय स्तरमा बीमाको विकास तथा प्रचलनको अवस्था संग साक्षात्कार हुनको लागि समिति बीमा संग सम्बन्धित विभिन्न अन्तराष्ट्रिय संगठनको सदस्य भई कार्य गर्दै आएको छ। सोही सन्दर्भमा नेपाल अन्तराष्ट्रिय बीमा नियमनकारी निकायको संस्थापक सदस्य समेत भएको र क्षेत्रिय तथा सार्क स्तरीय नियमनकारी निकायको सदस्य समेत रहेको अवस्था छ।

यस्ता सम्मेलनहरूमा बीमा समितिको सक्रिय सहभागित रहेको र सार्क स्तरीय पहिलो सम्मेलन बंगलादेशमा सम्पन्न भएको र दोस्रो सार्क सम्मेलन पाकिस्तानको कराँची बैठकबाट सन् २०१५ को सार्क इन्स्योरेन्स कन्फ्रेन्स नेपालमा आयोजना गर्ने प्रस्ताव पारित भए अनुसार कन्फ्रेन्सको सम्पूर्ण तयारी भएता पनि संवत् २०७२ साल बैशाख १२ गतेको विनाशकारी भूकम्पको कारणले गर्दा सन् २०१५ मे ८ देखि १० मा सम्मेलन स्थगन गरिएको हुँदा आगामी आ.व. २०७२/७३ मा नेपाल सरकार, अन्तराष्ट्रिय दातृ निकायहरू तथा नेपालमा व्यवसायरत बीमकहरूको सहयोगमा कन्फ्रेन्स सम्पन्न गर्न आवश्यक देखिन्छ।

ख) हालको अवस्था :

मिति २०७२/०१/१२ मा आएको विनाशकारी महाभूकम्पका कारणले अन्तराष्ट्रिय तथा क्षेत्रिय बीमा नियमनकारीहरूको सम्मेलन स्थगन भएको अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

सार्क क्षेत्रका नियमकारी निकायहरू बिच आपसी सद्भाव तथा भाईचारको प्रवर्द्धन तथा बीमाका विषय बस्तु संग छलफल हुनुका साथै आपसी सहयोगमा सहकार्य हुने।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या आवश्यकता अनुसार तोकिने) :

- समग्र बीमाका विषयबस्तु समेटेर अन्तराष्ट्रिय स्तरको सम्मेलन गर्ने,
- क्षेत्रिय बीमा नियमनकारी निकायहरूको बैठक गर्ने,

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- समग्र बीमाका विषयबस्तु समेटेर अन्तराधिकारी स्तरको सम्मेलन गर्ने, (उपयुक्त समय पछि तोकिने)
- क्षेत्रिय बीमा नियमनकारी निकायहरूको सम्मेलन गर्ने, (उपयुक्त समय पछि तोकिने)।

च) लागत अनुमान : रु. १,५०,००,०००/- (एक करोड पचास लाख रुपैयाँ)

छ) मानव संसाधन :

प्रचलित नियमानुसार समितिको कर्मचारी वा परामर्श सेवा लिई सम्पन्न गर्ने।

६. व्यवसायिक जनशक्तिको विकास गर्ने

क) पृष्ठभूमी :

बीमा व्यवसायलाई विकसित गर्नु बीमा समितिको एक प्रमुख उद्देश्य हो। बीमा व्यवसायको विकासको लागि समय सापेक्ष आवश्यक दक्ष जनशक्ति तयार गर्नु अपरिहार्य भएको छ। सो उद्देश्य प्राप्तिको लागि समितिबाट विभिन्न कार्यक्रमहरु समेत संचालन भै आएको पृष्ठभूमीमा आगामी आ.व.मा समेत त्यस्तो कार्यलाई निरन्तरता दिनु वाञ्छनीय भएको छ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले तालिमको वार्षिक कार्यक्रम तयार गरी बीमा अभिकर्ता, बीमा सर्भेयर, समिति तथा बीमकका कर्मचारीको लागि विभिन्न प्रकारका तालिमहरु सञ्चालन गर्दै आएको अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

बीमा क्षेत्रको लागि आवश्यक दक्ष जनशक्ति तयार गर्ने तथा तालिम सञ्चालन गर्ने।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ५) :

- बीमांकीय विज्ञान सम्बन्धी तालिम
- समितिका कर्मचारीहरूलाई वैदेशिक तालिम
- समितिका कर्मचारीहरूलाई स्वेदेशी तालिम
- बीमा सर्भेयरको आधारभूत तालिम
- उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि समितिका कर्मचारीलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने
- पत्रकारहरूलाई बीमा सम्बन्धी आधारभूत प्रशिक्षण
- बाली तथा पशुपन्थी र लघुबीमा सम्बन्धी तालिम
- बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिम (जीवन/निर्जीवन)

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

सबै तालिमका लागि (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. ५२,००,०००/- (बाउल्ज लाख रुपैयाँ)

- बीमांकीय विज्ञान सम्बन्धी तालिम
- समितिका कर्मचारीहरुलाई बैदेशिक तालिम
- समितिका कर्मचारीहरुलाई स्वेदेशी तालिम
- उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि समितिका कर्मचारीलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने
- पत्रकारहरुलाई बीमा सम्बन्धी आधारभूत प्रशिक्षण
- बाली तथा पशुपंछी र लघुबीमा बीमा सम्बन्धी तालिम,
- बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिम (जीवन/निर्जीवन बीमा)

छ) मानव संसाधन :

प्रचलित कानून अनुसार परामर्श सेवामा लिई कार्य गर्ने।

७. जनचेतना अभिवृद्धि

क) पृष्ठभूमी :

बीमा ऐन, २०४९ को प्रस्तावना अनुरूप बीमा क्षेत्रलाई विकसित गर्ने जिम्मेवारी समेत समितिको रहेकोले समग्र बीमा क्षेत्रलाई विकसित गर्ने सन्दर्भमा बीमा बारे सर्वसाधारणलाई सुसूचित गर्ने प्रचार प्रसार र जनचेतनामूलक कार्यक्रम अभ्यन्तरीन रूपमा अगाडि बढाउन आवश्यक छ।

ख) हालको अवस्था :

समितिबाट बीमा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने तथा प्रचार प्रसार सम्बन्धी क्रियाकलापहरु हुदै आएको र सोलाई व्यापकता प्रदान गर्नु पर्ने अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

बीमा बारे सर्वसाधारणमा चेतना अभिवृद्धि गर्ने तथा बीमालाई ग्रामिण क्षेत्र, न्यून आय वर्ग लगायत समाजका सबै तहको पहुँचसम्म पुऱ्याउन बीमा सम्बन्धी विशेष प्रचार प्रसार कार्यक्रम तयार गरी लागू गर्ने

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ५) :

- जिंगल तयार गरी प्रसारण गर्ने
- काठमाण्डौ उपत्यका वाहिर अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने,
- काठमाण्डौ उपत्यका भित्र अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने,
- वित्तीय क्षेत्रका नियमनकारीहरुको अन्तर्किया आयोजना गर्ने,
- ग्रामिण क्षेत्रका उच्च माध्यामिक विद्यालय तथा विद्यालयहरुमा बीमाको कक्षा संचालन गर्ने

इ) कार्य सम्पन्न गर्ने लाई अवधि :

- जिंगल तयार गरी प्रसारण गर्ने (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)
- काठमाण्डौ उपत्यका वाहिर अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)

- काठमाण्डौ उपत्यका भित्र अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)
- वित्तीय क्षेत्रका नियमनकारीहरुको अन्तर्क्रिया आयोजना गर्ने (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)
- ग्रामिण क्षेत्रका उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा विद्यालयहरुमा बीमाको कक्षा संचालन गर्ने (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. १३,००,०००/- (तेह लाख रुपैयाँ)

- जिंगल तयार गरी प्रसारण गर्ने
- काठमाण्डौ उपत्यका बाहिर १० वटा अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने,
- काठमाण्डौ उपत्यका भित्र १० वटा अन्तरक्रिया कार्यक्रम गर्ने
- वित्तीय क्षेत्रका नियमनकारीहरुको अन्तर्क्रिया आयोजना गर्ने

छ) मानव संसाधन :

प्रचलित कानून अनुसार परामर्श सेवामा लिई कार्य गर्ने ।

८. रघारस्थ्य बीमा तथा तेस्रो पक्ष सहजकर्ताको निर्देशन तयार गरी लागू गर्ने

क) पृष्ठभूमी :

स्वास्थ्य तथा लघु बीमा महत्वपूर्ण बीमा हो । नेपालमा स्वास्थ्य समस्या एउटा महत्वपूर्ण समस्या हो । राज्यले बर्षेनी ठूलो मात्रामा लगानी गर्दा समेत आम नेपालीहरुले सहज स्वास्थ्य सेवा प्राप्त गर्न सकेका छैनन् । यस क्षेत्रमा निजी क्षेत्रको आगमनसंगै यो सेवा अत्यन्तै महंगो बन्दै गइरहेको छ । साथै नेपालमा हालको अवस्थामा पनि भन्डै २३.४ प्रतिशत नेपालीहरु गरिवीको रेखा मुनी रहेको हुँदा लघु बीमा न्यून आय वर्गका मानिसहरुलाई आर्थिक बचत तथा मानविय जोखिमको रक्षावरणको लागि अति नै आवश्यक बीमा योजना हो । तसर्थे बीमाको माध्यमबाट आर्थिक बचत तथा स्वास्थ्य सेवालाई आम जनताको पहुंच भित्र ल्याउनका लागि समितिले राज्यका विभिन्न निकायसंग समन्वय गरी स्वास्थ्य बीमा लागू गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

केही बीमकहरुले सीमित ग्राहकहरु खासगरी संस्थागत ग्राहकको लागि जारी गर्ने गरेको स्वास्थ्य बीमालेख (मेडिकल इन्स्पोरेन्स) स्वीकृत गर्ने कार्य मात्र गर्दै आइरहेको अवस्था भने लघु बीमा कार्यक्रम लागू नै नभएको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

लघु तथा स्वास्थ्य बीमा सम्बन्धी आवश्यक कानूनी व्यवस्था तयार गर्नुका साथै सो सम्बन्धी बीमालेख जारी गरी स्वास्थ्य बीमा लागू गर्न पहल गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २):

- स्वास्थ्य बीमा निर्देशिका तयार गरी लागू गर्ने ।
- तेस्रो पक्ष सहजकर्ता सम्बन्धी निर्देशन तयार गरी लागू गर्ने ।

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- स्वास्थ्य बीमा निर्देशिका तयार गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)
- स्वास्थ्य बीमा लागू गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)
- तेस्रो पक्ष सहजकर्ता सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)
- तेस्रो पक्ष सहजकर्ता सम्बन्धी निर्देशिका लागू गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. ३,००,००० (तीन लाख रुपैयाँ)

- तेस्रो पक्ष सहजकर्ता सम्बन्धी निर्देशन र स्वास्थ्य बीमालेख तयारी कार्यान्वयन

छ) मानव संसाधन :

आवश्यकता अनुसार कार्यदल गठन गरी वा परामर्शदाता मार्फत कार्य गर्ने।

९. समितिको मौतिक पूर्वाधार विकास गर्ने ।**क) पृष्ठभूमी :**

समितिको हालको भवन थप कर्मचारी भर्ना भएमा अपुग हुने भएको हुँदा भवन निर्माण गर्न आवश्यक देखिन्छ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले गत आर्थिक बर्षमा ललितपुर, कुपण्डोल स्थित नेपाल बैंक लि. को स्वामित्वमा रहेको करिव १० रोपनी जग्गा तथा त्यसमा निर्मित भवन सहित खरिद गरी सकेको अवस्था छ। वि.सं. २०७२ बैशाख १२ गते आएको महाभूकम्प पछि चावहिल स्थित कार्यालय भवनबाट कुपण्डोल स्थित कार्यालय भवनमा जेष्ठ १० गते देखी सरी कार्य संचालन गर्दै आई रहेको छ। उक्त भवनमा अबका दिनमा समितिमा तत्काल भई रहेका र नयाँ भर्ना भई आउने कर्मचारीहरूको लागि समेत कार्यालय अपुग हुने देखिदा नयाँ भवन निर्माण प्रकृया अगाडी बढाउनु पर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

ग) उद्देश्य :

समितिको नयाँ भवन निर्माण कार्यको लागि भवनको नक्सा बनाउने, लागत अनुमान तय गर्ने तथा नक्सा पास गरी भवन निर्माणको कार्य आरम्भ गर्ने।

घ) कार्य योजना :

- समितिको लागि नयाँ भवन निर्माण गर्ने कार्यका लागि पूर्वाधार तयार गर्ने।

ड) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

समितिको नयाँ भवन निर्माण कार्यको लागि भवनको नक्सा बनाउने, लागत अनुमान तय तथा नक्सा पास गर्ने र भवन निर्माण कार्य अरम्भ गर्ने। (प्रथम त्रैमासिक देखी चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान :

- भवन निर्माण गर्न रु. ५०,००,००,००० (पचास करोड रुपैयाँ)

छ) मानव संसाधन :

आवश्यकता अनुसार कार्यदल गठन गरी वा परामर्शदाता मार्फत कार्य गर्ने ।

१०. बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने ।**क) पृष्ठभूमी :**

बीमा क्षेत्रमा आवश्यक जनशक्तिको पर्याप्त मात्रामा आपूर्ति हुन नसकेको र भएका जनशक्तिहरु पनि पेशागत रूपले दक्ष नभएको कारणले नेपाली बीमा बजारको पेशागत क्षमता ज्यादै न्यून देखिन्छ । जसको कारणले काम गर्न धेरै समय र लागत लाग्नुका साथै उत्पादकत्वमा समेत उल्लेख्य मात्रामा कमी आउँछ । बीमा नित्तान्त प्राविधिक बिषय भएको हुनाले प्राज्ञिक रूपले सक्षम व्यक्तिहरु समेत बीमामा दक्ष नहुन सक्छन् । त्यसकारण बीमा सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्नका लागि छुट्टै प्रतिष्ठान स्थापना गर्न बाब्ध्नीय देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिमा विगत डेढ दशकदेखि बीमा प्रतिष्ठानको स्थापना गर्न प्रयास भइरहेको अवस्था रहेको छ । यद्यपि यसले सरकारात्मक रूप लिन सकेको छैन । भारत, मलेसिया, थाइल्याण्ड जस्ता देशहरूले यस्तै संस्थाद्वारा थुप्रै दक्ष जनशक्तिहरु उत्पादन गरिरहेको बर्तमान अवस्थामा समितिले यस्तो प्रतिष्ठान स्थापना गर्न ढिला भइसकेको अवस्था छ । प्रस्तावित बीमा प्राधिकरण ऐनमा बीमा प्रतिष्ठानको परिकल्पना गरिसकेको, सो सम्बन्धमा कानूनी व्यवस्था समेत गरिएको हुँदा, प्रतिष्ठान स्थापना गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ग) उद्देश्य :

बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तय गरी बीमा प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था तर्जुमा गर्ने तथा बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ३) :

- बीमा प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था तय गर्ने
- बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तय गर्ने
- बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने

ङ) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- बीमा प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था तय गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)
- बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तय गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)
- बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने (प्रथम त्रैमासिक-चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. १,००,००,००० (एक करोड रुपैयाँ)

- बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तथा कानूनी व्यवस्था तय गर्ने
- बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने

छ) मानव संसाधन :

आवश्यकता अनुसार कार्यदल गठन गरी वा परामर्शदाता मार्फत कार्य गर्ने ।

११. समितिको लागि आवश्यक एकिकृत सफ्टवेरको आवश्यकता अध्ययन गर्ने**क) पृष्ठभूमी :**

नियमनकारी निकायले गर्नु पर्ने निरीक्षण, इजाजतपत्र प्रदान तथा नवीकरण, अनुगमन लगायतका कार्यहरु थोरै मानव संसाधन, थोरै लागत र कम समयमा सम्पन्न गरी समितिको कार्यक्षमता अभिवृद्धि गर्नका लागि एकिकृत सफ्टवेयरको आवश्यकता सम्बन्धी अध्ययन गर्न अपरिहार्य देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिको लागि आवश्यक एकिकृत सफ्टवेयरको आवश्यकता अध्ययन सम्बन्धी अध्ययन गर्न बांकि रहको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

समितिलाई आवश्यक पर्ने समग्र सूचना तथा समितिको सम्पूर्ण कार्य प्रणालीलाई आधुनिक ढंगले व्यवस्थित गर्नका लागि एकिकृत सफ्टवेयर आवश्यकता पहिचान गर्ने ।

घ) कार्य योजना :

- नियमनकारी निकायलाई आवश्यक पर्ने एकिकृत सफ्टवेयर सोको ढाँचा ९:यमभौ विस्तृत पहिचान गर्न आवश्यकता अध्ययन गर्ने ।

ङ) कार्य सम्पन्न गर्ने लाग्ने अवधि :

- सफ्टवेयर पहिचान गर्ने अध्ययन (प्रथम त्रैमासिक देखि चौथो त्रैमासिक)

च) लागत अनुमान : रु. १०,००,००० (दश लाख रुपैयाँ)

- सफ्टवेयर पहिचान गर्ने अध्ययन

छ) मानव संसाधन :

- प्रचलित नियमानुसार परामर्श सेवा लिई सम्पन्न गर्ने ।



बीमा समिति
BEEMA SAMITI
Insurance Regulatory Authority of Nepal

बीमा समितिको आ.ब. २०७९/०७२ को

**वार्षिक कार्यक्रमको प्रगति
समिक्षा**

आ.व. २०७१।७२ को वार्षिक कार्यक्रम मिति २०७२ अषाढ मसान्त सम्मको प्रगति समिक्षा

प्रस्तावना

नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हक्कहित संरक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपालको अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुऱ्याउन समितिसंग उपलब्ध मानव संसाधन, भौतिक स्रोत साधन र व्यवस्थापकीय क्षमता तथा समितिबाट सम्पादन हुदै आएका कार्यहरु समेतलाई ध्यानमा राखी बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न आर्थिक वर्ष २०७१।७२ का लागि यो वार्षिक कार्यक्रम तयार पारिएको छ।

वार्षिक कार्यक्रमको स्वरूप

कार्यक्रमको पृष्ठभूमी, हालको अवस्था, उद्देश्य, कार्य योजना र कार्य परिमाण यथासम्भव स्पष्ट रूपमा प्रस्तुत गरी संख्यात्मक र आवधिक रूपमा कार्यको प्रगति मापन गर्न सक्ने ढाँचामा वार्षिक कार्यक्रम तयार गरिएको छ। वार्षिक कार्यक्रमका लागि तोकिएका शाखाहरूलाई जिम्मेवार बनाई त्रैमासिक रूपमा तालुक अधिकारी मार्फत समितिलाई प्रगति विवरण पेश गर्ने तथा सम्बन्धित शाखाले तोकिएको कार्य सम्बन्धित निकाय, समितिका शाखा, उपशाखा, समिति, उपसमिति आदिसंग समन्वय गर्ने र आवश्यक परेको खण्डमा विज्ञ तथा परामर्शदाताको सहयोग लिई वा कार्यदल गठन गरी सम्पन्न गर्ने मान्यतामा आधारित भई वार्षिक कार्यक्रम तयार गरिएको छ।

वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि

समितिले वार्षिक कार्यक्रम पारित भएको बढिमा सात दिनभित्र जिम्मेवारी तोकिएका शाखाहरूलाई वार्षिक कार्यक्रमको जानकारी गराउदै कायक्रमहरु सम्पादन गर्नका लागि आवश्यक कार्यतालिका माग गर्नुपर्नेछ। जिम्मेवार शाखाले तोकिएको कार्य कुन कुन निकाय, शाखा, समिति, उपसतिसंग समन्वय गरी गर्ने हो, कार्य सम्पन्न गर्नका लागि आवश्यक स्रोत साधन, लाग्ने समयावधि आदि सहित कार्यतालिका तालुक अधिकारी मार्फत समितिमा पेश गर्नुपर्नेछ र सोही कार्यतालिका बमोजिम समितिले प्रत्येक तीन महिनामा नियमित रूपमा अनुगमन गर्नेछ। साथै प्रत्येक तीन महिनामा समितिले वार्षिक कार्यक्रमको समिक्षा तथा मूल्यांकन गर्नेछ।

कार्यक्रमहरू

१. बीमा ऐन परिमार्जन जर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

२०४९ सालमा जारी भएको बीमा ऐनलाई प्रतिस्थापन गर्ने योजना समितिले बिगत एक दशक अघि तै गरेको हो। बिच्चमान बीमा ऐनमा संशोधन गर्न मसौदा गरी अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरिएकोमा लामो अवधि व्यतित भएको हुँदा पूऱः प्रारम्भ देखिनै परिमार्जन गरी समय सापेक्ष बनाउनु पर्ने अवस्था रहेको छ। त्यस्तै, बीमा ऐन, २०४९ तत्कालीन अवस्थामा बनेको र त्यसपछि बीमा बजारले दुई दशक पार गरिसकेको हुनाले यसमा आवश्यक संशोधन र परिमार्जन गर्न आवश्यक भैसकेको हुनाले उक्त ऐनलाई प्रतिस्थापन गरी नयाँ ऐन निर्माण गर्न आवश्यक देखिन्छ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले आ.ब. २०६६ सालमा नै नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालय समक्ष नयाँ बीमा ऐन तयार गरी पेश गरेको थियो । राजनीतिक तरलता र संक्रमणको अवस्था रहेको हुनाले उक्त ऐन हालसम्म पारित हुन नसकेको अवस्था छ, भने उक्त ऐन पेश गरेको समेत आधा दशक भन्दा बढी भैसकेको हुनाले उक्त प्रस्तावित ऐनलाई समेत थप परिमार्जन गरी समय सापेक्ष नयाँ बीमा ऐन तयार गरी पेश गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

ग) उद्देश्य :

बीमा ऐन, २०४९ लाई प्रतिस्थापन गरी नयाँ ऐनको मस्यौदा तयार गरी नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालय समक्ष पेश गर्ने ।

घ) कार्य योजना :

- नयाँ बीमा ऐन तयार गरी नेपाल सरकार समक्ष पेश गर्ने ।

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--------------------|----------------|--|
| बीमा ऐन तयार गर्ने | कानून शाखा | बीमा ऐन, २०४९ लाई प्रतिस्थापन गर्ने गरी बीमा ऐनको मस्यौदा अर्थ मन्त्रालयमा पेश गरी सकेको । |

३. बीमा सम्बन्धी अध्ययन गर्ने**क) पृष्ठभूमी :**

बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न, नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हक्कहित संरक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपालको अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुऱ्याउनका लागि बीमा सम्बन्धी नीति नियम तथा योजना तर्जुमा गर्न पर्याप्त अध्ययन गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

बीमा सम्बन्धी नीति, नियम तथा योजना तयार गर्नका लागि आवश्यक यथार्थपरक सूचना तथा जानकारी निर्णयकर्तालाई पर्याप्त मात्रामा सहजै प्राप्त हुन नसकेको र त्यस्तो सूचना तथा जानकारी प्रदान गर्ने बीमा सम्बन्धी अध्ययन अनुसन्धानहरू पर्याप्त मात्रामा हुन बांकी रहेकोले देहायका बिषयहरुमा अध्ययन गर्नु पर्ने अवस्था छ । समितिबाट बीमा बजारमा थप बीमक्रमहरुको उपस्थितिको संभावनालाई समेट्ने गरी एउटा अध्ययन सम्पन्न भएको छ ।

ग) उद्देश्य :

देशमा बीमा सम्बन्धी आवश्यकताहरु बीमा क्षेत्रबाट सम्बोधन गर्न, बीमा क्षेत्रमा विद्यमान समस्याहरु र समाधानका उपायहरु पत्ता लगाउन, बीमा क्षेत्रको आवश्यक सुधार सम्बन्धी उपायहरु अवलम्बन गर्न, बीमा सम्बन्धी नीति, नियम तथा योजना तर्जुमा गर्न आवश्यक अध्ययनहरु गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २) :

- लघुबीमा सम्बन्धी अध्ययन गर्ने
- बीमा सम्बन्धी तत्काल आइपर्ने अन्य विषयबस्तुको अध्ययन गर्ने

ड) बँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|-------------------------------|--|
| लघुबीमा सम्बन्धी अध्ययन गर्ने | पुनर्बीमा तथा लघुबीमा शाखा | कार्य सम्पन्न भएको । |
| बीमा सम्बन्धी तत्काल आइपर्ने अन्य विषयबस्तुको अध्ययन गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | तत्काल आइपर्ने विषयबस्तु नभएतापनि भुकम्पले पुऱ्याएको हानी नोकसानीको दावी भुक्तानी सम्बन्धमा तथ्याङ्ग तयार गरी अध्ययन भइरहेको । |

३. समितिको संस्थागत सुधार गर्ने

क) पृष्ठभूमी

देशमा बीमा व्यवसाय संचालन गर्ने २६ वटा बीमक ६७ जिल्लामा करिव ५०० शाखा/सर्पक कार्यालय, करिव २५० बीमा सर्वेयर र करिव १,००,००० बीमा अभिकर्ता र थप हुन सक्ने तेश्रो पक्ष सहजकर्ता र दलाल समेतको सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन गरी केन्द्रमा मात्र नभई देशब्यापी रूपमा समितिको नियमनकारी अनुगमन तथा जनचेतना मुलक कार्यलाई निरन्तरता दिन संस्थाको कार्य विस्तार गर्न समेत बीमा समितिको क्षमता अभिबृद्धि गरी जनचेतना, अनुगमन र सुपरिवेक्षणलाई प्रभावकारी बनाउने सम्बन्धमा तत्कालीन मध्यकालीन र दीर्घकालीन उपायहरु पहिचान गरी बीमा ऐन, २०४९ ले तोके बमोजिमका उद्देश्यहरु हासिल गर्नका लागि समितिको संस्थागत सुधार गर्न आवश्यक रहेको छ ।

ख) हालको अवस्था

बीमा नियमनकारी निकायहरुको अन्तर्राष्ट्रिय संगठन (IAIS) ले तय गरेको बीमाका आधारभूत सिद्धान्तहरुको आधारमा समितिले नेपालको समग्र बीमा क्षेत्रको मूल्यांकन गर्दै आएको छ । उक्त मूल्यांकनको आधारमा समितिबाट भविष्यमा चालनुपर्ने कदमको लागि कार्य योजना तयार गरिएको छ । समितिको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण प्रतिवेदन, २०६७ अनुरूप तत्काल समितिको संस्थागत सुधार सम्बन्धमा प्रतिवेदनका आधारमा सम्पादन गर्नु पर्ने कार्य कार्यान्वयन गर्ने प्रक्रिया अगाडी बढाइ सकिएको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य

बीमा समितिको क्षमता अभिबृद्धि गरी बीमक तथा बीमा मध्यस्थकर्ताहरुको अनुगमन र सुपरिवेक्षणलाई प्रभावकारी बनाउन समितिको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण प्रतिवेदनमा दिइएका सुझावहरु तथा बीमा नियमनकारी निकायहरुको अन्तर्राष्ट्रिय संगठन (आईएआईएस) द्वारा बीमाको मूलभूत सिद्धान्तहरुको आधारमा गरिएको मूल्यांकनको निश्कर्ष अनुरूप समितिको संस्थागत सुधार गर्नका लागि पांच बर्षीय रणनीतिक योजना तयार गरी तत्कालीन, मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजनाहरु तर्जुमा गरी सकिएको छ । उक्त कार्ययोजनालाई समितिले अन्तिम रूप दिई कार्यान्वयन गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या १) :

- समितिको रणनीतिक योजना अन्तर्गतको कार्य योजना कार्यान्वयन गर्ने

ड) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|--------------------------|---|
| समितिको रणनीतिक योजना अन्तर्गतको कार्य योजना कार्यान्वयन गर्ने । | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | रणनीतिक योजनाको प्रतिवेदन तयार गरी पेश भइ सकेको । |

४. नियमावली तथा निर्देशिकाहरू तर्जुमा गर्ने

क) पृष्ठभूमी

बीमा सम्बन्धी कानूनी व्यवस्थालाई समयानुकूल बनाई परिमार्जन गरी लागू गर्ने सम्बन्धमा तत्सम्बन्धी नियमावली तथा निर्देशिकाहरू मसौदा गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्ने अवस्था छ ।

ख) हालको अवस्था

मौजुदा बीमा ऐन, २०४९ लाई प्रतिस्थापन गर्न प्रस्तावित बीमा ऐनको मसौदा नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालय समक्ष पेश भइसकेको हुँदा उक्त ऐनका प्रावधान अनुरूप समितिका लागि आवश्यक बिभिन्न नियमावली तथा निर्देशिकाहरूको मस्यौदा तयार गर्नु पर्ने अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य

बीमा समितिसंग सम्बन्धित बिभिन्न निर्देशिकाहरूलाई संसोधन गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ६) :

- बीमा समिति लेखा निर्देशिका
- बीमा अभिकर्ता सम्बन्धी निर्देशिका
- बीमा सर्भेयर सम्बन्धी निर्देशिका
- बीमको तालिम निर्देशिका
- बीमको आन्तरिक लेखापरीक्षण निर्देशिका
- बीमालेख धारक हित संरक्षण कोष निर्देशिका

ड) बुँदागत समिक्षा :

| क्र.स. | कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--------|---|-------------------------|--|
| १ | बीमा समिति लेखा निर्देशिका | वित्त विश्लेषण शाखा | मस्यौदा अन्तिम तयारी गरी सम्बन्धित बिज्ञको राय सुझावका लागि पठाइएको । |
| २ | बीमा अभिकर्ता सम्बन्धी निर्देशिका | कानून शाखा | नियमावली तथा निर्देशिकाहरू तर्जुमा गर्ने (बीमा सर्भेयर तथा बीमा अभिकर्ता) सम्बन्धमा बीमा ऐनको मसौदा सम्पन्न भए पछि नियमावली प्रारम्भ गर्नु पर्ने हुँदा नियमावलीको मसौदा कार्य प्रारम्भ नभएको । |
| ३ | बीमा सर्भेयर सम्बन्धी निर्देशिका | कानून शाखा | |
| ४ | बीमको तालिम निर्देशिका | बिकास शाखा | मसौदा तयार गरी पेश गरेको । |
| ५ | बीमको आन्तरिक लेखापरीक्षण निर्देशिका | वित्त विश्लेषण शाखा | कार्यान्वयन भइ सकेको । |
| ६ | बीमालेख धारक हित संरक्षण कोष निर्देशिका | बीमालेख तथा सुशासन शाखा | कार्य गर्न बाँकी रहेको । |

५. बीमकको रिस्क प्रोफाइल तयार गर्ने

क) पृष्ठभूमी :

बीमकको समग्र जोखिमको विश्लेषण तथा मूल्यांकन गरी प्राप्त नियमकारी आधारमा उपयुक्त रणनीति तय गरी नियमनकारी निकायले उचित समयमा उचित कदम चाली बीमकलाई आई पर्न सक्ने सम्भावित बिपत्तीबाट जोगाउनु पर्ने बिश्वव्यापी मान्यता रहिआएको छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले बीमकको रिस्क प्रोफाइल तयार गर्नको लागि एक कार्यदल गठन गरी सम्बन्धित क्षेत्रका बिज्ञहरु समेतको सल्लाह, राय परामर्शको आधारमा कार्य प्रारम्भ गरीसकेको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

जीवन तथा निर्जीवन बीमकहरुको रिस्क प्रोफाइल तयार गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २) :

- बीमकको रिस्क प्रोफाइल तयार गर्ने भइ
- सिफारिस गरिएको रिस्क प्रोफाइलको प्रतिवेदन लागू गर्ने

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|---------------------|----------------------|
| बीमकको रिस्क प्रोफाइल तयार गर्ने | वित्त विश्लेषण शाखा | समितिमा पेश गरिएको । |
| सिफारिस गरिएको रिस्क प्रोफाइलको प्रतिवेदन लागू गर्ने | | नभएको । |

६. बीमालेख रारलीकरण गर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

बीमा नियमावली, २०४९ को नियम ४ र ५ ले बीमालेखको शर्त सुविधा समितिले तोकिदिए बमोजिम हुने व्यवस्था गरेको छ । प्राविधिक शब्दावली भएका बीमालेख आफैमा एउटा करार भएको हुनाले बीमालेखको भाषा सरल र स्पष्ट हुनु पर्ने नबीन अवधारणा अनुरूप बीमक र बीमित दुवै पक्षको विषयलाई सन्तुलित ढङ्गले प्रस्तुत गरी सर्वसाधारणले बुझ्ने गरी सरल भाषाको बीमालेख प्रचलनमा ल्याउन आवश्यक छ । साथै बीमकले जारी गर्ने बीमालेखको प्राविधिक तथा बीमांकीय पक्षलाई नियमनकारी निकायले पर्याप्त अध्ययन गरी संशोधन, परिमार्जन तथा अन्य आवश्यक गृहकार्य गरी स्वीकृति दिन योग्य भए स्वीकृति दिने तथा केही बीमालेखको हकमा बीमा नियमनकारी निकायले बीमालेख विकास गरी जारी गर्ने प्रचलन रही आएको छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले नेपालमा बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकले जारी गर्ने बीमालेखहरुको अध्ययन गरी स्वीकृति दिन योग्य भएको खण्डमा स्वीकृति दिई आएको छ भने केही बीमालेखहरु समितिले नै तयार गरी निर्देशिकाका रूपमा जारी गरेको (जस्तै: दुर्घटना बीमा,

सामुद्रिक, अग्नी, मोटर बीमालेख आदि) अवस्था छ। बीमालेख सरलीकरण तर्फ जीवन बीमामा प्रचलनमा रहेको बीमालेख सरलीकरण गर्ने कार्यको एक चरण पूरा भै सकेको छ। दुर्घटना बीमालेख (प्रस्ताव फाराम सहित), अग्नी बीमालेख (प्रस्ताव फाराम सहित), बैंकर्स क्षतिपूर्ति बीमालेख र सामुद्रिक बीमालेख परिमार्जन गरी लागू गरिएको अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

बीमालेखहरुको विकास गर्न तथा बीमकले पेश गर्ने बीमालेखहरुको पर्याप्त अध्ययन गरी स्वीकृतिका लागि समिति समक्ष सिफारिस गर्न तथा बीमालेखलाई सर्वसाधारणले बुझ्न सक्ने गरी सरल र सन्तुलित बनाउका लागि एक प्रणाली स्थापना गर्ने।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २) :

- ठेकेदार जोखिम बीमालेखलाई परिमार्जन गरी सरलीकरण गर्ने
- इन्जिनियरिङ बीमालेखलाई परिमार्जन गरी सरलीकरण गर्ने

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|-------------------------|--------------------------------|
| ठेकेदार जोखिम बीमालेखलाई परिमार्जन गरी सरलीकरण गर्ने | बीमालेख तथा सुशासन शाखा | बिज्ञको सहयोगमा कार्य भैरहेको। |
| इन्जिनियरिङ बीमालेखलाई परिमार्जन गरी सरलीकरण गर्ने | | |

७. सार्क स्तरीय बीमा नियमनकारीहरूको सम्मेलन जर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

बीमा ऐन, २०४९ को उद्देश्य प्राप्त गर्न, नेपालको बीमा व्यवसायलाई स्वच्छ, प्रतिस्पर्धी तथा विश्वसनीय बनाई बीमितको हककित संरक्षण गर्न तथा बीमाको माध्यमबाट नेपालको अर्थतन्त्रको दिगो विकासमा टेवा पुन्याउनको लागि अन्तराष्ट्रिय स्तरमा बीमाको विकास तथा प्रचलनको अवस्था संग साक्षातकार हुनको लागि समिति बीमा संग सम्बन्धित विभिन्न अन्तराष्ट्रिय संगठनको सदस्य भई कार्य गर्दै आएको छ। सोही सन्दर्भमा नेपाल अन्तराष्ट्रिय बीमा नियमनकारी निकायको संस्थापक सदस्य समेत भएको हुदा सो भावना अनुरूप समितिले यस वर्ष तेस्रो सार्क इन्स्योरेन्स कन्फेरेन्स गर्ने सौभाग्य प्राप्त गरेको छ। उक्त सम्बन्धमा नेपाल सरकार, अन्तराष्ट्रिय दातृ निकायहरु तथा नेपालमा व्यवसायरत बीमकहरुको सहयोगमा कन्फेरेन्स आवश्यक देखिन्छ।

ख) हालको अवस्था :

पाकिस्तानमा दोस्रो सार्क तथा अन्तराष्ट्रिय सम्मेलन भएको अवस्था छ। त्यस्तै AIRDC र सार्क नियमनकारी निकायको सदस्य समेत रहेको छ। समितिले समय समयमा अन्तराष्ट्रिय स्तरको सम्मेलनमा भाग लिई आएको र दोस्रो सार्क स्तरीय अन्तराष्ट्रिय समेलन यस पूर्व क्रमशः बंगलादेश र पाकिस्तानमा भएकोले आगामी वर्षको सार्क सम्मेलन नेपालमा गर्ने प्रस्ताव पाकिस्तान सम्मेलनले पारित गरेको अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

सार्क क्षेत्रका नियमकारी निकायहरु बीच आपसी सद्भाव तथा भाईचाराको प्रवर्द्धन तथा बीमाका विषय बस्तु संग छलफल हुनुका साथै आपसी सहयोगमा सहकार्य हुने।

घ) कार्य योजना (१) :

- सम्मेलन सम्पन्न गर्ने

ड) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|-----------------------|----------------|--|
| सम्मेलन सम्पन्न गर्ने | विकास शाखा | मिति २०७२।०१।२५ मा सम्मेलन हुने सम्पूर्ण तयारी पूरा भएकोमा २०७२।०१।१२ मा आएको महाभुकम्पले गर्दा स्थगन भएको । |

८. बीमा विषयलाई पाठ्यक्रममा व्यापकता दिने**क) पृष्ठभूमी**

बीमा विषयलाई सर्वसाधारणको महत्वको विषयको रूपमा संस्थागत गराउन विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तरबाट नै प्राञ्जिक अध्ययन/अध्यापन गर्ने व्यवस्था गरी बीमाको दीर्घकालीन विकास (जनचेतना अभिवृद्धि, प्रचार प्रसार आदि) र बजार विस्तार गर्न महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्नु पर्ने भएकोले उक्त सबै स्तरमा बीमा विषयको उपयुक्त पाठ्यक्रम सामेल गर्दा बीमा व्यवसायको समग्र विकासमा टेवा पुर्ने देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था

विद्यालय तथा विश्वविद्यालयको पाठ्यक्रममा सीमित मात्रामा बीमा विषय समावेश भएको र उक्त पाठ्यक्रमले नेपालको बीमा सम्बन्धी प्रचलन र अभ्यासलाई पर्याप्त रूपमा समेट्न नसकेको अवस्था रहेको छ ।

ग) उद्देश्य

बीमा विषयलाई विद्यालय स्तरदेखि विश्वविद्यालय स्तरसम्मको पाठ्यक्रममा क्रमबद्ध रूपमा विस्तार गराउने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या १)

- बीमा विषयलाई पाठ्यक्रममा क्रमबद्ध रूपमा विस्तार गराउने ।

ड) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|----------------|---|
| बीमा विषयलाई पाठ्यक्रममा व्यापकता दिने | विकास शाखा | बाल बगैचामा बीमाका विषय बस्तु प्रकाशन भै सकेको उच्च मा.वि. को पाठ्यक्रममा समेत बीमा विषयबस्तु समावेश भै सकेको । |

९. व्यवसायिक जनशक्तिको विकास गर्ने**क) पृष्ठभूमी :**

बीमा ऐन, २०४९ को प्रस्तावना अनुसार बीमा व्यवसायलाई विकसित गर्नु बीमा समितिको एक प्रमुख उद्देश्य हो । बीमा व्यवसायको विकासको लागि समय सापेक्ष आवश्यक दक्ष जनशक्ति तयार गर्नु अपरिहार्य भएको छ । सो उद्देश्य प्राप्तिको लागि समितिबाट विभिन्न कार्यक्रमहरु समेत संचालन भै आएको पृष्ठभूमीमा आगामी आ.व.मा समेत त्यस्तो कार्यलाई निरन्तरता दिनु वाच्छनीय भएको छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले तालिमको वार्षिक कार्यक्रम तयार गरी बीमा अभिकर्ता, बीमा सर्भेयर, समिति तथा बीमकका कर्मचारीको लागि विभिन्न प्रकारका तालिमहरु सञ्चालन गर्दै आएको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

बीमा क्षेत्रको लागि आवश्यक दक्ष जनशक्ति तयार गर्ने तथा तालिम सम्बन्धी नम्र्स (तालिम निर्देशिका) तयार गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ५) :

- बीमांकीय विज्ञान सम्बन्धी तालिम
- आइएफआरएस सम्बन्धी तालिम
- समितिका कर्मचारीहरुलाई तालिम
- बीमा सर्भेयरको आधारभूत तालिम
- बीमकका कर्मचारीहरुलाई विभिन्न प्रकारका तालिम
- उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि समितिका कर्मचारीलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने
- आर्थिक पत्रकारहरुलाई बीमा सम्बन्धी आधारभूत प्रशिक्षण
- बाली तथा पशुपंछी र लघुबीमा सम्बन्धी तालिम
- निर्जीवन बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिम

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| क्र.स. | कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--------|--|--------------------------|---|
| १ | बीमांकीय विज्ञान सम्बन्धी तालिम | विकास शाखा | कार्य हुन बांकी । |
| २ | आइएफआरएस सम्बन्धी तालिम | विकास शाखा | मिति २०७२०३२९-३० मा संचालन हुने |
| ३ | समितिका कर्मचारीहरुलाई तालिम | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | आवश्यकता अनुसार कर्मचारीहरुलाई तारी लममा सहभागी हुन पठाइरहेको । |
| ४ | बीमा सर्भेयरको आधारभूत तालिम | विकास शाखा | कार्य सम्पन्न भएको । |
| ५ | बीमकका कर्मचारीहरुलाई विभिन्न प्रकारका तालिम | विकास शाखा | कार्य हुन बांकी । |
| ६ | उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि समितिका कर्मचारीलाई छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | सम्पन्न भएको । |
| ७ | आर्थिक पत्रकारहरुलाई बीमा सम्बन्धी आधारभूत प्रशिक्षण | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | कार्य हुन बांकी । |
| ८ | बाली तथा पशुपंछी र लघुबीमा सम्बन्धी तालिम | विकास शाखा | कार्य सम्पन्न भएको । |
| ९ | बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिम | विकास शाखा | कार्य सम्पन्न भएको । |

१०. जनचेतना अभिवृद्धि

क) पृष्ठभूमी :

बीमा ऐन, २०४९ को प्रस्तावना अनुरूप बीमा क्षेत्रलाई विकसित गर्ने जिम्मेवारी समेत समितिको रहेकोले समग्र बीमा क्षेत्रलाई विकसित गर्ने सन्दर्भमा बीमा बारे सर्वसाधारणलाई सुसूचित गर्ने प्रचार प्रसार र जनचेतनामूलक कार्यक्रम अभ्यं प्रभावकारी रूपमा अगाडि बढाउन आवश्यक छ।

ख) हालको अवस्था :

समितिबाट बीमा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने तथा प्रचार प्रसार सम्बन्धी क्रियाकलापहरु हुँदै आएको र सोलाई व्यापकता प्रदान गर्नु पर्ने अवस्था छ।

ग) उद्देश्य :

बीमा बारे सर्वसाधारणमा चेतना अभिवृद्धि गर्ने तथा बीमालाई ग्रामिण क्षेत्र, न्यून आय वर्ग लगायत समाजका सबै तहको पंहुचसम्म पुऱ्याउन बीमा सम्बन्धी विशेष प्रचार प्रसार कार्यक्रम तयार गरी लागू गर्ने

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ५) :

- श्रव्यदृश्य प्रसारण गर्ने
- बीमा समाचार र विचार पत्रिका प्रकाशन गर्ने
- काठमाण्डौ उपत्यका वाहिर १० वटा अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने
- काठमाण्डौ उपत्यका भित्र ५ वटा अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने
- वित्तीय क्षेत्रका नियमनकारीहरुको अन्तर्किया आयोजना गर्ने

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|--------------------------|------------------------------|
| श्रव्यदृश्य प्रसारण गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | श्रव्यदृश्य प्रशारण भइरहेको। |
| बीमा समाचार र विचार पत्रिका प्रकाशन गर्ने | बिकास शाखा | कार्य सम्पन्न भएको। |
| काठमाण्डौ उपत्यका वाहिर १० वटा अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | कार्य भइ रहेको। |
| काठमाण्डौ उपत्यका भित्र ५ वटा अन्तर्रकिया कार्यक्रम गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | कार्य भइ रहेको। |
| वित्तीय क्षेत्रका नियमनकारीहरुको अन्तर्किया आयोजना गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | कार्य सम्पन्न भएको। |

११. बीमाकीय मूल्यांकन निर्देशिका परिमार्जन गर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

बीमकहरुको सम्पत्ति तथा दायित्व सम्बन्धी यथार्थ स्थिति थाहा आवधिक रूपमा थाहा पाउन तयार गरिएको बीमाकीय मूल्यांकन सम्बन्धी निर्देशिकालाई समय सापेक्ष पसिमार्जन गर्नु आवश्यक देखिन्छ। उक्त निर्देशिका बिगत आधा दशक देखि परिमार्जन हुन सकेको छैन।

ख) हालको अवस्था :

जीवन बीमकहरुको बीमांकीय मूल्यांकन सम्बन्धी निर्देशिका मात्र लागू गरिएको, निर्जीवन बीमकहरुको लागि बीमांकीय मूल्यांकन निर्देशिका तयार हुन बाँकी रहेको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको बीमांकीय मूल्यांकन निर्देशिका परिमार्जन गर्ने तथा निर्जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको सोल्भेन्सी मार्जिन सम्बन्धी निर्देशिका तयार गरी लागू गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या १) :

- जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको बीमांकीय मूल्यांकन सम्बन्धी निर्देशिका परिमार्जन गर्ने तथा निर्जीवन बीमहरुको बीमांकीय मूल्यांकन सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|-------------------------|------------------------------------|
| जीवन बीमा व्यवसाय गर्ने बीमकहरुको बीमांकीय मूल्यांकन सम्बन्धी निर्देशिका परिमार्जन गर्ने तथा निर्जीवन बीमहरुको बीमांकीय मूल्यांकन सम्बन्धी निर्देशिका तयार गर्ने | बीमालेख तथा सुशासन शाखा | एक उप समिति गठन भै कार्य भैरहेको । |

१२. तालिमहरूको पाठ्यक्रम पुनरावलोकन गरी तयार गर्ने**क) पृष्ठभूमी :**

समितिबाट संचालन गर्दै आएका बीमा सर्भेयर, बीमा अभिकर्ताहरुको विभिन्न तालिमहरूको पाठ्यक्रम तथा पाठ्य सामाग्रीहरुमा नवीन अभ्यास, प्रचलन तथा सिद्धान्तहरु समेत समेटिने गरी अचावधिक गरी स्तरीकरण गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिले आ.व. ०५७४५८ मा तय गरेको बीमा अभिकर्ताको पाठ्यक्रम एवं आ.व. २०६२/०६३ मा सर्भेयरको पाठ्य सामाग्री तयार गरी सोही अनुरूप तालिम संचालन गर्दै आइरहेको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

बीमा सर्भेयर, जीवन बीमा अभिकर्ता, निर्जीवन बीमा अभिकर्ता, जीवन बीमा अभिकर्ताको पुनर्ताजगी तालिम, निर्जीवन बीमा अभिकर्ताको पुनर्ताजगी तालिम, सर्भेयरको पुनर्ताजगी तालिमको पाठ्यक्रम तथा पाठ्य सामाग्री तयार गरी लागू गर्ने,

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या ३) :

- बीमा सर्भेयरको आभारतूत तालिमको पाठ्यक्रम
- जीवन बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिमको पाठ्यक्रम
- निर्जीवन बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिमको पाठ्यक्रम

ड) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|----------------|---|
| बीमा सर्भेयरको आधारभूत तालिमको पाठ्यक्रम | | उप समिति गठन भई छलफलको क्रममा रहेको । |
| जीवन बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिमको पाठ्यक्रम | बिकास शाखा | जीवन बीमा अभिकर्ता र निर्जीवन बीमा अभिकर्ताको पाठ्यक्रम तयार गरी पेश गरेको । सर्भेयर पाठ्यक्रमलाई अन्तिम रूप दिइ सकिएको । |
| निर्जीवन बीमा अभिकर्ताको आधारभूत तालिमको पाठ्यक्रम | | |

१३. आकस्मिक बीमाकोषलाई पुनर्बीमा कम्पनीमा रूपान्तरण गर्न पहल गर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

पुनर्बीमा बीमा व्यवसायको एउटा आधारस्तम्भ हो । पुनर्बीमा बिना बीमा व्यवसाय सञ्चालन गर्न असम्भवप्रायः छ । नेपालबाट बर्षेनी अबौं रूपैया पुनर्बीमामा नाममा बिदेशिने गर्दछ । त्यसको केही अंश मात्र देशमा रोक्न सकियो भने पनि देशका लागि ठूलो उपलब्धि हुनेछ । हालको आकस्मिक बीमाकोषलाई पुनर्बीमा कम्पनीका रूपमा रूपान्तरण गर्ने कार्य समितिको पहल र सक्रियता बिना सम्भव हुने हुनाले समितिले त्यसतर्फ पहल गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

मिति २०६७ फागुनमा तत्कालीन अर्थमन्त्री समक्ष आकस्मिक बीमाकोषलाई पुनर्बीमा कम्पनीमा रूपान्तरण गर्नका लागि प्रवन्धनपत्र र नियमावली सहित प्रस्ताव पेश गरिएको थियो । तत्पश्चात नेपाल सरकारबाट उक्त कोषलाई पुनर्बीमा कम्पनी बनाउनका लागि एक कार्यदल गठन गरिएको अवस्था छ । यद्यपि उक्त कोषलाई पुनर्बीमा कम्पनी बनाउने कार्यले गति लिन सकेको देखिन्दैन । समितिले त्यसका लागि सर्वप्रथम समितिको दायित्व अन्तर्गत रहेको कोषमा कर्मचारी भर्ना गर्ने लगायतका गृहकार्यहरु गर्न बांकी रहेको अवस्था देखिन्छ ।

ग) उद्देश्य :

आकस्मिक बीमाकोषमा आवश्यक कर्मचारीहरु भर्ना गरी कोषको कार्य सूचारु र चुस्त बनाई कोषलाई पुनर्बीमा कम्पनीमा रूपान्तरण गर्न पहल गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या १) :

- कोषलाई पुनर्बीमा कम्पनीमा रूपान्तरण गर्न पहल गर्ने

ड) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|--|----------------------------|----------------------|
| कोषलाई पुनर्बीमा कम्पनीमा रूपान्तरण गर्न पहल गर्ने | पुनर्बीमा तथा लघुबीमा शाखा | कार्य सम्पन्न भएको । |

१४. समितिको मौतिक पूर्वाधार बिकास गर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

समितिको हालको भवन थप कर्मचारी भर्ना भएमा अपुग हुने हुनाले बिस्तार गर्नका लागि समितिको भवन सहरी क्षेत्रको पाइक पर्ने स्थानमा जग्गा खरिद गर्ने योजना अनुसार ललितपूर, कुपण्डोलमा जग्गा खरिद गरिसकिएको हुनाले समितिको हालको आवश्यकता पूरा गर्नका लागि उक्त स्थानमा भवन निर्माण गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिको नाममा जग्गा खरिद भैसकेको अवस्था छ । उक्त जग्गामा समितिको भवन निर्माण गर्न बांकी रहेको अवस्था छ ।

ग) उद्देश्य :

समितिको लागि नयां भवन निर्माण गर्ने ।

घ) कार्य योजना (कार्य संख्या २) :

- भवन निर्माणको योजना तयार गर्ने
- भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ गर्ने

इ) बँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|----------------------------------|--------------------------|-------------------------------------|
| भवन निर्माणको योजना तयार गर्ने | कार्यालय व्यवस्थापन शाखा | कार्य हुन बांकी । |
| भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ गर्ने | | साबिकको भवनमा मर्मत संभार भइरहेको । |

१५. बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने ।

क) पृष्ठभूमी :

बीमा क्षेत्रमा आवश्यक जनशक्तिको पर्याप्त मात्रामा आपूर्ति हुन नसकेको र भएका जनशक्तिहरु पनि पेशागत रूपले दक्ष नभएको कारणले नेपाली बीमा बजारको पेशागत क्षमता ज्यादै न्यून देखिन्छ । जसको कारणले काम गर्न धेरै समय र लागत लाग्नुका साथै उत्पादकत्वमा समेत उल्लेख्य मात्रामा कमी आउँछ । बीमा नितान्त प्राविधिक विषय भएको हुनाले प्राज्ञिक रूपले सक्षम व्यक्तिहरु समेत बीमामा दक्ष नहुन सक्छन् । त्यसकारण बीमा सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्नका लागि छुटौ प्रतिष्ठान स्थापना गर्न बाब्चनीय देखिन्छ ।

ख) हालको अवस्था :

समितिमा विगत डेढ दशकदेखि बीमा प्रतिष्ठानको कुरा उठिरहेको र समितिबाट पटक पटक प्रतिष्ठान स्थापनाका प्रयासहरु पनि भएको हो । यद्यपि यसले सरकारात्मक रूप लिन सकेको छैन । भारत, मलेसिया, थाइल्याण्ड जस्ता देशहरुले यस्तै संस्थाद्वारा थुपै जनशक्तिहरु उत्पादन गरिरहेको बर्तमान अवस्थामा समितिले यस्तो प्रतिष्ठान स्थापना गर्न ढिला भइसकेको अवस्था छ । छूटौ प्रतिष्ठान स्थापना गर्न सम्भव नदेखिएको खण्डमा समितिको तालिम शाखालाई बीमा प्रतिष्ठान जस्तै बीमा सम्बन्धी जनशक्ति स्थापना गर्ने इकाईका रूपमा बिकास गर्न आवश्यक देखिन्छ ।

ग) उद्देश्य :

बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तय गरी बीमा प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था तर्जुमा गर्ने तथा बीमा प्रतिष्ठान स्थापना गर्ने ।

घ) कार्य योजना :

- बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तय गर्ने
- बीमा प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था तय गर्ने

ङ) बुँदागत समिक्षा :

| कार्यक्रम | जिम्मेवार शाखा | प्रगति |
|---|----------------|-------------------|
| बीमा प्रतिष्ठानको मोडालिटी तय गर्ने | नियमन शाखा | कार्य हुन बांकी । |
| बीमा प्रतिष्ठान सम्बन्धी कानूनी व्यवस्था तय गर्ने | नियमन शाखा | कार्य हुन बांकी । |



बीमा समिति
BEEMA SAMITI
Insurance Regulatory Authority of Nepal

बीमा समितिको आ.व. २०७९।०९।३ को

समितिबाट रवीकृत

- ◆ आरद्धानी तथा खर्चको अनुमानित विवरण
- ◆ आ.व. २०७९।७।२ को जेठ महान्ठि सरगमको आय व्ययको समिक्षा
- ◆ आ.व. २०७९।९।३ को अनुमानित आय व्यय विवरण
- ◆ आ.व. २०७९।१०।७।२ को आय व्यय हिसाब विवरण

बीमा समिति

आम्दानी तथा खर्चको अनुमानित बिवरण

(आ.ब.२०७२।७३)

प्रस्तावना

बीमा ऐन, २०४९ ले निर्धारण गरेको उद्देश्य प्राप्तिका लागि स्थापित यस समितिले नेपालको बीमा नियमनकारी निकायको रूपमा कार्य गर्दै आइरहेको छ। सोही ऐनको दफा ३४ ले समितिको एउटा छुटौ कोष हुने तथा दफा ३४क. ले समितिको तर्फबाट गरिने खर्चहरु दफा ३४ बमोजिमको कोषमा जम्मा गरेको रकमबाट व्यहोरिने व्यवस्था गरे अनुरूप समितिले आफ्नो आर्थिक क्रियाकलाप सञ्चालन गर्दै आएको छ।

आर्थिक तथा लेखा पद्धतीय सिद्धान्त अनुरूप होके आर्थिक वर्षको आम्दानी र खर्चको पूर्वानुमानका आधारमा वार्षिक बजेट तर्जुमा गरी सोही अनुरूप कार्यान्वयन गर्नुपर्ने भएकोले समितिको आ.ब. २०७२।७३ को अनुमानित आय व्ययको विवरण तयार गरिएको छ।

बजेट निर्देशिका, २०६९ मा उल्लेख भए बमोजिम आम्दानीका विभिन्न ९ वटा शीर्षकहरु तथा खर्चका विभिन्न १३ वटा शीर्षकहरु भित्र रही आम्दानी तथा खर्चको पूर्वानुमान गरिएको छ। आम्दानी तथा खर्चका शीर्षकहरुलाई सोही निर्देशिका अनुरूप उपशीर्षक र ति उपशीर्षकलाई लेखा प्रयोजनका लागि सहायक शीर्षकहरुमा समेत विभाजन गरिएको छ।

उद्देश्य

योजनाबद्ध ढंगबाट आर्थिक क्रियाकलाप सञ्चालन गर्नु, वित्तीय पारदर्शिता कायम गर्नु, आर्थिक अनुशासन तथा जवाफदेहिता कायम गर्नु, सीमित साधनबाट अधिकतम उपलब्धि हासिल गर्नु र योजना तथा कार्यक्रमको सफलतापूर्वक कार्यान्वयन गर्नु यस बजेटका मुख्य उद्देश्यहरु रहेका छन्।

आ.ब. २०७२।७३ को प्रस्तावित आय व्यय बिवरणका विशेषताहरु

- १ प्रचलित बीमा ऐन, बीमा नियमावली, बीमा समिति कर्मचारी सेवा शर्त विनियमावली, अन्य सम्बन्धित कानूनी व्यवस्थाहरु तथा प्रचलन र परम्पराको आधारमा समितिको आय व्यय अनुमान गरिएको छ।
- २ बीमा ऐन, २०४९ को दफा ३४ को व्यवस्था अनुरूप आम्दानीका मूल शीर्षकहरु कायम गरिनुका साथै आम्दानीको भार तथा महत्वका आधारमा आम्दानीका उप शीर्षकहरु कायम गरिएका छन्।
- ३ बीमा समिति बजेट निर्देशिका, २०६९ ले अवलम्बन गरेको लेखा प्रणाली अनुरूप खर्चको मूल शीर्षक तथा उपशीर्षकहरु कायम गरिएका छन्।
- ४ विगतमा कुनै एउटा शीर्षकमा समावेश गरिए आएको खर्चलाई प्रकृतिको आधारमा उपयुक्त शीर्षक वा उपशीर्षकमा समावेश गरिएको छ।
- ५ प्राप्त तथ्यांकको आधारमा यथासम्भव यथार्थपरक ढंगले आम्दानी तथा खर्चको पूर्वानुमान गरी सो को पुष्टचाई संलग्न गरिएको छ। पुष्टचाई संलग्न गर्न सम्भव नभएका आम्दानी तथा खर्चहरुको हकमा विगतको अनुभवलाई आधार मानिएको छ।

आ.ब. २०७१।७२ को जेठ मसान्त सम्मको आय व्ययको समिक्षा

आम्दानी तर्फ

आ.व. २०७१।७२ मा ३२ करोड ९१ लाख ४ हजार रुपैया कूल आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ३५ करोड १२ लाख ४ सय ३४ पैसा आम्दानी भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा बीमक, बीमा अभिकर्ता तथा सर्भेयर दर्ता/नविकरणबाट ३ करोड ५० लाख ३४ हजार रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा २ करोड ६७ लाख १९ हजार ९ सय २५ रुपैया आम्दानी भएको छ।

बीमकले समितिलाई बुझाउनु पर्ने सेवा शुल्कबाट २६ करोड रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ३० करोड ९९ लाख ४ हजार ८ सय रुपैया २ १० पैसा आम्दानी भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा समितिले बिभिन्न बैंकमा जम्मा गरेको मुद्रित निक्षेपबाट ३ करोड ३५ लाख रुपैया खुद व्याज आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ३ करोड ४२ लाख ३४ हजार ७ सय ३५ रुपैया २ १ पैसा आम्दानी भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा अभिकर्ता तालिम र सर्भेयर तालिमको तालिम शुल्क बाट ४ लाख ९० हजार रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा २ लाख १५ हजार रुपैया आम्दानी भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा अन्य आम्दानी शीर्षकबाट ५० हजार रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा १ लाख २६ हजार २ रुपैया २ २३ पैसा आम्दानी भएको छ।

खर्च तर्फ

आ.व. २०७१।७२ मा ७३ करोड ८६ लाख ७२ हजार ८ सय ८८ रुपैया कूल खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ७ करोड २१ लाख ९९ हजार १ सय ८ रुपैया खर्च भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा चालू खर्च तर्फ १८ करोड ९९ लाख १४ हजार ६ सय २० रुपैया तथा पूँजीगत खर्च तर्फ ५५ करोड ६७ लाख ५८ हजार २ सय ६८ रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा चालू खर्च तर्फ २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ६ करोड ६२ लाख ८९ हजार ५ सय ६४ रुपैया खर्च भएको छ, भने पूँजीगत खर्चतर्फ २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ५९ लाख ९ हजार ५ सय ४४ रुपैया खर्च भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा चालू खर्च अन्तर्गत उपभोग खर्च शीर्षकमा ११ करोड ७६ लाख ८ हजार ६ सय ३ रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ३ करोड ७७ लाख ७९ हजार ८७ रुपैया खर्च भएको छ। त्यसै गरी कार्यालय सञ्चालन खर्च शीर्षकमा ३ करोड ६ लाख ६३ हजार ५ सय १७ रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा १ करोड ६ लाख १७ हजार ९ सय ६६ रुपैया खर्च भएको छ। अनुदान खर्च शीर्षकमा २९ लाख ८५ हजार रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा १ करोड २६ लाख २४ हजार ६ सय ६० रुपैया खर्च भएको छ। सेवा खर्च शीर्षकमा २ करोड ९९ लाख ५२ हजार ५ सय रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा ५० लाख ४५ हजार ३ सय ४२ रुपैया पचास पैसा खर्च भएको छ। त्यसै गरी भैपरी आउने शीर्षकमा ६ लाख २५ हजार रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा २ लाख २२ हजार ५ सय ९ रुपैया खर्च भएको छ।

आ.व. २०७१।७२ मा पूँजीगत खर्च अन्तर्गत पूँजी निर्माण खर्च शीर्षकमा ५३ करोड ४९ लाख ५० हजार रुपैया तथा लगानी खर्च शीर्षकमा २ करोड १५ लाख ८ हजार २ सय ६८ रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएकोमा पूँजी निर्माण खर्चमा २०७२ साल जेठ मसान्त सम्ममा १५ लाख ३३ हजार ५ सय ४ रुपैया खर्च भएको छ ।

आ.व. २०७२।७३ को अनुमानित आय व्यय विवरण

आम्दानी तर्फ

आ.व. २०७२।७३ मा ४६ करोड २२ लाख ७ हजार ८ सय ४० रुपैया कूल आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

आ.व. २०७२।७३ मा बीमक, बीमा अभिकर्ता, सर्भेयर, दलालको दर्ता तथा नविकरण दस्तुरबाट ३ करोड १० लाख ८९ हजार २ सय ४० रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

बीमकले समितिलाई बुझाउनु पर्ने सेवा शुल्कबाट ३७ करोड रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

समितिले विभिन्न बैंकमा जम्मा गरेको मुद्रित निष्पेकबाट ६ करोड रुपैया खुद व्याज आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

अभिकर्ता तालिम र सर्भेयर तालिमको तालिम शुल्क बाट ९ लाख ८० हजार रुपैया आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएको छ । साथै अन्य आम्दानी १ लाख ३८ हजार ६ सय रुपैयाँ आम्दानी हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

खर्च तर्फ

आ.व. २०७२।७३ मा ८२ करोड ४२ लाख २० हजार ४ सय ७३ रुपैया कूल खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

आ.व. २०७२।७३ मा चालू खर्च तर्फ ७८ करोड ५० लाख ९७ हजार ९२ रुपैया तथा पूँजीगत खर्च तर्फ ३ करोड ९१ लाख २३ हजार ३ सय ८१ रुपैयाँ खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

चालू खर्च अन्तर्गत उपभोग खर्च शीर्षकमा ११ करोड ५२ लाख ६८ हजार ६ सय ३८ रुपैया, कार्यालय सञ्चालन खर्च शीर्षकमा ३ करोड १८ लाख १५ हजार ९ सय ५४ रुपैया, अनुदान खर्च शीर्षकमा ३० लाख १० हजार रुपैया, सेवा खर्च शीर्षकमा ६३ करोड ४४ लाख २ हजार ५ सय रुपैया तथा भैपरी आउने शीर्षकमा ६ लाख रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

पूँजीगत खर्च अन्तर्गत पूँजी निर्माण खर्च शीर्षकमा ३ करोड ९ लाख ८ लगानी खर्च शीर्षकमा ८२ लाख २३ हजार ३ सय ८१ रुपैया खर्च हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

आ.व. २०७१/०७२ को आय व्यय हिसाब विवरण

बीमा समिति

चावहिल, काठमाण्डौ

आय व्यय विवरण

१ श्रावण २०७१ देखि अषाढ मसान्त २०७२ (१६ जुलाई २०१४ देखि १६ जुलाई २०१५) सम्मको

| विवरण | अनुसूची नं. | यस वर्षको रकम | गत वर्षको रकम |
|--|-------------|---------------|---------------|
| सेवाबाट प्राप्त आमदानी | | | |
| दर्ता एवं नवीकरण शुल्क | १५ | ३२,१५०,६२५ | ३६,९०९,५८३ |
| सेवा शुल्क | १६ | ३४०,६८५,१७८ | ४२९,५३८,८३६ |
| ब्याज आमदानी | १७ | ३७,३५५,७१७ | ९१,५२१,९९२ |
| तालिम शुल्क | | २८०,००० | २२०,००० |
| अन्य आमदानी | १८ | ११३,६७९ | १,६२५,१५३ |
| जम्मा आमदानी | | ४९०,५८५,१९९ | ५५९,८१५,५६४ |
| खर्चः | | | |
| कर्मचारीको खर्च एवं भत्ताहरु | १९ | ३५,३६१,१७४ | २६,२२७,१०६ |
| संचालन खर्च | २० | ३०,८१२,४९२ | २०,८६३,१३९ |
| वित्तिय खर्च | २१ | - | - |
| हास खर्च | ४ | ६,३८०,६३८ | ४,५७७,३३१ |
| जम्मा खर्च | | ७२,५५४,३०३ | ५१,६६७,५७५ |
| आयकर कट्टी गर्नु अघिको खुद बचत | | ३३८,०३०,८९६ | ५०८,१४७,९८९ |
| आयकरको व्यवस्था | | | |
| यस वर्षको कर (टिप्पणी ३.९.१ अनुसार) | | - | - |
| स्थगन कर (टिप्पणी ३.९.२ अनुसार) | | - | - |
| आयकर कट्टी पछिको खुद बचत वासलातमा सारेको | | ३३८,०३०,८९६ | ५०८,१४७,९८९ |
| १४ देखि २१ सम्मका अनुसूचीहरु नाफा नोक्सान हिसाबका अभिन्न अंग हून्। | | | |

नोट : आ.व. २०७१/०७२ को आय व्यय हिसाब विवरण श्री महालेखा परिक्षकको विभाग बाट लेखा परिक्षण भई नसकेको ।



खण्ड-ग

अनुसूचीहरू

- * बीमा समितिका कर्मचारीहरूको नामावली (अनुसूची-१)
- * बीमा समितिको बर्तमान संगठन संरचना (अनुसूची-२)
- * आ.व. २०७९।७२ मा बीमा समितिबाट निर्णय भएका मुद्दाको विवरण (अनुसूची-३)

अनुसूची-१

बीमा समितिमा कार्यरत आवधिक/करार कर्मचारीहरूको विवरण

| क्र.सं. | कर्मचारीहरूको नाम | पद | स्थायी/करार विवरण |
|---------|-----------------------------|----------------------|-------------------|
| १ | प्रा.डा. फत्त बहादुर के.सी. | अध्यक्ष | आवधिक |
| २ | श्री श्रीमान कार्की | निर्देशक | स्थायी |
| ३ | श्री राजु रमण पौडेल | निर्देशक | स्थायी |
| ४ | श्री सन्तोष प्रसाई | चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट | करार |
| ५ | श्री दामोदर भण्डारी | उप निर्देशक | स्थायी |
| ६ | श्री सुशील देव सुवेदी | उप निर्देशक | स्थायी |
| ७ | श्री कुन्दन सापकोटा | उप निर्देशक | स्थायी |
| ८ | श्री राजेन्द्र पौडेल | उप निर्देशक | - |
| ९ | श्री ध्व तिमिल्सना | उप निर्देशक | स्थायी |
| १० | श्री राजकुमार अर्याल | उप निर्देशक | स्थायी |
| ११ | श्री पूजन दुग्गेल (अधिकारी) | उप निर्देशक | स्थायी |
| १२ | श्री दिनेश कुमार लाल | उप निर्देशक | स्थायी |
| १३ | श्री लक्ष्मण ज्ञवाली | चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट | करार |
| १४ | श्री सन्तोष कार्की | चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट | करार |
| १५ | श्री लोक बहादुर अधिकारी | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| १६ | श्री केशव प्रसाद दाहाल | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| १७ | श्री कुशुम शर्मा | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| १८ | श्री ओम बहादुर अधिकारी | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| १९ | श्री दिपक ढकाल | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| २० | श्री लक्ष्मी ढकाल | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| २१ | श्री पुनम ज्ञवाली (श्रेष्ठ) | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| २२ | श्री प्रदिप गौतम | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| २३ | श्री निशा घिमिरे | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| २४ | श्री समुन्द्र लाल राई | सहायक निर्देशक | करार |
| २५ | श्री विरोध भट्ट | कानून अधिकृत | करार |
| २६ | श्री सुनिता कुमारी कार्की | सहायक प्रथम | स्थायी |
| २७ | श्री पुर्ण बहादुर थापा | सहायक प्रथम | स्थायी |
| २८ | श्री शम्भु प्रसाद मिश्र | सहायक प्रथम | स्थायी |
| २९ | श्री गिता आचार्य | सहायक प्रथम | स्थायी |
| ३० | श्री जमुना अर्याल | सहायक प्रथम | स्थायी |
| ३१ | श्री रुकु फुयाँल | सहायक प्रथम | करार |

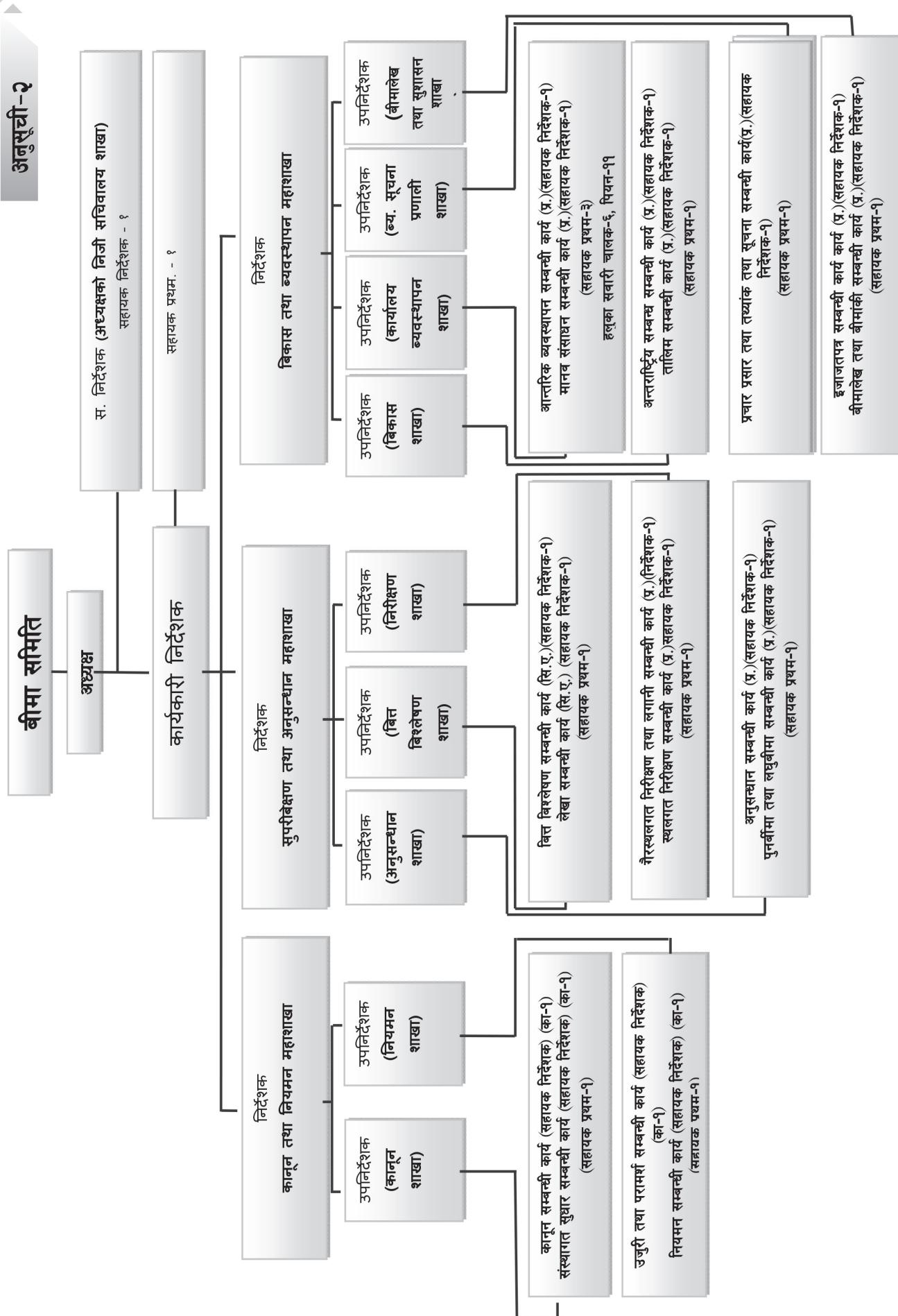
| | | | |
|----|-----------------------------|-----------------|--------|
| ३२ | श्री भान्जा काजी बज्जाचार्य | लाइब्रेरियन | करार |
| ३३ | श्री बल बहादुर बोहरा | चालक | स्थायी |
| ३४ | श्री सानु काजी कुवर | चालक | स्थायी |
| ३५ | श्री रुद्र श्रेष्ठ | चालक | करार |
| ३६ | श्री अमित सिलवाल | चालक | करार |
| ३७ | श्री भेष राज भट्ट | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ३८ | श्री पिताम्बर पराजुली | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ३९ | श्री राजेन्द्र खतिवडा | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४० | श्री प्रभुनाथ ओझा | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४१ | श्री हुम बहादुर सारु | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४२ | श्री गणेश राज पाण्डे | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४३ | श्री वैकुण्ठ घिमिरे | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४४ | श्री हरि बहादुर सुवेदी | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४५ | श्री हरेराम श्रेष्ठ | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४६ | श्री दिपक प्याकुरेल | कार्यालय सहयोगी | स्थायी |
| ४७ | श्री हरि कृष्ण पोडे | स्वीपर | स्थायी |

बीमा विज्ञ

| | | | |
|---|--------------------|------------|------|
| १ | श्री भोज राज शर्मा | बीमा विज्ञ | करार |
|---|--------------------|------------|------|

आ.त. २०७२ १०६ १२१ देखि थपिएका कर्मचारीहरू

| | | | |
|----|------------------------------|----------------|--------|
| १ | श्री कमल प्रसाद रेग्मी | निर्देशक | स्थायी |
| २ | श्री शाम्भ राज लामिछाने | उप निर्देशक | स्थायी |
| ३ | श्री राजेन्द्र महर्जन | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| ४ | श्री मंजु थापा | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| ५ | श्री पदम प्रसाद सोडारी | सहायक निर्देशक | स्थायी |
| ६ | श्री सीता पाण्डे | सहायक प्रथम | स्थायी |
| ७ | श्री शेखर प्रसाद शर्मा | सहायक प्रथम | स्थायी |
| ८ | श्री टेकराज पाण्डेय | सहायक प्रथम | स्थायी |
| ९ | श्री दिपक कार्की | सहायक प्रथम | स्थायी |
| १० | श्री सुन्दर प्रसाद शर्मा | सहायक प्रथम | स्थायी |
| ११ | श्री सुनिता थापा मगर | सहायक प्रथम | स्थायी |
| १२ | श्री उर्मिला भुजेल (श्रेष्ठ) | कार्यालय सहयोग | करार |



**समितिमा दर्ता भई आ.त. २०७१।०७२ मा निर्णय/सहमति भएका तथा
तामेलीमा रहेका मुद्दाको संख्या**

| क्र.सं. | उजुरी मिति | निवेदक | बीमक | मुद्दाको विषय | मुद्दाको अवस्था | निर्णय मिति अ.त्या.समेत |
|---------|-------------|----------------------------|----------------------|-----------------------|-----------------|-------------------------|
| १ | २०६२।२।२३ | युगल किशोर शाह | एनवी इ.कं.लि. | सामुद्रिक बीमा दाबी | तामेली | - |
| २ | २०६५।४।१६ | जोमसोम रिसोर्ट प्रा.लि. | एलाइन्स इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | तामेली | - |
| ३ | २०६६।४।२६ | अविनास जयसवाल | रा.बीमा संस्थान | मोटर बीमा दाबी | तामेली | - |
| ४ | २०६६।१।२।३१ | अरुण कुमार महतो | एनवी इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | तामेली | - |
| ५ | २०६७।४।१३ | खड्ग बहादुर गुरुङ | प्राइम लाइफ इ.कं.लि. | बैदेशिक रो.बीमा दाबी | तामेली | - |
| ६ | २०६७।४।१७ | वीरेन्द्र खड्का | एलाइन्स इ.कं.लि. | औषधोपचार बीमा | सहमति | (२०७।०७२) |
| ७ | २०६७।१।२।११ | सिताराम थापा | एनएलजी इ.कं.लि. | - | सहमति | (२०७।०७२) |
| ८ | २०६८।१।२।१९ | प्रदिप एण्ड कंपनी | एनवी इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | तामेली | - |
| ९ | २०६८।४।२७ | लक्ष्मी राय | एभरेष्ट इ.कं.लि. | मोटर (औषधोपचार) | | |
| १० | २०६८।१।४।४ | जय एक्सपोर्ट प्रा.लि. | नेशनल इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | तामेली | |
| ११ | २०६८।१।०।९ | चक बहादुर शाह | सिद्धार्थ इ..लि. | इन्जिनियरिंग तथा ठे. | निर्णय | २०७।।८।।८ |
| १२ | २०६८।१।१।७ | जयराम थापा | मेट लाइफ एलिको | बैदेशिक रोजगार | तामेली | |
| १३ | २०६८।१।२।६ | नारायणी या.व्य.संघ | नेपाल इ.कं.लि. | मोटर (औषधोपचार) | निर्णय | २०७।।१।२।४ |
| १४ | २०६९।३।४ | अर्जुन सुवेदी | रा.बीमा संस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |
| १५ | २०६९।।।३१ | टेलिकम्प्युनिकेशन प्रा.लि. | नेको इ. कं. लि. | ठेकेदार सम्पूर्ण बीमा | | |
| १६ | २०६९।३।४ | प्रकाश व. मानन्धर | दि.ओ.इ.कं.लि. | ठे.सम्पूर्ण जोखिम | निर्णय | २०७।।८।।८ |
| १७ | २०६९।।।२१ | इन्फ्राटेक प्रा.लि. | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७।।८।।८ |
| १८ | २०६९।।।३१ | देवेन्द्र कुमार खड्का | रा.बीमा संस्थान | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७।।८।।८ |
| १९ | २०६९।।।८ | टिकाराम लामिछाने | रा.बीमा संस्थान | मोटर बीमा दाबी | सहमति | (२०७।।०७२) |
| २० | २०६९।।।०।७ | सुशील काजी बाँनीया | सगरमाथा इ.कं.लि. | इन्जिनियरिंग तथा ठे. | निर्णय | २०७।।५।।२७ |
| २१ | २०६९।।।१।२ | प्रमिल बम मल्ल | अमेरिकन ला.इ.कं. | जीवन बीमा मृत्यु | निर्णय | २०७।।५।।२७ |
| २२ | २०६९।।।०।६ | करन बहादुर चोखाल | एनएलजी इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | निर्णय | २०७।।५।।२७ |
| २३ | २०६९।।।१।० | गोकुल क्षेत्री | अमेरिकन ला.इ.कं. | जीवन बीमा दाबी | | |
| २४ | २०६९।।।२।१ | लोकराज उपाध्याय | सगरमाथा इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | तामेली | |
| २५ | २०६९।।।२।५ | सुरेन्द्र कुँवर | हिमालयन ज.इ.कं.लि. | ठे. सम्पूर्ण जोखिम | | |
| २६ | २०६९।।।२।८ | सहदय राज घिमि | नेशनल इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | | |
| २७ | २०६९।।।२।९ | वासु प्रसाद सापकोटा | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर औषधोपचार | निर्णय | २०७।।८।।८ |
| २८ | २०७०।।।१२ | देवी व.बुढाथोकी | रा.बीमा संस्थान | एक्साभेटर बीमा दाबी | | |
| २९ | २०७०।।।१० | बोजिनी कं प्रा.लि. | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | ठेकेदार जो. बीमा | निर्णय | २०७।।९।।८ |
| ३० | २०७०।।।३० | निमेश श्रेष्ठ | नेको इन्सुरेन्स लि. | ठेकेदार जो. बीमा | | |
| ३१ | २०७०।।।२२ | प्रेम प्रसाद दाहाल | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर औषधोपचार | निर्णय | २०७।।१।।१९ |
| ३२ | २०७०।।।७ | वीरेन्द्र प्रसाद यादव | प्रिमियर इ.कं(ने)लि. | मोटर तेस्रो पक्ष दाबी | | |
| ३३ | २०७०।।।२१ | शम्भु प्रसाद रिजाल(१९१३) | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर तेस्रो पक्ष दाबी | निर्णय | २०७।।१।।१९ |
| ३४ | २०७०।।।२६ | प्रेम बहादुर शाह | रा.बीमा संस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |

| क्र.सं. | उजुरी मिति | निवेदक | बीमक | मुद्दाको विषय | मुद्दाको अवस्था | निर्णय मिति अ.ल्या.समेत |
|---------|------------|------------------------|----------------------|-------------------------|-----------------|-------------------------|
| ३५ | २०७०।३।२० | तेजिङड शेपा | एनएलजी इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| ३६ | २०७०।४।७ | भोजराज रेम्मी | पुडेन्सियल इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७१।८।८ |
| ३७ | २०७०।४।७ | दिनेश मल्ल | रा.बीमा सस्थान | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७१।५।२७ |
| ३८ | २०७०।४।८ | कृष्ण व. राजभण्डारी | नेशनल ला.इ.कं.लि. | जीवन बीमा बोनसदर | निर्णय | २०७१।९।१४ |
| ३९ | २०७०।४।९ | भरत वहादुर चन्द्र | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दुर्घटना | निर्णय | २०७१।५।२७ |
| ४० | २०७०।४।९ | प्रेम वहादुर शाह | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७१।९।१९ |
| ४१ | २०७०।४।२३ | गणेश प्र. नेउपाने | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| ४२ | २०७०।४।३१ | सिमा शाही | लाइफ इ.क.(ने)लि. | जीवन बीमा दाबी | निर्णय | २०७।८।८ |
| ४३ | २०७०।५।१९ | देवेन्द्र भा | सगरमाथा इ.कं.लि. | सामुद्रिक बीमा दाबी | | |
| ४४ | २०७०।५।२६ | नविन कुमार शाही | नेशनल इ.कं.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७।५।२७ |
| ४५ | २०७०।६।३ | कल्यना वस्नेत | लाइफ इ.क. (ने) लि. | जीवन बीमा दाबी | निर्णय | २०७।८।८ |
| ४६ | २०७०।६।७ | भिम वहादुर घलान | शिखर इ.कं.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ४७ | २०७०।६।१० | विकासमान लामा | एभरेष्ट इ.क. लि. | | तामेली | |
| ४८ | २०७०।६।२१ | उमेश गुरागाई | एनएलजी इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| ४९ | २०७०।७।७ | गणेश प्रसाद दुलाल | नेको इ. क. लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| ५० | २०७०।७।२१ | रुट्स नेपाल प्रा.लि. | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | | | |
| ५१ | २०७०।७।२६ | प्रविण प्रकाश क्षेत्री | पुडेन्सियल इ.कं.लि. | बैकर्स इन्डेमिटी | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ५२ | २०७०।८।१८ | राजीव मानन्धर | नेशनल इ.कं.लि. | अग्नी बीमा दाबी | | |
| ५३ | २०७०।८।१९ | करुणानिधी ए. प्रा.लि. | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |
| ५४ | २०७०।९।८ | हिमलाल रसाइली | सगरमाथा इ.कं.लि. | चोरी बीमा दाबी | | |
| ५५ | २०७०।९।४ | रमेश तामाड | शिखर इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७।५।२७ |
| ५६ | २०७०।९।४ | मनोज कुमार गुप्ता | एनएलजी इ.कं.लि. | अग्नी बीमा दाबी | | |
| ५७ | २०७०।९।५ | दुर्गादास महर्जन | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ५८ | २०७०।९।२५ | सच्चिदानन्द कुम्हाल | पुडेन्सियल इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ५९ | २०७०।९।२५ | सच्चिदानन्द कुम्हाल | एनएलजी इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ६० | २०७०।१०।३ | चोप नारायण श्रेष्ठ | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| ६१ | २०७०।१०।२८ | शिवहरि वर्तौला | यूनाइटेड इ.क.(ने) लि | मोटर बीमा दाबी | | |
| ६२ | २०७०।११।१ | अर्जुन यादव | सगरमाथा इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ६३ | २०७०।११।६ | कुमार भण्डारी | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | एक्साभेटर बीमा दाबी | निर्णय | ०७।११।१९ |
| ६४ | २०७०।११।८ | राज कुमार घिमिरे | यूनाइटेड इ.क.(ने)लि | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।१।२१७ |
| ६५ | २०७०।११।८ | महेश राज पन्त | यूनाइटेड इ.कं. | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।१।२१७ |
| ६६ | २०७०।११।८ | महेश राज पन्त | यूनाइटेड इ.कं. | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।१।२१७ |
| ६७ | २०७०।११।८ | सोमनाथ पौडेल | यूनाइटेड इ.कं. | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।१।२१७ |
| ६८ | २०७०।११।८ | महेश राज पन्त | यूनाइटेड इ.कं. | अग्नि बीमा दाबी | निर्णय | २०७।१।२१७ |
| ६९ | २०७०।११।३ | विसुकला सुनुवार | सिद्धार्थ इ. लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७।९।१४ |
| ७० | २०७०।११।२८ | हरि कुमार श्रेष्ठ | एभरेष्ट इ.कं.लि. | | | |
| ७१ | २०७०।१२।१८ | रामजी प्रसाद श्रेष्ठ | एभरेष्ट इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | सहमति | (२०७।०।७२) |
| ७२ | २०७०।१२।३ | सरस्वति ज्ञवाली | एशियन ला.इ.कं.लि. | जीवन बीमा मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७।५।२७ |
| ७३ | २०७०।१२।२० | पूर्णकान्त मैनाली | एलाइन्स इ.कं.लि. | मोटर बीमा (चोरी)दाबी | | |

| क्र.सं. | उजुरी मिति | निवेदक | बीमाक | मुद्दाको विषय | मुद्दाको अवस्था | निर्णय मिति अ.ल्या.समेत |
|---------|--------------|---------------------------|---------------------|----------------------------|-----------------|-------------------------|
| ७४ | २०७०।१।२१।२३ | यज्ञराज तिमिल्सना | नेको इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | निर्णय | २०७१।१।१८ |
| ७५ | २०७०।१।२१।८ | लाल वहादुर श्रेष्ठ | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा मृत्यु दाबी | | |
| ७६ | २०७१।१।८ | दुण्डी राज कंडेल | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |
| ७७ | २०७१।१।२३ | नागेन्द्र प्रसाद राय | एनवी इ.कं.लि. | मार्गस्थ नगद बीमा | | |
| ७८ | २०७१।१।२५ | चन्द्रिका रुपाखेती | नेपाल इ.कं.लि. | मेशनरी ब्रेक डाउन | | |
| ७९ | २०७१।१।२६ | वास टेक्नोलोजी | सिद्धार्थ इ.लिमिटेड | चोर बीमा दाबी | | |
| ८० | २०७१।१।२७ | कृष्ण प्रसाद श्रेष्ठ | एभरेस्ट इ.कं.लि. | सामुद्रिक बीमा दाबी | | |
| ८१ | २०७१।१।२२ | प्रमोद खनाल | दि.ओ.इ.कं.लि. | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| ८२ | २०७१।१।२३० | दिपेन्द्र वहादुर सिंह | दि.ओ.इ.कं.लि. | बैदेशिक रोजगार बीमा | | |
| ८३ | २०७१।१।३५ | लोक वहादुर महत | लाइफ इ.क.(ने) लि. | जीवन बीमा मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७१।१।१४ |
| ८४ | २०७१।१।३६ | संजिता शर्मा भट्ट | लाइफ इ.क.(ने) लि. | जीवन बीमा मृत्यु दाबी | | |
| ८५ | २०७१।१।३१५ | पवन देवी यादव | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| ८६ | २०७१।१।३१६ | शिव कुमार गुरुङ | नेको इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| ८७ | २०७१।१।३२२ | वेदमणी अधिकारी | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | सहमति | (२०७१।१।२) |
| ८८ | २०७१।१।३२४ | मोहनराम दुंगाना | एनएलजी इ.कं.लि. | चोरी बीमा दाबी | | |
| ८९ | २०७१।१।३३१ | भक्त वहादुर गुरुङ | एनवी इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | | |
| ९० | २०७१।१।३३१ | महावीर शाह | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | | |
| ९१ | २०७१।४।१८ | सरला न्यौपाने | रा.बीमा सस्थान | जीवन बीमा मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७२।१।२० |
| ९२ | २०७०।४।१६ | प्रेम वहादुर शाह | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७१।१।१९ |
| ९३ | २०७१।४।२१ | रामचन्द्र उप्रेती | नेपाल इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष | | |
| ९४ | २०७१।४।२९ | बुद्धि प्रसाद आचार्य | यूनाइटेड इ.कं.(ने) | मोटर बीमा दाबी | | |
| ९५ | २०७१।४।४४ | गीता कुमारी शाह | नेपाल इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | | |
| ९६ | २०७१।४।१० | नरेन्द्र कुमार सिंह | यूनाइटेड इ.क.(ने)लि | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| ९७ | २०७१।४।२४ | कुश विकम राणा | रा.बीमा सस्थान | सामुहिक दुर्घटना दाबी | | |
| ९८ | २०७१।४।२६ | नरेश प्रसाद गुप्ता | सगरमाथा इ.कं.लि. | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| ९९ | २०७१।४।२६ | मुकुन्द राज शर्मा | नेपाल इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १०० | २०७१।४।२६ | नवीन कुमार शाही | नेशनल इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | निर्णय | २०७१।४।२७ |
| १०१ | २०७१।४।३१ | निरज वार्ले | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |
| १०२ | २०७१।४।३१ | जितेन्द्र प्रसाद शाह | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १०३ | २०७१।४।३१ | कृष्ण वहादुर सापकोटा | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| १०४ | २०७१।६।३० | ज्ञान वहादुर राउत | नेपाल ला.इ.कं.लि. | बैदेशिक रोजगार बीमा दाबी | | |
| १०५ | २०७१।७।३ | उमा भट्टराई उप्रेती | एनवी इ.कं.लि. | चोरी बीमा दाबी | | |
| १०६ | २०७१।७।७ | हरि प्रसाद पौडेल | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | सहमति | (०७१।०७२) |
| १०७ | २०७१।७।८ | हरि प्रसाद पौडेल | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | सहमति | (०७१।०७२) |
| १०८ | २०७१।७।८ | बालाजी इन्प्रेसन प्रा.लि. | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १०९ | २०७१।७।२५ | देवीसरा डाँगी | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | | |
| ११० | २०७१।८।३० | उमेश नारायण मानन्धर | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १११ | २०७१।८।३० | ज्ञानकृष्ण अधिकारी | नेपाल इ.कं.लि. | बैकिड कसुर दाबी | | |
| ११२ | २०७१।८।३० | सुरज तामाङ | एनएलजी इ.कं.लि. | मोटर बीमा तेस्रो पक्ष दाबी | | |

| क्र.सं. | उजुरी मिति | निवेदक | बीमक | मुद्दाको विषय | मुद्दाको अवस्था | निर्णय मिति अ.ल्या.समेत |
|---------|------------|------------------------|-----------------------|-------------------------|-----------------|-------------------------|
| ११३ | २०७१।८।३० | रमेश श्रेष्ठ | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |
| ११४ | २०७१।८।२१ | जयराम विष्ट | रा.बीमा सस्थान | मोटर बीमा दाबी | | |
| ११५ | २०७१।८।२९ | रोशन कुमार भा | सिद्धार्थ इ.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| ११६ | २०७१।९।६ | लक्ष्मी प्रसाद पौडेल | नेपाल इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | सहमति | (०७१०७२) |
| ११७ | २०७१।९।८ | देबु कार्की | रा.बीमा सस्थान | जीवन बीमा दाबी | निर्णय | २०७२।९।२० |
| ११८ | २०७१।९।९ | विनोद प्रसाद भण्डारी | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | तेस्रो पक्ष बीमा दाबी | | |
| ११९ | २०७१।९।९ | डिल्ली कुमार राई | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १२० | २०७१।९।११ | अनिल अग्रवाल | सिद्धार्थ इ.लि. | अग्नि बीमा दाबी | | |
| १२१ | २०७१।९।१४ | मुडभरी एण्ड जो.प्रा लि | एभरेष्ट इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | | |
| १२२ | २०७१।९।२४ | महेन्द्र कुमारी खड्का | लाइफ इ.कं. (ने) लि. | जीवन बीमा मृत्यु दाबी | निर्णय | २०७२।९।२० |
| १२३ | २०७१।९।०२० | कविता लिसानेभिच | हिमालयन ज.इ.कं.लि | यात्रा बीमा दाबी | सहमति | (०७१०७२) |
| १२४ | २०७१।९।१५ | सीता भेटवाल दाहाल | नेको इ. लि. | अग्नि बीमा दाबी | | |
| १२५ | २०७१।९।१२५ | प्रकाश श्रेष्ठ | सिद्धार्थ इ.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १२६ | २०७१।९।१२७ | अमृत कुमार महर्जन | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | इ. तथा ठेकेदार जो. | | |
| १२७ | २०७१।९।१२८ | सागर निधी तिवारी | प्रुडेन्सियल इ.कं.लि. | मोटर बीमा चोरी दाबी | | |
| १२८ | २०७१।९।२३ | देवेन्द्र बराल | सगरमाथा इ.कं.लि. | अग्नि बीमा दाबी | | |
| १२९ | २०७१।९।२९ | कोशी ट्रक व्य. संघ | सगरमाथा इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १३० | २०७१।९।२१५ | जेट एक्सप्रेश टुर्स | दि.ओ.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १३१ | २०७१।९।०१५ | श्रीकृष्ण आधुनिक दाल | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | सामुद्रिक बीमा दाबी | | |
| १३२ | २०७१।९।२१९ | नलचन्द्र मैनाली निलम | रा.बीमा कम्पनी लि. | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| १३३ | २०७१।९।२१९ | गंगाराम यादव | एलाइन्स इ.कं.लि. | मोटर बीमा औषधोपचार | | |
| १३४ | २०७१।९।११२ | नुगानी शेहरा | एशियन ला.इ.कं.लि. | जीवन बीमा मृत्यु दाबी | | |
| १३५ | २०७१।९।२२२ | एन कुमार साई | दि.ओ.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | सहमति | (२०७१०७२) |
| १३६ | २०७२।१।७ | चिज कुमार श्रेष्ठ | लुम्बिनी ज.इ.कं.लि. | मोटर बीमा दाबी | | |
| १३७ | २०७२।१।२२ | अमरद्विप शाह रौनियार | सिद्धार्थ इ.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | | |
| १३८ | २०७२।१।२७ | कृष्ण बहादुर घर्ती | नेशनल इ. कं.लि. | तेस्रो पक्ष मृत्यु दाबी | | |

सम्झेपमा

आ.व. २०७१०७२ को आषाढ मसान्त सम्म दर्ता भएका र अ.ल्या समेत गरी जम्मा मुद्दा संख्या -१३८

आ.व. २०७१०७२ मा निर्णय भएका मुद्दाको संख्या -४२

बीमको पक्षमा -१४

बीमितको पक्षमा-२८

आ.व. २०७१०७२ मा सहमति भएका मुद्दाको संख्या-१०

हालसम्म तामेलीमा रहेका मुद्दाको संख्या-१०

आ.व. २०७१०७२ आषाढ मसान्तसम्म बाँकी रहेका मुद्दा ७६ र तामेलीमा रहेका मुद्दा संख्या-१० गरी जम्मा बाँकी रहेका मुद्दाको संख्या -८६



बीमा समिति

कुपण्डोल, ललितपुर

फोन नं.: +९७७-१-५५२८६९८

+९७७-१-५५३८७४३

+९७७-१-५५२९०७९

फ्याक्स नं.: +९७७-१-५५२०९९९

Email: info@bsib.org.np, bsib@wlink.com.np